खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | गुरुवार, 09 जुलाई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-187

क़यामत की रात!

ईरान पर और बड़े हमले: ट्रंप

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब महायुद्ध की ओर बढ़ता जा रहा है। होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी हमले के जवाब में अमेरिकी वायुसेना ने ईरान के 80 ठिकानों पर जोरदार एयरस्ट्राइक की हैं। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि अब शांति समझौता पूरी तरह खत्म हो चुका है और ईरान के साथ अब कोई बातचीत नहीं होगी। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि बुधवार की रात एक बार फिर ईरान पर विध्वंसक हमला किया जा सकता है। ट्रंप की इस खुली धमकी के बाद ईरान ने भी अमेरिका और मिडिल ईस्ट के देशों को विनाशकारी अंजाम भुगतने की चेतावनी दे दी है। बड़ा सवाल यह है कि क्या आज की रात ईरान पर फिर हमला हुआ तो यह युद्ध पूरी दुनिया को चपेट में ले लेगा?

क्योंकि ईरान पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का समर्थन अब नाटो ने भी कर दिया है। ईरानी सेना ने अली खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम के बीच होर्मुज में तीन जहाजों पर हमला किया था। इस ईरानी हमले का मुख्य निशाना कतर और सऊदी अरब के तेल टैंकर बने। ईरानी हमले का बदला अमेरिका ने अपने आक्रामक अंदाज में लिया। नाटो समिट के बाद अंकारा में ट्रंप ने कहा, उन्होंने कुछ जहाजों पर हमला किया और इसलिए हमने उन पर उससे भी ज्यादा जोरदार हमला किया। जो कुछ भी होगा, वह बहुत जल्दी खत्म हो जाएगा। इससे तेल समेत हालात और भी सुरक्षित हो जाएंगे। ट्रंप ने अपनी पिछली बात दोहराते हुए यह भी दावा किया कि वह तेहरान के निशाने पर हैं। उन्होंने कहा, ईरान की किल लिस्ट में मेरा नाम नंबर एक है।

इससे पहले अमेरिका ने ईरान के 80 ठिकानों पर भीषण बमबारी कर दी। अमेरिकी सेना का दावा है कि उसने ईरान के सीरिक, केश्म और बंदर अब्बास में एयर डिफेंस सिस्टम, कमांड सेंटर, तटीय रडार, एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम, ड्रोन लॉन्च साइट और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) की 60 से ज्यादा सैन्य नौकाओं को निशाना बनाकर तबाह कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ ऐलान कर दिया है कि ईरान के साथ हुआ शांति समझौता अब खत्म हो चुका है और आज की रात ईरान पर अमेरिकी सेना का एक और विध्वंसक हमला हो सकता है।

इसका सीधा मतलब यही है कि चंद दिनों की शांति के बाद एक बार फिर ईरान और अमेरिका के बीच महायुद्ध की शुरुआत हो चुकी है। क्या आज की रात ईरान पर भारी पड़ने वाली है? ▶8पर

भारतीयों के 9 लाख करोड़ स्वाहा

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान ने आग में घी डालने का काम किया है। एक तरह से ट्रंप ने ईरान के साथ संघर्ष विराम को खत्म करने का ऐलान कर दिया है। जिसने अचानक वैश्विक शेयर बाजारों का मूड बिगाड़ दिया है। ट्रंप के बयान से अब मिडिल-ईस्ट में तनाव बढ़ना तय है।

दरअसल, ट्रंप का ईरान को लेकर बयान भारतीय शेयर बाजार में कारोबार के दौरान आया, जिससे कोहराम मच गया। चौतरफा बिकवाली ने निवेशकों को हिलाकर रख दिया। अचानक लगातार तीन दिनों की तेजी पर ब्रेक लग गया और सेंसेक्स-निफ्टी दोनों ही औंधे मुंह नीचे आ गिरे। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1900 अंक तक टूट गया, जबकि निफ्टी फिसलकर 23,800 के लेवल तक पहुंच गया। अचानक बाजार क्रैश होने की वजह से महज कुछ ही मिनटों में निवेशकों के करीब 9 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए।

बाजार में भूचाल के 4 बड़े कारण

इस बड़ी गिरावट के पीछे मुख्य रूप से 4 बड़े कारण हैं:

1.बाजार में आई इस सुनामी की सबसे बड़ी वजह अमेरिका और ईरान के बीच दोबारा तनाव बढ़ना है। जैसे ही अमेरिका द्वारा ईरान पर नए हवाई हमलों और प्रतिबंधों की खबरें आईं, वैश्विक बाजारों में डर का माहौल बन गया, उसके बाद ट्रंप का बयान आ गया। उन्होंने कहा कि ईरान बहुत बड़ा झूठा है, उसके साथ अब कोई बातचीत नहीं होनी चाहिए। ईरान के साथ बातचीत करके समय बर्बाद करने जैसा है। ट्रंप ने ईरानी लोगों के बारे में कहा, 'वे बीमार लोग हैं। मैं उनसे कोई डील नहीं करना चाहता। मुझे लगता है कि ईरान के साथ समझौते का दौर अब खत्म हो चुका है।

2.ईरान पर ट्रंप का सख्त बयान आते ही कच्चे तेल में असर दिखने लगा, अचानक भाव 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। कीमतों में 6 फीसदी तक की उछाल दर्ज की गई। भारत के एक बार फिर ये खतरे की घंटी है, क्योंकि भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा तेल आयात करता है।

3.वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के कारण सेफ हेवन माने जाने वाले अमेरिकी डॉलर में मजबूती आई। इसका सीधा असर भारतीय मुद्रा पर पड़ा और रुपया इतिहास के सबसे निचले स्तर 95.55 प्रति डॉलर पर आ गिरा। कमजोर रुपये के कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से ताबड़तोड़ बिकवाली की गई।

4.सबसे ज्यादा कच्चे तेल की कीमतों में ▶8पर

कैबिनेट काउंटडाउन शुरू

टीम मोदी जवां

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की तैयारी लगभग पूरी है। 20 जुलाई से मानसून सत्र शुरू हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इससे पहले कभी भी फेरबदल की सूचना आ सकती है। सोर्स के मुताबिक, निर्मला सीतारमण, हरदीप सिंह पुरी, पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा से मंत्री पद लिया जा सकता है। मंत्रालय में मौजूद हमारे सूत्रों ने बदलाव का आधार और इसकी वजहें भी बताईं।

कैबिनेट में फेरबदल के दो आधार

सोर्स के मुताबिक, इस बदलाव का आधार दो फैसले हैं

पहला: कैबिनेट अब ज्यादा युवा होगी। औसत उम्र इगझ अध्यक्ष की उम्र के आसपास यानी 46 साल होगी। 2-4 साल कम-ज्यादा हो सकती है, लेकिन 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को बाहर जाना ही पड़ेगा। अपवाद ही बचेंगे। हालांकि, ये नियम पीएम पद के लिए लागू नहीं होगा। पिछले दो फेरबदल में कैबिनेट के जो चेहरे नहीं बदले, वो इस बार जरूर बदलेंगे।

दूसरा: जिन पार्टियों से टूटकर लोग बीजेपी में आए, उन्हें भी कैबिनेट में जगह देनी है। इसमें पंजाब से टूटकर आने वाले आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद शामिल हैं। इनके अलावा शिवसेना (उद्धव गुट) से टूटकर आए सांसद और पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस के सांसद भी एनडीए के सपोर्ट में हैं। उन्हें भी कैबिनेट में शामिल करने की तैयारी है।

जानिए कैबिनेट से किसे बाहर किया जा सकता है और इसकी वजह क्या है-

हरदीप सिंह पुरी, पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्री

हरदीप सिंह पुरी को क्या कोई नया पद मिलेगा? इस पर सोर्स कहते हैं, अभी कोई चर्चा नहीं हुई। विदाई लगभग तय है। वजह क्या है? वे कहते हैं, ज्यादा उम्र, साथ ही नए लोगों को लाने के लिए खाली पद चाहिए। एपस्टीन फाइल के खुलासे के वक्त भी इनके नाम की चर्चा हुई, लेकिन ठोस सबूत नहीं मिले। क्या एपस्टीन फाइल भी एक वजह है? जवाब मिला, नहीं, आरोपों के आधार पर पिछले पांच फेरबदल में कोई बाहर कहां गया। उनके बाहर जाने की सबसे बड़ी वजह उम्र ही होगी। अभी वे 74 साल के हैं। मोदी 3.0 कैबिनेट में युवा लोगों की जरूरत है।

निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वित्त मंत्री

सोर्स के मुताबिक, निर्मला सीतारमण का बाहर जाना भी लगभग तय है। इन्हें साउथ के इंचार्ज के रूप में देखा जा रहा है। 2029 से पहले इकोनॉमी में कुछ नए फैसले होंगे, जो नए चेहरे के साथ ज्यादा नयापन देंगे। सीतारमण से कोई नाराजगी नहीं है। वो मोदी और शाह की कोर टीम में हैं। ▶8पर

ट्रेन में हनीमून!

नप गये रेल कर्मचारी

- सजावट नहीं, सुरक्षा में सेंध पर कार्रवाई।
- बिना इजाजत ट्रेन में पहुंचा डेकोरेटर।
- जांच के आदेश, CTI पर गिरी गाज।

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया स्क्रॉल करते हुए क्या आपकी नजर भी उस वीडियो पर पड़ी, जिसमें ट्रेन का पूरा केबिन किसी फाइव स्टार होटल के रोमांटिक रूम जैसा चमक रहा है? जी हां, चलती ट्रेन में हनीमून सुइट बनाने का यह वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल है। हालांकि, अब सुरक्षा में इतनी बड़ी लापरवाही पर रेल मंत्रालय का हंटर चला है।रेलवे ने मौके पर तैनात जिम्मेदार रेल कर्मचारी को सीधे नौकरी से सस्पेंड कर लाइन हाजिर कर दिया है। इतना ही नहीं, हाई-लेवल विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। अमर उजाला से खास बातचीत में रेलवे ने साफ-साफ कहा कि यात्रियों की सुरक्षा ▶8पर

नौकरी-जायदाद के लिए हत्या

माँ-बेटी रिश्ता कलंकित

जयपुर, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

जयपुर की एयरपोर्ट कॉलोनी में रहने वाली आयुषी शर्मा का नाम पूरे राजस्थान में कुख्यात हो गया। एक परिवार, दो मकान, करोड़ों की जमीन और सरकारी नौकरी की उम्मीद में उसने अपने घर की चार दीवारी के पीछे ऐसी साजिश रची, जिसने मां-बेटी के पाक रिश्ते को भी शर्मसार कर दिया। इल्जाम है कि 24 साल की बेटी ने अपनी ही मां को रास्ते से हटाने का खूनी प्लान बनाया, जिसकी वजह थी सरकारी नौकरी, संपत्ति और शानदार जिंदगी। करीब ढाई साल पहले कोर्ट में एलडीसी रहे विजय वशिष्ठ उर्फ विजय शर्मा ने एयरपोर्ट कॉलोनी में नया घर बनाया था। वह पत्नी नीरज शर्मा, बेटी आयुषी शर्मा और मानसिक रूप से कमजोर बेटे के साथ रहा करते थे। एक साल पहले विजय शर्मा की मौत हो गई थी। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, लेकिन उसी के साथ अनुकंपा नियुक्ति का सवाल भी सामने आ गया। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 25^0

ममता पर अंडे!

3 को थप्पड़, हुईं नाराज

कोलकाता, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में बुधवार को टीएमसी की रैली में हंगामा हो गया। इस दौरान ममता बनर्जी नाराज हो गईं। वे अपनी ही पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं को थप्पड़ मारते नजर आईं। दरअसल, रैली बारुईपुर में 11 साल की बच्ची के साथ रेप-मर्डर के विरोध में निकाली जा रही थी। इस दौरान चोर-चोर के नारे लगने लगे और कुछ लोगों ने रैली में शामिल लोगों पर अंडे फेंकने शुरू कर दिए। टीएमसी ने आरोप लगाया कि हंगामा भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया। इस दौरान मारपीट भी की। ममता ने कहा कि बंगाल में अराजकता फैल गई है। पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह काम कर रही है।

दरअसल, बारुईपुर में 11 साल की बच्ची के साथ रेप-मर्डर का मामला सामने आया था। ▶8पर

रेप-मर्डर आरोपी ढेर

कोलकाता, 08 जुलाई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में नाबालिग से रेप और मर्डर का एक आरोपी प्रभास मंडल पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पूछताछ के दौरान पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहा था।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान प्रभास मंडल ने एक पुलिसकर्मी की राइफल छीन ली। इसके बाद पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें प्रभास को गोली लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बारुईपुर में 12 साल की लड़की 4 जुलाई को लापता हो गई थी। 5 जुलाई को उसका शव एक तालाब से मिला। ▶8पर

नेपाल के सत्तारूढ़ दल के सांसदों के भाषण पर लगाम, सदन में बोलने से पहले स्पीच नोट जमा करना अनिवार्य

काठमांडू

नेपाल के सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) ने अपने सांसदों के भाषण, भाषा और संसदीय प्रस्तुति पर निगरानी बढ़ाने का निर्णय लिया है। पार्टी का मानना है कि सांसदों की संसदीय भूमिका अपेक्षा के अनुरूप प्रभावी नहीं रही है, इसलिए यह कदम उठाया गया है। इसी के तहत आरएसपी ने अपने सांसदों को निर्देश दिया है कि संसद में बोलने से पहले वे अपने भाषण की विषयवस्तु संसदीय दल के पदाधिकारियों को अवश्य भेजें। संसदीय दल ने इस संबंध में सांसदों को औपचारिक परिपत्र (सर्कुलर) जारी किया है।

आरएसपी की मुख्य सचेतक क्रान्तिशिखा धिताल ने बताया कि सांसदों की संसदीय भूमिका को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने कहा, विशेष समय और शून्य समय में कई सांसद निर्धारित समय में अपनी बात पूरी नहीं कर पाते और विषय को सटीक ढंग से प्रस्तुत करने में कठिनाई होती है। इसी कारण पहले से विषयवस्तु देखने की व्यवस्था की गई है।

धिताल ने स्पष्ट किया कि पार्टी सांसदों को नियंत्रित करना नहीं चाहती। उनके अनुसार, विशेष समय और शून्य समय में प्रस्तुत किए जाने वाले सभी भाषणों का मसौदा संसदीय दल के पदाधिकारियों को पहले से भेजना अनिवार्य किया गया है। सांसदों को भेजे गए परिपत्र में कहा गया है, अब से शून्य समय तथा विशेष समय में प्रस्तुत की जाने वाली अपनी सामग्री (स्पीच नोट) अनिवार्य रूप से मुख्य सचेतक क्रान्तिशिखा धिताल तथा सचेतक प्रकाशचन्द्र परियार को एक दिन पहले ही भेजें।

हालांकि, इस निर्देश के बाद पार्टी पर सांसदों के विशेषाधिकारों को सीमित करने का आरोप भी लगने लगा है। चितवन महाधिवेशन के बाद आरएसपी के भीतर तीन अलग-अलग धड़े उभरने की चर्चा है और सांसदों के बीच भी मतभेद दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि पार्टी संसद में एक समान और नियंत्रित रुख प्रस्तुत करने के लिए एक-द्वार नीति अपनाना चाहती है। सरकार के 100 दिन पूरे होने के बाद आरएसपी के कई सांसद सरकार की खुलकर आलोचना करने लगे हैं। कुछ सांसदों ने संसद में गृहमंत्री सुधन गुरूंग के इस्तीफे की मांग की थी, जबकि भूमिहीन लोगो के प्रबंधन में सरकार की लापरवाही पर भी गंभीर सवाल उठाए थे। मुख्य सचेतक क्रान्तिशिखा धिताल ने भी हाल ही में कहा था कि सरकार भूमिहीन लोगो के प्रबंधन में पूरी तरह विफल रही है और भूमिहीनों के आंसू सरकार को झकझोरने वाले हैं।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के ठोरी में भारतीय नंबर प्लेट वाले चारपहिया वाहनों का प्रवेश फिर शुरू, मुफ्त एंट्री पास की सुविधा बहाल

काठमांडू। नेपाल के ठोरी में भारतीय नंबर प्लेट वाले चारपहिया वाहनों का प्रवेश एक बार फिर सुचारु हो गया है। ठोरी लघु भंसार (सीमा शुल्क कार्यालय) के संचालन में आने के साथ ही भारतीय वाहनों को अब निःशुल्क प्रवेश भंसार पास मिलने लगा है। गत शुक्रवार को सशस्त्र सीमा सुरक्षा बल ने ठोरी में भारतीय नंबर प्लेट वाले चारपहिया वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। इसके बाद स्थानीय व्यवसायियों और आम नागरिकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। प्रतिनिधि सभा की मंगलवार को बैठक में पर्सा निर्वाचन क्षेत्र-4 के सांसद टेकबहादुर शाक्य ने ठोरी तथा भिस्वा-जानकीटोल से भारतीय नंबर प्लेट वाले चारपहिया वाहनों के प्रवेश पर लगी रोक का मुद्दा उठाते हुए सरकार का गंभीर ध्यान आकर्षित कराया। वहीं, ठोरी के पर्यटन व्यवसायियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन भी सौंपा। इसके बाद बाद भारतीय नंबर प्लेट वाले चारपहिया वाहनों के प्रवेश को आसान बनाने पर सकारात्मक सहमति बनी। कस्टम कार्यालय के प्रतिनिधियों के अनुसार, भारतीय वाहन ठोरी लघु भंसार से निःशुल्क सुविधा पास प्राप्त करने के बाद ठोरी बाजार और आसपास के पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर सकेंगे। इसी क्रम में बुधवार सुबह को बीआर-22-पीए-0392 नंबर के एक भारतीय चारपहिया वाहन ने पहली बार ठोरी लघु भंसार से निःशुल्क सुविधा पास लेकर ठोरी बाजार में प्रवेश किया। इसके साथ ही भारतीय नंबर प्लेट वाले चारपहिया वाहनों के प्रवेश की व्यवस्था औपचारिक रूप से फिर से शुरू हो गई है।

नेपाल के खिलाफ भारत के सख्त कदम से आयरन और स्टील निर्यात में गिरावट

काठमांडू। नेपाल और भारत के बीच चाय के बाद अब आयरन और स्टील के निर्यात को लेकर टेंशन बढ़ गई है। भारत के इस पर सेफगार्ड ड्यूटी और बीआईएस प्रमाणपत्र अनिवार्य करने के बाद से नेपाल की कमाई में भारी गिरावट आई है। नेपाल का आयरन और स्टील का निर्यात दो तिहाई गिर गया है। नेपाल की कंपनियों का कहना है कि 11 महीने में ही 10.6 अरब नेपाली रुपए की कमाई कम हो गई है। इन कंपनियों ने अब नेपाल की बालेन सरकार से गुहार लगाई है कि वह भारत सरकार से इस संबंध में बातचीत करे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल के निर्यातकों का कहना है कि इससे उनकी कंपनियों में काम कर रहे मजदूरों की नौकरी पर भी खतरा मंडराने लगा है। उन्हें यह भी डर सता रहा है कि भारत और भी ज्यादा आयात प्रतिबंध लगा सकता है। पिछले वित्तीय वर्ष के पहले 11 महीने में नेपाल ने 15.42 अरब रुपए की कमाई भारत को आयरन और स्टील के निर्यात से की थी। अब इस वित्तीय वर्ष में यह कमाई 68.67 फीसदी गिर गई है और कमाई मात्र 4.83 अरब नेपाली रुपए तक ही रह गई है। बता दें ऐसे आरोप हैं कि नेपाल और वियतनाम के जरिए चीन भारत में स्टील डंप कर रहा है।

प्राकृतिक आपदा से जोड़कर देख रहे लोग आसमान के अनोखे दृश्य को

कराकास। हाल ही में सूर्यास्त के समय वेनेजुएला की राजधानी कराकस में आसमान के लाल और नारंगी रंग में बदलने का अनोखा दृश्य देखने को मिला। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए इस घटना के वीडियो को देखने के बाद कई लोगों ने इसे किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा या अशुभ संकेत से जोड़ना शुरू कर दिया। इस बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि यह पूरी तरह प्राकृतिक और वैज्ञानिक कारणों से होने वाली घटना है। बताया जा रहा है कि 30 जून की शाम कराकस के लोगों ने आसमान को सामान्य से अधिक गहरे लाल और नारंगी रंग में देखा। हाल के दिनों में आए भूकंप और अन्य चुनौतियों के कारण पहले से ही डरे हुए लोगों में इस दृश्य ने चिंता और आशंकाओं को और बढ़ा दिया। सोशल मीडिया पर कई तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं और कुछ लोगों ने इसे प्रलय या किसी नई आपदा का संकेत तक बता दिया। हालांकि मौसम और वायुमंडलीय विज्ञान के जानकारों के अनुसार, इस घटना के पीछे कोई अलौकिक या आपदा संबंधी कारण नहीं है।

अमेरिका ने ईरान के 80 स्थानों पर ताबड़तोड़ हमला किया

राष्ट्रपति पेजेशकियान इराक से स्वदेश रवाना नजफ में है खामेनेई का पार्थिव शरीर

वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिकी सुरक्षा बलों ने ईरान के 80 स्थानों पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। यह हमले होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे तीन जहाजों पर ईरानी हमलों के बाद किए गए। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने एक्स हैंडल पर इसकी पुष्टि की। सेंटकाम ने कहा कि सुरक्षा बलों ने सात जुलाई (स्थानीय समय) को ईरान के खिलाफ आक्रामक हमलों का नया दौर पूरा किया। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर ईरान के ताजा हमलों के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया दी गई। सुरक्षा बलों ने सटीक हथियारों के साथ 80 से अधिक ईरानी लक्ष्यों को निशाना बनाया ।

सेंटकाम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों, कमांड और नियंत्रण नेटवर्क, तटीय रडार साइटों, जहाज-रोधी मिसाइल क्षमताओं और 60 से अधिक इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स की छोटी नावों पर हमला किया। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के हमलों के बाद अमेरिका ने उस पर प्रतिबंध लगाए हैं। तेहरान ने कहा कि वह जवाबी कार्रवाई करेगा। अमेरिका ने 17 जून के अंतरिम शांति समझौते के तहत तेहरान को तेल बेचने की छूट को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य के पास कमर्शियल जहाजों पर हमलों के बाद ईरानी तेल निर्यात पर फिर से प्रतिबंध लगा दिए हैं।

यह हमले ऐसे समय पर हुए जब ईरान दिवंगत सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। तेहरान शोक अवधि के दौरान हमलों के खिलाफ पहले ही चेतावनी जारी कर चुकी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नाटो नेताओं ने अंकारा में होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा की है। खामेनेई के ताबूत को अंतिम संस्कार के जुलूस के लिए इराकी शहर नजफ ले जाया गया है।

अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ताजा हमलों से 28 फरवरी को शुरू हुई लड़ाई को हमेशा के लिए खत्म करने के मकसद से हो रही बातचीत में मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। ईरानी तेल की खरीद पर अमेरिकी प्रतिबंध 1979 की ईरानी क्रांति के बाद से ही लागू थे। अमेरिका और इजराइल के सैन्य हमले के बाद वाशिंगटन ने समझौते के लिए छूट के तौर पर कम से कम दो बार ईरानी तेल की अस्थाई बिक्री को मंजूरी दी थी।

इस बीच इराक के नजफ में मौजूद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान अमेरिकी हमले की सूचना पाकर स्वदेश रवाना हो गए हैं। ईरान का शीर्ष नेतृत्व इस समय अपने नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के समारोह की रस्मों में व्यस्त है। खामेनेई का पार्थिव शरीर नजफ में है। ईरान के मशहद में गुरुवार को उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

ईरान के सरकारी ब्राडकास्टर आईआरआईबी की एक्स पोस्ट और अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान इराक से तेहरान लौट रहे हैं। राष्ट्रपति ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम संस्कार की रस्म में शामिल होने के लिए नजफ गए थे। खामेनेई का पार्थव शरीर मंगलवार को नजफ पहुंचा। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने इराक का अपना दौरा पूरा करने के बाद बुधवार तड़के (स्थानीय समय) नजफ छोड़ दिया।

पेजेश्कियान की वापसी शोक में डूबे देश में अमेरिकी हमलों के बीच हो रही है। सेंटकाम ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में कमर्शियल जहाजों पर हमला करने के लिए ईरान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। कमान ने कहा कि ईरान की यह आक्रामकता संघर्ष विराम का स्पष्ट उल्लंघन है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी ईरान में सिरिक, केशम, बंदर अब्बास के पूर्व और पश्चिम में भी धमाके हुए हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार, सिरिक बंदरगाह पर प्रोजेक्टाइल (मिसाइल या राकेट) कमर्शियल और फिशिंग पियर्स (जहाज घाटों) से टकराए। इससे पहले अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने मंगलवार को ईरान को जून में जारी लाइसेंस को रद्द कर दिया।

शादी की चर्चा के बीच करीबी मित्र गिगी हदीद के घर पहुंचीं टेलर स्विफ्ट

लास एंजिल्स

शादी की तैयारियों के बीच अंतरराष्ट्रीय पाप स्टार टेलर स्विफ्ट हाल ही में अपनी करीबी मित्र और सुपरमाडल गिगी हदीद के मैनहैटन स्थित आवास पर नजर आईं। फैंस द्वारा कयास लगाए जा रहे हैं कि गिगी हदीद शादी समारोह में ब्राइड्समेड्स की अहम भूमिका निभा सकती हैं। टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्से की शादी मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित होने की चर्चा है। शादी की तैयारियों के तहत आयोजित रिहर्सल डिनर में गिगी हदीद अपने साथी ब्रैडली कूपर के साथ शामिल हुईं। इस कार्यक्रम में करीब 100 मेहमान मौजूद रहे।

समारोह में टेलर स्विफ्ट की करीबी मित्र सेलेना गोमेज तथा संगीत निर्माता जैक एंटोनाफ सहित कई चर्चित हस्तियां भी शामिल रहीं। इसी बीच, रिपोर्टों में दावा किया गया है कि मशहूर फिल्म निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग और रैपर जे-ज़ी अपनी बेटी ब्लू आइवी के साथ न्यूयार्क पहुंचे हैं। इसके बाद यह अटकलें और तेज हो गई हैं कि वे भी शादी में शामिल होने वाले लगभग एक हजार मेहमानों की सूची का हिस्सा हो सकते हैं।

हालांकि शादी का मुख्य आयोजन मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने की चर्चा है, लेकिन अब तक आधिकारिक रूप से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि विवाह की रस्में वहीं संपन्न होंगी या दोनों पहले ही निजी समारोह में विवाह कर चुके हैं।

कुछ मीडिया रिपोर्टों में यह दावा भी किया गया है कि टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्से पहले ही शादी के बंधन में बंध चुके हैं, लेकिन इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। शादी को लेकर बढ़ती उत्सुकता के बीच मैडिसन स्क्वायर गार्डन के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। रिपोर्टों के अनुसार, आयोजन स्थल के आसपास कई सड़कों पर यातायात सीमित किया गया है और पूरे क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, ताकि समारोह शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न हो सके। इस बीच, जोहरान ममदानी से जब एक प्रेस वार्ता के दौरान इस बहुचर्चित शादी के बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया। उनके इस जवाब ने भी समारोह को लेकर चल रही चर्चाओं को और हवा दे दी।

तेल उत्पादन में रिकार्ड उछाल, भारत को भारी मुनाफा

दुबई। खाड़ी का एक प्रमुख और आर्थिक रूप से सशक्त देश, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), हाल ही में दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक संगठन ओपेक से अलग होकर वैश्विक तेल बाजार में हलचल मचा दी है। ओपेक की पाबंदियों और उत्पादन कोटे की बेड़ियों से मुक्त होते ही यूएई ने अपने कच्चे तेल का उत्पादन रिकार्ड स्तर पर पहुँचा दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की भारी बाढ़ आ गई है। जून के महीने में, यूएई का कच्चा तेल उत्पादन प्रतिदिन 38 लाख बैरल के आंकड़े को पार कर गया, जो पिछले छह सालों का सबसे उच्चतम स्तर है। अबू धाबी इस समय तेल की गिरती कीमतों की चिंता किए बिना अपनी अतिरिक्त उत्पादन क्षमता का पूरा उपयोग करते हुए तेजी से निर्यात बढ़ा रहा है। यूएई की यह नई तेल नीति भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों के लिए किसी लाटरी से कम नहीं है, जिन्हें इससे भारी आर्थिक फायदा मिल रहा है। वहीं, खाड़ी क्षेत्र के सबसे बड़े तेल उत्पादक और यूएई के पड़ोसी देश सऊदी अरब के लिए यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि इससे उसके कूटनीतिक और आर्थिक समीकरण बिगड़ते दिख रहे हैं। यूएई ने इस साल 1 मई को औपचारिक रूप से ओपेक और ओपेक प्लस दोनों से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया था।

अल्ट्रावायलेट तकनीक ने खोले करोड़ों वर्ष पुराने मगरमच्छ के रहस्य

मेंड्रिड

एक सदी से अधिक समय तक स्पेन के एक संग्रहालय में रखा रहा एक जीवाश्म आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक की मदद से 12.5 करोड़ वर्ष पुराने मगरमच्छ से जुड़ा महत्वपूर्ण वैज्ञानिक प्रमाण साबित हुआ है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह खोज प्राचीन मगरमच्छों के विकास, उनकी शारीरिक संरचना और जीवनशैली को समझने में नई दिशा दे सकती है। अल्ट्रावायलेट (यूवी) प्रकाश के उपयोग से वैज्ञानिकों ने इस जीवाश्म में त्वचा, रंगों के पैटर्न और नरम ऊतकों के ऐसे निशान खोजे हैं, जो सामान्य परिस्थितियों में दिखाई नहीं देते। यह जीवाश्म स्पेन के कैटेलोनिया क्षेत्र के नोगुएरा इलाके से वर्ष 1902 में भूवैज्ञानिक लुइस मारिया विडाल द्वारा चूना पत्थर की खदान से प्राप्त किया गया था। बाद में इसका अध्ययन किया गया और इसे एक अलग प्रजाति के रूप में पहचान मिली। इसके बावजूद यह नमूना कई दशकों तक संग्रहालय में सुरक्षित रखा रहा और वैज्ञानिकों को लगा कि इससे अब कोई नई जानकारी नहीं मिल सकती। हाल ही में कैटलन इंस्टीट्यूट आफ पेलियोन्टोलाजी के वैज्ञानिकों ने इसे दोबारा आधुनिक तकनीक से जांचने का निर्णय लिया। शोध दल ने जब जीवाश्म पर यूवी प्रकाश डाला तो चूना पत्थर के भीतर छिपे त्वचा और नरम ऊतकों के निशान स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे। सामान्य रोशनी में अदृश्य रहने वाले ये संकेत वैज्ञानिकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हुए। जीवाश्म में शरीर, पैरों, छाती और पूंछ पर त्वचा के कई हिस्से सुरक्षित मिले। छोटे और गोल आकार के शल्क भी स्पष्ट दिखाई दिए, जबकि कुछ पंजों पर नाखूनों को ढकने वाला कठोर आवरण भी सुरक्षित पाया गया। वैज्ञानिकों के अनुसार यह मगरमच्छ की त्वचा का अब तक के सबसे पुराने और सबसे अच्छी तरह संरक्षित उदाहरणों में से एक है। अध्ययन से पता चला कि इस प्राचीन मगरमच्छ की पूंछ पर मौजूद शल्कों की संरचना आधुनिक मगरमच्छों से काफी मिलती-जुलती थी। इससे संकेत मिलता है कि मगरमच्छों की त्वचा का मूल ढांचा करोड़ों वर्षों में बहुत कम बदला है। हालांकि कुछ महत्वपूर्ण अंतर भी सामने आए। इस प्रजाति की पूंछ पर आधुनिक मगरमच्छों जैसी उभरी हुई धारियां और पैरों पर कठोर सुरक्षात्मक शल्क नहीं थे, जिससे अनुमान लगाया गया कि इसका शरीर अपेक्षाकृत अधिक चिकना और हल्का था। वैज्ञानिकों ने शरीर के किनारों पर छोटे-छोटे विशेष शल्क भी पहचाने, जिन्हें संवेदनशील संवेदी अंग माना जा रहा है। आधुनिक मगरमच्छ इन्हीं अंगों की मदद से पानी में होने वाली हलचल और दबाव में बदलाव महसूस कर शिकार का पता लगाते हैं।

हिमालयी पैंगोलिन एक बार फिर बना वैज्ञानिकों के शोध का केंद्र

काठमाडूं

190 वर्ष पुराने डीएनए नमूने के विश्लेषण से वैज्ञानिकों ने हिमालयी पैंगोलिन को एक अलग प्रजाति के रूप में पुष्टि की है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह खोज न केवल पैंगोलिन के विकासक्रम को समझने में महत्वपूर्ण साबित होगी, बल्कि अवैध शिकार पर रोक लगाने और विलुप्ति के खतरे से जूझ रही इस प्रजाति के संरक्षण में भी बड़ी भूमिका निभाएगी। दुनिया का सबसे अधिक अवैध तस्करी का शिकार बनने वाला स्तनधारी जीव पैंगोलिन एक बार फिर वैज्ञानिकों के शोध का केंद्र बना है। पैंगोलिन अपनी मजबूत शल्कों वाली त्वचा के कारण अन्य स्तनधारियों से अलग पहचान रखता है। यही शल्क इसके लिए सबसे बड़ा खतरा भी बन गए हैं, क्योंकि पारंपरिक चिकित्सा और अवैध वन्यजीव व्यापार में इनकी भारी मांग रहती है। इसी कारण पैंगोलिन को दुनिया का सबसे अधिक तस्करी किया जाने वाला स्तनधारी माना जाता है और इसकी कई प्रजातियां विलुप्त होने के गंभीर खतरे का सामना कर रही हैं। नए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने नेपाल और उत्तरी भारत के हिमालयी क्षेत्रों में पाए जाने वाले पैंगोलिन को एक अलग प्रजाति के रूप में मान्यता दी है। शोध के अनुसार इस प्रजाति का वैज्ञानिक नाम मैनिस आरिटा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि कौन-सी प्रजाति किस भौगोलिक क्षेत्र में पाई जाती है और उनके बीच विकास संबंधी अंतर क्या हैं। यह जानकारी संरक्षण योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगी। इस शोध में फील्ड म्यूजियम के स्तनधारी विभाग के सहायक क्यूरेटर एंडरसन फीजो और नेपाल इंजीनियरिंग कालेज के शोधकर्ता नारायण कोजू सहित कई देशों के वैज्ञानिक शामिल रहे। शोधकर्ताओं ने लंदन के नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम में सुरक्षित वर्ष 1836 के एक ऐतिहासिक नमूने से डीएनए निकाला और उसकी तुलना आधुनिक पैंगोलिन के नमूनों से की। लगभग 190 वर्ष पुराने इस डीएनए ने पुष्टि की कि हिमालयी पैंगोलिन वास्तव में मैनिस आरिटा प्रजाति का ही सदस्य है। वैज्ञानिकों के अनुसार इससे पहले वर्ष 2025 में हिमालयी क्षेत्र के पैंगोलिन को मैनिस इंडोबर्मैनिका नाम दिया गया था, लेकिन नए आनुवंशिक विश्लेषण और टैक्सोनामिक नियमों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि वर्ष 1836 में दिया गया मैनिस आरिटा नाम ही वैज्ञानिक रूप से मान्य होगा। यह संशोधन प्रजातियों की सही पहचान सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि हिमालयी पैंगोलिन आकार में चीनी पैंगोलिन से बड़ा होता है। इसकी पूंछ अपेक्षाकृत लंबी और कान छोटे होते हैं। दोनों प्रजातियों का भौगोलिक वितरण भी अलग-अलग है, जिससे इनके संरक्षण के लिए अलग रणनीति बनाने में सुविधा मिलेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि पैंगोलिन के अधिकांश अवैध व्यापार में केवल उसके शल्क बरामद होते हैं, जिससे यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि वे किस प्रजाति के हैं। अब डीएनए तकनीक की मदद से जब्त किए गए शल्कों की सटीक पहचान की जा सकेगी। इससे यह पता लगाना आसान होगा कि किस क्षेत्र में किस प्रजाति का सबसे अधिक शिकार हो रहा है और कानून प्रवर्तन एजेंसियां तस्करी के नेटवर्क तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है। आपको प्रेम की गहराई का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ऐसी गतिविधियों में शामिल हों जो रोमांचक हों और आपको सुकून दें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा–बहुत तनाव भी पैदा होगा। पुरानी यादों को ज़ेहन में ज़िंदा कर दोस्ती को फिर से तरोताज़ा करने का वक़्त है। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। अगर आप किसी परिस्थिति से घबराकर भागेंगे– तो वह आपका पीछा हर निकृष्ट तरीक़े से करेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

असुरक्षा के चलते आप असमंजस में फँस सकते हैं। तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जीवन–साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। घरेलू मामलों पर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। अपने जीवन–साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपके माता पिता आपकी फिज़ूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। बच्चों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए थोड़ा समय अलग से निकालें। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे– लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदा–री भरा होगा। नए प्रस्ताव आकर्षक होंगे, लेकिन जल्दबाज़ी में निर्णय लेना समझदारी का काम नहीं हैं , अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 जुलाई 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 10:40 तक
नक्षत्र : अश्विनी दोपहर 02:56 तक
योग : सुकर्मा प्रातः 10:11 तक
करण : गर प्रातः 10:40 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल दोपहर 02:56 तक , भद्रा रात्रि 09:36 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी का भव्य मंगल प्रवेश 15 को

चातुर्मास को लेकर तैयारियाँ तेज, बोलारम स्थानक में हुई समन्वय बैठक

नगर प्रवेश, समैया, प्रवचन एवं स्वामीवात्सल्य की व्यवस्थाओं पर हुआ मंथन

संघ पदाधिकारियों ने अधिकाधिक संख्या में धर्मलाभ लेने का किया आह्वान

तेरापंथ भवन रिसाला बाजार से प्रारंभ होगी मंगल शोभायात्रा

हैदराबाद, 8 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, बोलारम के तत्वावधान में पूज्य खरतरगच्छाधिपति आचार्य गुरुदेव श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. के आगामी मंगल नगर प्रवेश एवं चातुर्मास की तैयारियों को लेकर बुधवार को बोलारम स्थानक में एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नगर प्रवेश, समैया, प्रवचन, स्वामीवात्सल्य तथा अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए विभिन्न जिम्मेदारियाँ निर्धारित की गईं।

चातुर्मास कोर कमेटी के सदस्य श्री प्रदीप सुराणा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पूज्य गुरुदेव का मंगल नगर प्रवेश 15 जुलाई 2026, बुधवार को बोलारम में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 8:00 बजे अल्पाहार का आयोजन होगा, जिसके लाभार्थी श्री शांति युवा परिषद, तेरापंथ सभा एवं तेरापंथ महिला मंडल, बोलारम रहेंगे। इसके पश्चात प्रातः 8:30 बजे तेरापंथ भवन, रिसाला बाजार से समैया के साथ भव्य नगर प्रवेश यात्रा प्रारंभ होगी। यह यात्रा जैन श्वेताम्बर पार्श्वनाथ मंदिर होते हुए पातासीबाई गुलाबचंदजी स्थानक, बोलारम पहुँचेगी।

नगर प्रवेश के उपरांत प्रातः 10:00 बजे पूज्य आचार्य श्री का मंगल प्रवचन आयोजित होगा। प्रवचन के पश्चात स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया जाएगा। स्वामीवात्सल्य के लाभार्थी श्री पारसमल, विनोद, प्रमोद, प्रदीप, प्रणय, श्रेष्ठ एवं अनमोल सुराणा परिवार, बोलारम रहेंगे।

बैठक में संघ के पदाधिकारियों एवं गणमान्य श्रावक–श्राविकाओं ने नगर प्रवेश एवं चातुर्मास के सभी धार्मिक कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की।

इस अवसर पर अनिल सुराणा, प्रदीप सुर–ाणा, अभय सुराणा, जे. राजेंद्र सुराणा, पी. विनोद सुराणा, अशोक बोहरा, जयेश भूरट, नीरज सुराणा, आशीष माखाना, अमित राज सुराणा, निखिल सुराणा, सुमेश माखाना, रमेश लूणावत, विशाल सुराणा, किशोर बागमार, चंद्रकांत सुराणा, विनोद कुमार सिंहवी, श्रीपाल सुराणा, राजेंद्र दफ्तरी, रूपेश कटरेला, चेतन बरलोता, संजय सुराणा, अनिल नवलखा, भरत बंटिया, राजेश लूणावत, अनिल कटरेला, चंदन भूरट, आरती सुराणा, सुवर्णा सुराणा, अंजू भूरट, सपना सुराणा, शिल्पा बागमार सहित बड़ी संख्या में श्रावक–श्राविकाएँ उपस्थित थीं।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा यात्रा समाज के लिए बन रही प्रेरणा : संजय गुप्ता

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को श्रद्धा, सेवा और समर्पण की भावना के साथ भोजन वितरित किया गया। ग्रुप के कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ सेवा कार्य में भाग लेकर मानवता की मिसाल प्रस्तुत की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गुप्ता ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप, राधे रानी की असीम कृपा से निरंतर सराहनीय एवं प्रेरणादायी सेवा कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि भूखे और जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाना सबसे बड़ा पुण्य है। किसी जरूरतमंद के चेहरे पर भोजन पाकर आने वाली मुस्कान ही सेवा का सबसे बड़ा पुरस्कार है। उन्होंने कहा कि ग्रुप के सभी सदस्य निस्वार्थ भाव से समाज सेवा में जुटे हुए हैं और यही भावना संगठन को निरंतर आगे बढ़ा रही है।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने राधे रानी से प्रार्थना की कि यह सेवा अभियान निरंतर चलता रहे तथा अधिक से अधिक लोग इस पुनीत कार्य से जुड़कर मानव सेवा में अपना योगदान दें।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, संजय अग्रवाल, उर्मिला अग्रवाल सहित राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का श्री गुरु पूजा उत्सव श्रद्धा एवं राष्ट्रभक्ति के साथ सम्पन्न

भगवा ध्वज को गुरु मानकर स्वयंसेवकों ने लिया राष्ट्रसेवा और समर्पण का संकल्प

विजयवाड़ा, 8 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विजयवाड़ा महानगर के तत्वावधान में 5 जुलाई 2026 को अमरावती कन्वेंशन हॉल में श्री गुरु पूजा उत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं राष्ट्रभक्ति के वातावरण में अत्यंत भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न समाजों के गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर भगवा ध्वज के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

मुकेश चौहान एवं प्रवीण रांका द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजुभाई सोलंकी तथा मुख्य वक्ता डॉ. आर. मुरली कृष्णजी, अखिल भारतीय सह–संयोजक, आरोग्य भारती, चेन्नई उपस्थित रहे।

अपने प्रेरक उद्बोधन में डॉ. मुरली कृष्णजी ने कहा कि ''व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण और समाज निर्माण से राष्ट्र निर्माण'' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल ध्येय है। उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य केवल संगठन निर्माण नहीं, बल्कि ऐसे चरित्रवान, अनुशासित एवं राष्ट्रनिष्ठ नागरिकों का निर्माण करना है, जो समाज और राष्ट्र की उन्नति में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

उन्होंने सभी स्वयंसेवकों से भगवा ध्वज को अपना गुरु मानते हुए समर्पण, अनुशासन, सेवा भाव एवं राष्ट्रनिष्ठा को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि श्री गुरु पूजा उत्सव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सबसे महत्वपूर्ण वार्षिक कार्यक्रमों में से एक है, जिसमें किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, बल्कि भारतीय सनातन संस्कृति, त्याग, तप, धर्म एवं राष्ट्रभक्ति के प्रतीक भगवा ध्वज की गुरु रूप में पूजा की जाती है।

उन्होंने कहा कि यह उत्सव स्वयंसेवकों के भीतर विनम्रता, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, समर्पण तथा समाजसेवा के संस्कारों को सुदृढ़ करता है और राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध को और अधिक मजबूत बनाता है।

इस अवसर पर भाजपा एनटीआर जिला अध्यक्ष श्री अड्डूरी श्रीराम, भाजपा एनटीआर जिला सचिव श्री कोटेश्वर राव नानी, भाजपा गवर्नरपेट मंडल अध्यक्ष श्री प्रवीण जैन रांका, जैन समाज के वरिष्ठजन श्री पुखराज जैन एवं श्री उत्तमचंद जैन, राजस्थानी समाज के श्री थानसिंह राजपुरोहित, श्री बाबूलाल, श्री मधुसूदन बांग, श्री भेरमल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने गुरु पूजन में भाग लेकर भगवा ध्वज को श्रद्धापूर्वक पुष्पांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक समरसता, सेवा भावना तथा राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ हुआ। उपस्थित स्वयंसेवकों ने समाजहित एवं राष्ट्रहित के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने तथा संघ के सेवा एवं संस्कार के मूल्यों को जन–जन तक पहुँचाने का संकल्प भी लिया।

जैन समाजसेवी पुखराजजी कामदार का निधन, श्रद्धांजलि सभा आयोजित

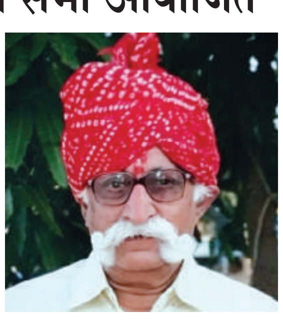

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) श्री ह्रींकार जैन महातीर्थ नंबुरु, गुंटूर के पूर्व अध्यक्ष एवं हैदराबाद निवासी समाजसेवी श्री पुखराजजी भीमराजजी कामदार का 30 जून 2026 को निधन हो गया। वे लंबे समय तक तीर्थ एवं समाज सेवा में सक्रिय रहे। जैन रत्न रमेश पी. तातेड, हुंकार जैन तीर्थ ट्रस्टी ने बताया कि स्व. कामदार ने अपने कार्यकाल में समर्पण और कुशलता से तीर्थ की सेवा की।

समाज उनके योगदान को सदैव श्रद्धापूर्वक याद रखेगा।उनकी स्मृति में 6 जुलाई को हैदराबाद में शोक सभा का आयोजन किया गया। विजयवाड़ा, हैदराबाद, तेनाली, गुंटूर समेत विभिन्न जैन संघों के प्रतिनिधियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वर्गीय पुखराजजी अपने पीछे चार पुत्ररमेश, अशोक, उत्तम एवं दिनेश कामदार, दो पुत्रियाँ और भरा–पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

सिंगारेनी को मिला ताडिचेरला–2 कोयला ब्लॉक वमसी कृष्णा बोले – श्रमिकों के संघर्ष की जीत

पेद्दापल्ली, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड को केंद्र सरकार ने ताडिचेरला कोयला ब्लॉक–2 आवंटित कर दिया है। इस फैसले को पेद्दापल्ली सांसद वमसी कृष्णा गड्डम ने सिंगारेनी श्रमिकों और तेलंगाना की जनता के संघर्ष की जीत बताया। सांसद वमसी कृष्णा ने कहा कि चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादे के मुताबिक उन्होंने तेलंगाना के मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी के साथ मिलकर सिंगारेनी के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। पिछले दो वर्षों से लगातार केंद्र पर दबाव बनाया गया। केंद्रीय कोयला मंत्री किशन रेड्डी से कई दौर की मुलाकात कर एससीसीएल को यह ब्लॉक देने की मांग उठाई गई। संसद में भी सिंगारेनी के हितों का मुद्दा जोरशोर से रखा गया।

वमसी कृष्णा ने कहा कि ताडिचेरला–2 ब्लॉक का आवंटन सिंगारेनी को मजबूत करेगा और हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रोजगार देगा। इससे तेलंगाना के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

क्यूबा के राजदूत से मिले सांसद वमसी कृष्णा

नई दिल्ली/पेद्दापल्ली, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

पेद्दापल्ली के सांसद जी. वमसी कृष्ण ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित अपने सरकारी आवास पर क्यूबा के राजदूत जुआन कार्लोस मार्सन अगुइलेरा से शिष्टाचार भेंट की।बैठक में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों, क्यूबा की वर्तमान स्थिति और आपसी सहयोग बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा हुई। सांसद गद्दाम ने भारत–क्यूबा के ऐतिहासिक संबंधों को याद करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति फिदेल कास्त्रो की मित्रता ने दोनों देशों के रिश्तों की मजबूत नींव रखी थी। उन्होंने बताया कि उनके दादा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता काका वेंकटस्वामी, इंदिरा गांधी के करीबी सहयोगी थे और भारत–क्यूबा संबंधों के उस सुनहरे दौर के प्रत्यक्षदर्शी रहे। गद्दाम ने इस विरासत को आगे बढ़ाने और जन–जन के स्तर पर मित्रता मजबूत करने पर जोर दिया।

वाईएसआर की योजनाएं दूरदर्शिता की मिसाल: विजयरमना राव

पेद्दापल्ली, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी की जयंती पर पेद्दापल्ली में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित हुए। सरकारी सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंताकुंटा विजयरमना राव ने जिला कांग्रेस कार्यालय परिसर स्थित गांधी प्रतिमा और सुल्तानाबाद नगर पालिका के सुगलम्पल्ली वार्ड में डॉ. वाईएसआर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर विधायक विजयरमना राव ने कहा कि डॉ. वाईएसआर ने आरोग्यश्री, 108 एम्बुलेंस सेवा, फीस प्रतिपूर्ति, इंदिराम्मा आवास जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं और राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, पीवीएनआर एक्सप्रेसवे, आउटर रिंग रोड जैसे विकास कार्य शुरू कर अमरत्व हासिल किया। ये केवल योजनाएं नहीं, बल्कि उनकी दूरदृष्टि और जन कल्याणकारी शासन के प्रतीक हैं। उनकी सेवा भावना हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी, उन्होंने कहा। कार्यक्रम में जिला पुस्तकालय संगठन अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष, पार्षद, शहरी कांग्रेस अध्यक्ष, युवा कांग्रेस नेता, महिला कार्यकर्ता समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

जागेश्वर धाम पहुंचे राजपाल यादव–हेमंत पांडे, भोलेनाथ का लिया आशीर्वाद

जागेश्वर, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव और हेमंत पांडे उत्तराखंड के प्रसिद्ध जागेश्वर धाम पहुंचे। दोनों कलाकारों ने आचार्य निर्मल भट्ट के मार्गदर्शन में विधि–विधान से भगवान भो–लेनाथ की पूजा–अर्चना कर आशीर्वाद लिया। जागेश्वर धाम की आध्यात्मिक ऊर्जा और शांति से अभिभूत राजपाल यादव और हेमंत पांडे ने मंदिर की दिव्यता की सराहना की। उन्होंने कहा कि देवभूमि की इस पावन धरा पर आकर मन को असीम शांति मिली।

ताडिचेरला–2 कोयला ब्लॉक मिलने पर भाजपा का जश्न

मंचेरियाल, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड को ताडिचेरला–2 कोयला ब्लॉक बिना बोली आवंटित किए जाने पर मंचेरियाल भाजपा ने जश्न मनाया। एसआरपी–3 मेन परिसर में जिला अध्यक्ष नगनूरी वेंकटेश गोड के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चित्र पर दुग्धाभिषेक कर आतिशबाजी की। वेंकटेश गोड ने बताया कि आज ताडिचेरला–2 ब्लॉक की फाइल पर हस्ताक्षर हुए। इससे एससीसीएल को 182 मिलियन टन नया कोयला भंडार मिलेगा और सालाना 6 मिलियन टन उत्पादन हो सकेगा। खनन अगले 40–50 वर्षों तक चलेगा।

मतदाता सूची संशोधन में तेजी लाएं

मंचेरियाल, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 2, 24, 27 और 30 में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) मतदाता सूची संशोधन अभियान को लेकर महापौर धरनी मधुकर ने बीएलओ और बीएलए के साथ समीक्षा बैठक की। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान को जमीनी स्तर पर और तेज किया जाए। आवेदन पत्र शीघ्रता से एकत्र कर उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। बैठक में स्थानीय पार्षद, कांग्रेस नेता और क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे। इसके बाद महापौर ने 32वें डिवीजन स्थित मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रधानाध्यापक से विद्यार्थियों की उपस्थिति, पढ़ाई की गुणवत्ता और मध्याह्न भोजन की व्यवस्था की जानकारी ली।

कभी सोचा है कि मानव रूप में जो भगवान धरती पर आए थे, उनकी मृत्यु कैसे हुई।

संसार के कल्याण के लिए उन्होंने तमाम लीलाएं रचीं और लोगों को जीवन का गूढ पाठ पढाया। जन्म लेने का मकसद पूरा होने के बाद हमारी ही तरह उन्होंने भी दुनिया को अलविदा कहा था।

जब-जब धरती पर अधर्म बढा है, भगवान ने खुद यहां कई रूपों में अवतरित होकर दुनिया का उद्धार किया है।

संसार के कल्याण के लिए उन्होंने तमाम लीलाएं रचीं और लोगों को जीवन का गूढ पाठ पढाया। जन्म लेने का मकसद पूरा होने के बाद हमारी ही तरह उन्होंने भी दुनिया को अलविदा कहा था।

मनुष्य रूप में जन्म लेने के कारण ईश्वर को भी धरती से वापस जाना पडा। हम इसीलिए उन्हें पूजते हैं, क्योंकि उनके जीवन की हर घटना हमारे पूरे अस्तित्व को बदल सकती है। हम उनकी लीलाओं से बहुत कुछ सीख सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि अवतार रूप में संसार में आने वाले देव पुरुष किस तरह यहां से वापस गए थे।

सरयू नदी में समा गए श्रीराम

पद्म पुराण के अनुसार, श्रीराम से मिलने एक बार एक संत आए और उन्होंने उनसे एकांत में बात करनी चाही। श्रीराम ने आदेश दिया कि कोई भी उनकी बातचीत के बीच न आए और इसकी जिम्मेदारी लक्ष्मण को दी। साथ ही संत के कहने पर प्रतिज्ञा की कि अगर किसी ने उनकी बात सुनी और बीच में आया तो उसे मृत्युदंड मिलेगा। दरअसल, संत के रूप में वो महाकाल आए थे, जिन्होंने राम से कहा कि हे प्रभु। धरती पर आपका रहने का समय समाप्त हो चुका है, इसलिए अब आप अपने श्रीधाम में पधारें। इसी बीच द्वार पर महाक्रोधी दुर्वासा ऋषि आए और श्रीराम से मिलने की जिद करने लगे। उन्होंने कहा कि अगर अभी लक्ष्मण ने उनसे मिलने न दिया तो वे राम को शाप दे देंगे। लक्ष्मण भाई के आदेश से बंधे थे, फिर भी उन्होंने भाई को शाप से बचाने के लिए खुद का जीवन दाव पर लगाने की ठानी ।वे श्रीराम के पास चले गए और दुर्वासा ऋषि के आने की जानकारी दी। श्रीराम को अपनी प्रतिज्ञा याद करके बहुत दु:ख हुआ। वे अपने परम प्रिय भाई को मौत की सजा भला कैसे दे सकते थे।

लक्ष्मण का जाना

पहले के समय में देश से निकाला जाना भी मृत्युदंड के बराबर ही माना जाता था। इसलिए श्रीराम ने लक्ष्मण को देश छोड कर चले जाने का आदेश दिया। पर बिना श्रीराम के लक्ष्मण नहीं रह सकते थे, इसलिए उन्होंने जाकर सरयू नदी में समाधि ले ली और फिर शेषनाग के रूप में अपने लोक चले गए। उनके बिना श्रीराम का मन नहीं लगता था, फिर एक दिन उन्होंने भी इस लोक से जाने का निश्चय किया और सरयू नदी के आंतरिक भू-भाग तक जाकर उसमें लीन हो गए।

जब-जब धरती पर अधर्म बढा है, भगवान ने खुद यहां कई रूपों में अवतरित होकर दुनिया का उद्धार किया है। संसार के कल्याण के लिए उन्होंने तमाम लीलाएं रचीं और लोगों को जीवन का गूढ पाठ पढाया। जन्म लेने का मकसद पूरा होने के बाद हमारी ही तरह उन्होंने भी दुनिया को अलविदा कहा था।

श्रीकृष्ण को बहेलिए ने मारा तीर

महाभारत की समाप्ति के बाद कृष्ण को इसका जिम्मेदार मानते हुए कौरवों की मां गांधारी ने उन्हें शाप दिया था। उन्होंने श्रीकृष्ण से कहा कि 'आप जानते थे इस युद्ध का परिणाम कितना भयावह होगा और इतने लोगों की मौत होगी, फिर भी आपने इसे नहीं रोका। मैंने आपसे कितनी बार इस युद्ध को रोकने का आग्रह किया, लेकिन आपने कुछ नहीं किया। पुत्रों को खोने का दर्द अपनी मां देवकी से पूछो कि पुत्रों को खोने का गम क्या होता है।' फिर उन्होंने गुस्से से कहा कि 'अगर मैंने पूरे मन से भगवान विष्णु की पूजा की हो और अपने पति की पूरे मन से सेवा की हो, तो जैसे मेरा कुल समाप्त हुआ, तुम्हारा कुल भी तुम्हारी आंखों के सामने समाप्त हो जाएगा और तुम देखते रह जाओगे। द्वारका तुम्हारे सामने ही समुद्र में डूब जाएगी और यदुवंश का नाश हो जाएगा।'

इतना कहने के बाद जब क्रोध शांत हुआ तो गांधारी भगवान श्रीकृष्ण के कदमों में गिर पडीं। भगवान ने उन्हें उठाया और कहा कि 'माता मुझे आपसे इसी आशीर्वाद की प्रतीक्षा थी, मैं आपके शाप को ग्रहण करता हूं।' इसके बाद गांधारी और यदुवंश के बच्चों को ऋषियों से मिले शाप के कारण द्वारका के लोग अनुशासनहीन हो गए और उनमें बुरी आदतें आ गईं। एक बार उत्सव के लिए यदुवंशी सागर किनारे एकत्र थे। इसी दौरान किसी बात पर नशे में डूबे इन लोगों में लडाई शुरू हो गई। इसके बाद वहां उगी एरका नामक घास से लोग एक-दूसरे पर प्रहार करने लगे। वो घास शाप के प्रभाव के कारण मूसल बन जाती थी और इन लोगों की मृत्यु हो जाती थी। इस तरह नष्ट हुए वंश के बाद श्रीकृष्ण एक बार जंगल में एक पेड के नीचे विश्राम कर रहे थे, तभी एक तीर आकर उनके तलवों में लगा।

बहेलिए ने शिकार समझकर तीर मारा था। उसने बहुत माफी मांगी, लेकिन श्रीकृष्ण को तो इसी बहाने अपने धाम जाना था और वो चले गए।

देवताओं के अंश पांडव

महाभारत युद्ध के उपरांत अपनी प्रजा की सेवा करने के कुछ समय बाद जब श्रीकृष्ण भी इस लोक से जा चुके थे, तो पांडव भी द्रौपदी समेत स्वर्ग जाने के लिए निकले। ये सभी पांडव किसी न किसी देवता का रूप या अंश थे। अनेक तीर्थों, नदियों व समुद्रों की यात्रा करते-करते पांडव आगे बढने लगे। यात्रा करते-करते पांडव हिमालय तक पहुंच गए, हिमालय लांघ कर पांडव आगे बढे तो उन्होंने सुमेरु पर्वत के दर्शन किए। वहीं से पहले द्रौपदी फिर सारे पांडव एक-एक करके मरने लगे, सिर्फ युधिष्ठिर और उनके साथ ही चल रहा कुत्ता जीवित रहा। इसके बाद उन्हें स्वर्ग ले जाने के लिए स्वयं देवराज इंद्र अपना रथ लेकर आए। तब युधिष्ठिर ने इंद्र से बाकी पांडवों के मरने का कारण पूछा।

इंद्र ने बताया कि पांचाली अर्जुन से ज्यादा मोह के चलते और भीम को बल का, अर्जुन को युद्ध कौशल का, नकुल को रूप और सहदेव को बुद्धि पर घमंड था।

इसके कारण वे सशरीर स्वर्ग नहीं जा पाए। इन तथ्यों को जानने के बाद एक बात तो साफ है कि ये दुनिया नश्वर है और यहां जन्मे हर जीव पर एक ही नियम लागू होता है। जो आया है, उसे जाना ही होगा, चाहे इन्सान हो या भगवान।

अहंकार से समाज का विनाश हो सकता है, लेकिन जनकल्याण की भावना संपूर्ण मानव जाति का भला कर सकती है।

भगवान इंद्र के कहने पर दधीचि ने किया था 'अस्थि दान'

एक बार देवराज इंद्र को अपनी शक्तियों का अहंकार हो गया और उन्होंने गुरु बृहस्पति को अपनी बातों से दुखी कर दिया। बृहस्पति के देवलोक छोडते ही देवताओं की शक्तियां कम हो गईं और असुरों ने उन पर आक्रमण कर दिया। नाना प्रकार की कोशिशें करने के बाद महर्षि विश्वरूप की कृपा से देवता जीत तो गए, लेकिन इंद्र ने दोबारा गलती कर दी। उन्होंने अपनी बातों से विश्वरूप को दुखी कर दिया। विश्वरूप के साथ छोडते ही वृतासुर नाम के असुर ने देवराज इंद्र पर आक्रमण कर दिया। देवराज भागकर सीधे भगवान विष्णु की शरण में आ गए। विष्णु ने उनसे कहा कि अहंकार के वशीभूत होकर आपने जो गलती की है, वह अक्षम्य है। ऐसी स्थिति में महर्षि दधीचि ही आपकी रक्षा कर सकते हैं।

इंद्र ने दधीचि के पास जाकर कहा कि श्री विष्णु के बताए उपाय के अनुसार, यदि आप अपनी अस्थियां दान में दे दें तो उनसे वज बनाकर वृतासुर से युद्ध किया जा सकता है। तब दधीचि ने कहा कि यदि मेरी अस्थियां जनकल्याण के काम में लायी जाती हैं, तो मैं तैयार हूं। उन्होंने अपने शरीर पर मिष्ठान्न का लेपन किया और समाधिस्थ हो गए।

कामधेनु गाय ने उनके शरीर को चाटना आरंभ कर दिया। कुछ देर में महर्षि के शरीर की त्वचा, मांस और मज्जा उनके शरीर से विलग हो गए। मानव देह के स्थान पर सिर्फ उनकी अस्थियां ही शेष रह गईं। इंद्र ने उन अस्थियों से 'तेजवान' नामक वज बनाया। इस वज्र के बल पर उन्होंने वृतासुर को ललकारा।

'तेजवान' वज से प्रहार कर इंद्र ने वृतासुर का वध कर डाला। सच ही कहा गया है कि अहंकार से समाज का विनाश हो सकता है, लेकिन जनकल्याण की भावना संपूर्ण मानव जाति का भला कर सकती है।

मेडिटेशन के बिल्कुल करीब है नींद

अत्यधिक तनाव के कारण लोग स्वाभाविक नींद को भूलते जा रहे हैं और दवाइयों के सहारे सोने का प्रयास करते हैं, लेकिन अगर ध्यान तकनीक का यूज किया जाए तो यह नींद के लिए काफी मददगार साबित हो सकता है।

नींद विश्रांति का सबसे अच्छा तरीका है जो ध्यान, मेडिटेशन के बिल्कुल करीब है। इसीलिए जो लोग अच्छी नींद लेते हैं, वे सदैव तन से भी सेहतमंद रहते हैं और मन से भी प्रफुल्लित रहते हैं। शेक्सपीयर के अनुसार नींद प्रतिदिन के जीवन के लिए मृत्यु, कठिन परिश्रम के लिए स्नान, घायल मस्तिष्क के लिए शान्तिदायिनी औषधि और क्षतिपूर्ण शरीर के लिए अमृतकुंड है।

वस्तुत: मृत्यु के अनंतर भी हम एक लंबे विकास की स्थिति में होते हैं और जिस तरह हंसते-खेलते शिशु के रूप में हम पुन: जीवन धारण करते हैं, ठीक उसी तरह प्रतिदिन की नींद के बाद भी नवचेतना के साथ नया जीवन प्राप्त कर हम पुन: अपने कामकाज में लग जाते हैं. वाह! यह कैसा अद्भुत खेल है प्रकृति का यह कैसी महान कृपा है निद्रादेवी की मनुष्य पर की जो वह हारा थका चूर-चूर होकर संसार की परेशानियों से क्लांत होकर निद्रादेवी की गोद में आकर सो जाता है और दूसरे दिन नव जागृत स्फूर्ति नवजीवन प्रसन्नता एवं उत्साह के साथ तरोताजा होकर उठता है। मजे की बात तो यह है कि इस महान उपकार के बदले हमें मां पकृति को कुछ भी देना नही पडता। किन्तु मनुष्य तो आखिर मनुष्य ही ठहरा, जो मुत में प्राप्त हुई इतनी अमूल्य सौगात, जिसकी तुलना में संसार का कोई भी पदार्थ समर्थ नहीं है, उसे भी अपने पास रख नहीं पाता। जी हां, हम सभी जानते हैं कि आज के संसार में एक गहरी नींद का आनंद तो जैसे दुर्लभ अवसर बन गया है, क्योंकि आज लाखों लोग स्लीप एप्निया, अनिद्रा, रेस्टलेस लेग सिंड्रोम एवं नार्कोलेप्सी जैसे विविध नींद संबंधी विकारों से ग्रस्त हैं।

भारत में हुए एक ताजा सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि बडे महानगरों में रहनेवाले लगभग 75 प्रतिशत से भी अधिक लोग नींद संबंधी शिकायतों को लेकर अपने डॉक्टरों के पास पहुंचते हैं। क्यों क्योंकि अत्यधिक तनाव के कारण लोग स्वाभाविक निद्रा को भूलते जा रहे हैं और दवाइयों के सहारे सोने का प्रयास करते हैं। हमारी नींद को प्रभावित करनेवाला अन्य एक महत्वपूर्ण कारक है हमारा आहार। जी हां। यह एक चिकित्सकीय सिद्ध तथ्य है कि खराब मानसिक स्वास्थ्य प्रतिकूल रूप से व्यक्ति की खाने की आदतों को प्रभावित करता है और आगे चलकर फिर वह उसकी नींद और स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। ऐसी बीमारियों में समुचित ध्यान तकनीक का यदि नियमित रूप से अयास किया जाये तो वह शरीर, स्वास्थ्य और नींद के लिए काफी मददगार सिद्ध हो सकती है।

मनुष्य के लिए कितने घंटे की नींद पर्याप्त है। इस विषय पर वर्षो से अनेक विचार-विमर्श और बहस होती रही हैं। शरीर विज्ञानियों के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को नींद की आवश्यकता अलग-अलग होती है।

कई व्यक्ति तीन-चार घंटे की नींद में ही पूर्ण विश्राम ले लेते हैं, जबकि बहुत से लोग ऐसे भी होते हैं जो आठ-दस घंटे सोने पर भी पर्याप्त विश्राम नहीं ले पाते।

अत: निद्रा का समय व्यक्ति विशेष को अपनी आवश्यकतानुसार दिनचर्या में समाविष्ट करना चाहिए। शास्त्रकारों के अनुसार प्रात: जल्दी उठना और रात्रि को जल्दी सो जाना उत्तम स्वास्थ्य एवं स्वस्थ मस्तिष्क के लिए सर्वोत्तम है।

शिव का अर्थ है कल्याण

महंत रविंद्र पुरी महाराज धर्मनगरी के प्रख्यात शिव विद्या के उपासकों में से एक माने जाते हैं। महंत रविंद्र पुरी महाराज ने 1984 में संन्यास ग्रहण किया था। वर्तमान में वे कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर के परमाध्यक्ष व महानिर्वाणी अखाडा के सचिव हैं। सर्वेश्वर भगवान शिव की जगत कल्याणकारी अनेक लीलाओं का वर्णन शिव पुराण के अंतर्गत श्री व्यास जी ने किया है। इसका पठन पाठन श्रवण कर सांसारिक प्राणी तो क्या देवताओं ने भी मनोवांछित फल की प्राप्ति की है। इसके अलावा मानव जगत में शिव मोक्ष के देव हैं। शिव के पूजन के कई तरह के विधि विधान शास्त्रों और पुराणों में वर्णित है। लेकिन, यदि देखा जाए तो शिव से सरल और कोई देव नहीं है। वास्तव में शिव ही इस संसार का सत्य हैं। पृथ्वी पर जितने उपासक शिव के हैं अन्य किसी देवता के नहीं हैं, क्योंकि शिव ही सभी रूपों में विद्यमान हैं। शिव महापुराण में वर्णित है कि भगवान शिव ने विष्णु भगवान से कहा था कि 'त्रिदेवा अपि में रूपं हर: पूर्णो विशेषत: । उमाया अपि रूपाणि भविष्यन्ति त्रिधा सुता।।'

अर्थात हे तात् यद्यपि ब्रहम हरि तथा तुम तीनों ही मेरे रूप हो परंतु विशेषकर हरि ही मेरा पूर्ण रूप है, इसी प्रकार लक्ष्मी, सरस्वती तथा उमा शक्ति के भी तीन रूप हैं, किंतु उमा सब में पूर्ण रूप हैं। विष्णु रूप की लक्ष्मी, ब्रहम रूप की सरस्वती तथा हरि रूप की उमा अर्धागिनी होंगी इसलिए सिर्फहर यानि शिव को पूजने से ही सभी देवताओं की कृपा प्राप्त हो जाती है। शिव का वास श्मशान में भी माना जाता है, इसलिए श्मशान की भस्म का पूजन भी विशेष पूजन विधियों में आता है। कनखल से भगवान शिव का आदि काल से नाता है। यह पृथ्वी पर मात्र एक ऐसा मानव सभ्यता वाला नगर है जहां पर साल में श्रवण मास में शिव वास करते हैं।

सुख पाने के लिए ये 6 उपाय आजमाएं

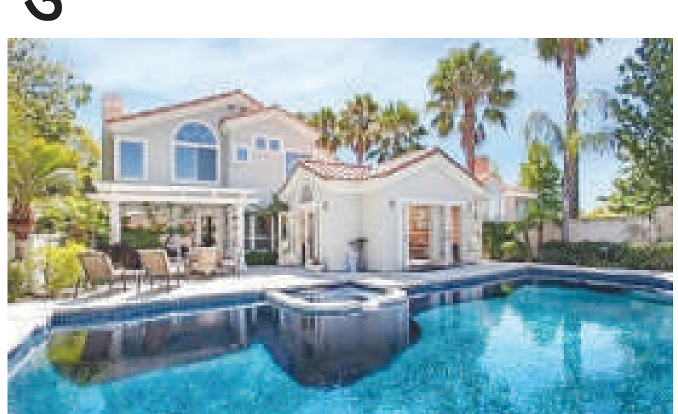

सुख की चाहत हर किसी को होती है। इसके चलते ही लोग परिश्रम करते हैं ताकि धन के जरिए सुख को प्राप्त किया जा सके। लेकिन सुख मन से भी मिलना चाहिए। इसके लिए घर का वास्तु बेहतर होने बेहद जरूरी है।

- घर में नीले रंग के प्लास्टिक और मनी प्लांट के पौधे को नीले कलश में रखें। ऐसा करने पर घर में सुख समृद्धि बनी रहती है।
- घर में मौजूद रसोई घर को दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम दिशा में बनाएं। और दीवारों का रंग लाल, नारंगी या गुलाबी रखें।
- चूल्हे और जूठे बरतन धोने की स्लैब अलग-अलग होनी चाहिए।
- घर के सदस्यों के अच्छी सेहत के लिए रसोईघर में दवाइयां नहीं रखनी चाहिए।
- फेंगशुई के अनुसार घर में विंड चाइम लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।
- घर में ड्रैगन की मूर्ति अथवा चित्र रखने से घर को सुरक्षा कवच प्राप्त होता है।

किचिन को यहां बनाने से होती है किच-किच

दुनिया के हर धर्म में रसोईघर को बेहद अहम माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अतिरिक्त फेंगशुई में भी किचन को लेकर कई टिप्स दिए गए हैं।

रसोईघर के लिए फेंग शुई के उपाय

- विभिन्न ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार रसोईघर को शुभ दिशा में होना चाहिए। यदि रसोईघर सही दिशा या स्थिति में नहीं है तो यह कई प्रकार की समस्या उत्पन्न कर सकता है। फेंगशुई के अनुसार रसोईघर के लिए निम्न उपाय हैं।
- फेंगशुई के अनुसार रसोईघर को घर के पूर्व व दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए , क्योंकि ये दोनों दिशाएं वायु और प्रकाश का संचालन करती हैं।
- रसोईघर की दीवारों का रंग सफेद रखना चाहिए। सफेद रंग स्वच्छता की निशानी माना जाता है।
- रसोईघर में टूटे हुए बर्तन, और शीशा कभी नहीं रखने चाहिए। ऐसी चीजें अशुभ साबित हो सकती हैं।
- जरूरत न होने पर रसोई का दरवाजा बंद ही रखना चाहिए।
- झाडू और पोछे को रसोईघर से दूर रखना चाहिए। ऐसी चीजें घर में अन्न की कमी का आभास कराते हैं।
- रसोईघर को घर में मुख्य प्रवेश द्वार के सामने नहीं होना चाहिए। ऐसे में विवाद होना संभव है।
- रसोईघर में बिजली के अत्यधिक उपकरण नहीं रखने चाहिए।
- चाकू, कैंची या किसी अन्य कटार को रसोईघर की दीवार पर नहीं लटकाना चाहिए।
- इस्तेमाल में न आने वाले बर्तन व बासी भोजन को रसोईघर में नहीं रखना चाहिए।
- किचन में हमेशा अच्छे मूड से जाना चाहिए ।कहा जाता है एक हैप्पी कूक इज द बेस्ट कूक।

रसोईघर उपकरण के लिए फेंग शुई के उपाय

- चूल्हा, स्टोव या गैस, रसोईघर में इस प्रकार से रखा होना चाहिए कि जातक दरवाजे को देख सके। इससे मनुष्य तनावमुक्त होता है।
- रसोईघर में माइक्रोवेव ओवन को दक्षिण- पश्चिम दिशा में रखना चाहिए, जिसके फलस्वरूप रसोईघर स्वत: ही सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करता है।
- रेफ्रिजरेटर एक इलेक्ट्रिक मशीन है, जिसे ऐसे स्थान या मंडल में रखना चाहिए जो जातक के लिए विशेष प्रेरक के रूप में हो।
- दक्षिण दिशा में रेफ्रिजरेटर रखने से नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है, क्योंकि दक्षिण दिशा का तत्व 'अग्नि' है।
- जिसके फलस्वरूप दक्षिण दिशा, रेफ्रिजरेटर के ठंडे तापमान से मेल नहीं खाता।

रसोईघर (किचिन), घर का एक महत्वपूर्ण भाग है। यदि मनुष्य अच्छा भोजन करता है तो उसका दिन भी अच्छा गुजरता है।

ईश्वर बाहर नहीं, आपके मन में

आत्म-सत्ता को यदि परिष्कृत कर लिया जाए, तो वही परमात्म-सत्ता में विकसित हो सकती है। अर्थात् यदि हम अपने गुणों को निखार लें, तो हम अपने भीतर के भगवान को जान सकते हैं। समझा जाता है कि विधाता ही एकमात्र निर्माता है। ईश्वर की इच्छा के बिना पत्ता नहीं हिलता। इन दोनों बातों से कोई भ्रम में भी पड सकता है कि परमात्मा कहीं दूर बैठा है। इन धारणाओं के साथ इतना और जोडना चाहिए कि विधाता से मिलने का सबसे निकटवर्ती स्थान अपना अंत:करण ही है। वैसे तो ईश्वर सर्वव्यापी है, उसे कहीं भी माना जा सकता है, पर यदि दूर जाना संभव न हो, तो अपने अंत:करण को टटोलना चाहिए। उसी में बैठे परमात्मा को हृदय खोलकर मिलने की अभिलाषा पूरी कर लेनी चाहिए। काल्पनिक उडाने भरने से बात कुछ नहीं बनती।

गुस्सा झट से हो जाएगा गायब,बस अपनाएं ये टिप्स

कहते हैं गुस्सा व्यक्ति को चंड़ाल बना देता है। बात-बात पर गुस्सा करने वाले इंसान से परिवार वाले और उसके आस-पास के लोग परेशान हो जाते हैं। कई बार तो इस तरह के व्यक्ति से लोग बात करने से भी कतराते हैं। किसी परेशानी,तनाव,बिजनेस या नौकरी का परेशानी और रिश्तों में बढ रही दूरियां को कारण भी गुस्सा आने लगता है। कई बात तो इससे कुछ लोग खुद भी परेशान हो जाते हैं। इसके लिए आप कुछ उपाय अपना कर इससे समस्या से राहत पा सकते हैं।

1. गुस्सा आने पर किसी से बात करने की बजाए कुछ देर के लिए अकेले बैठ जाएं। मांसपेशियों को रिलैक्स करें। इससे गुस्सा शांत हो जाएगा।

2. किसी बात से परेशान हैं तो गुस्सा होने की बजाए गहरी सांस भरे और आंखे बंद करके खुद को शांत करने की कोशिश करें।

3. गुस्से को दूर करने के लिए सबसे बेहतर तरीका है कि माहौल को खुशनुमा बनाएं। बढ़िया से परफ्यूम की महक लें। आप हैरान जाएंगे कि इससे गुस्सा खुशी में बदल जाएगा।

4. ठंड़ा पानी पीने से भी गुस्सा शांत हो जाता है। परेशानी को दूर करने के लिए उल्टी गिनती गिनना शुरू करें।

कैंसर का इलाज करें खीरा, और भी कई बीमारियां में फायदेमंद

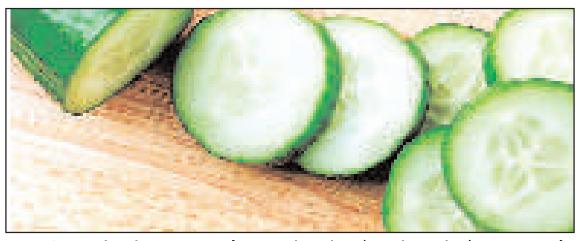

खीरा, इसे लोग सालाद के रूप में बड़े शौक से खाते हैं। सालाद के अलावा भी इसे सैंडविच या फास्ट में भी बहुत इस्तेमाल किया जाता है। खीरा खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। इससे शरीर में हमेशा ताजगी बनी रहती है। आइए जानते हैं इसके सेहत संबंधी फायदों के बारे में...

कब्ज : कब्ज होने पर खीरा खाने से पेट की परेशानी दूर होती है। इसे अपने खाने में जरूर शामिल करना चाहिए। रोजाना इसके सेवन से कब्ज से राहत पाई जा सकती है।

ब्लड प्रेशर : हाई ब्लडप्रेशर से राहत पाने के लिए खीरे का सेवन बहुत अच्छा होता है। इसमें पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है और यह शरीर को ठंड़ा रखता है।

कैंसर : इसमें बहुत से ऐसे तत्व होते हैं जो कैंसर से रोकथाम करने में मददगार हैं और यह बहुत अच्छा एन्टीऑक्सिडेंट भी है। जिससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

वजन घटाएं : खीरे में कैलोरी बहुत कम और फाइबर ज्यादा होता है। मीड डे की भूख को शांत करने के लिए खीरा खाएं। जिससे पेट देर तक भरा रहता है और वजन कम हो जाता है।

किडनी : खाने में हर रोज इसका इस्तेमाल करने से पथरी की परेशानी से बचा जा सकता है। यह पित्ते और कीडनी की पथरी से बचाए रखती है। खीरे के रस को दिन में 2-3 बार पीना लाभकारी होता है।

कोलेस्ट्रोल : खीरे में कोलेस्ट्रोल बिल्कुल नही होता। दिल के मरीजों के लिए खीरा खाना बहुत अच्छा होता है। इसमें पाया जाने वाला स्ट्रेरोल तत्व कोलेस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है।

पीरियड़ का दर्द दूर : जिन लड़कियों को मासिक धर्म के दौरान काफी परेशानी होती है वो दही में खीरे को कद्दूकस करके उसमें पुदीना,काला नमक, काली मिर्च, जीरा और हींग डालकर खाएं। इससे काफी आराम मिलेगा।

साइकिल चलाने के ये फायदे

क्या कभी किसी ने बताए हैं आपको...

अगर आप वजन घटाने की सारी कोशिशें करके हार चुके हैं तो कुछ दिन साइकिल चलाकर देखें. अगर आपको फिट बॉडी की ख्वाहिश है तो साइकिल चलाना शुरू करें. साइकिलिंग से बेहतर शायद ही कोई दूसरी एक्सरसाइज हो. अगर आपको फिट और एक्टिव बॉडी चाहिए तो आज से ही साइकिल चलाना शुरू कर दें.

जरूरी नहीं है कि आप साइकिल चलाने के लिए अलग से समय निकालें. आप चाहें तो अपने रोजाना के कामों को पूरा करने के लिए ही साइकिल चला सकते हैं. ये छोटी सी कोशिश आपको व्यायाम जितना फायदा पहुंचाएगी. आप चाहें तो सुबह दूध लाने के लिए साइकिल चलाकर दुकान तक जा सकते हैं. हर रोज कुछ मिनट साइकिल चलाकर ही आप फिट और आकर्षक बॉडी पा सकते हैं. इसके अलावा भी साइकिल चलाने के कई फायदे हैं।

1. सुरक्षित रखने में मददगार

अगर आप हर रोज कुछ देर के लिए भी साइकिल चला रहे हैं तो आप में दिल से जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है. इससे धड़कन तेज होती है और ब्लड सर्कुलेशन ठीक होता है.

2. मांसपेशियों की मजबूती के लिए

साइकिल चलाने से पैरों की अच्छी एक्सरसाइज हो जाती है और इससे पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं.

3. वजन घटाने का बेहतरीन उपाय

नियमित रूप से साइकिल चलाकर आप कुछ ही दिनों में वजन कम कर सकते हैं.

ये शरीर में मौजूद अतिरिक्त चर्बी को घटाने में मददगार है. रोजाना साइकिल चलाकर आप फिट और एक्टिव बॉडी पा सकते हैं.

4. इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में मददगार

रोजाना साइकिल चलाने से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है. जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है.

5. तनाव से राहत दिलाने में मददगार

नियमित रूप से साइकिल चलाने वालों को अवसाद की शिकायत होने की आशंका बहुत कम होती है.

मानसून में करें इन साबुनों का इस्तेमाल, त्वचा में आएगा निखार

बारिश के मौसम में वातावरण में मौजूद नमी आपकी त्वचा को प्रभावित कर सकती है, ऐसे में कुछ मामूली बदलाव और आयुर्वेदिक साबुन के इस्तेमाल से त्वचा की चमक व ताजगी बरकरार रखी जा सकती है. बायोटिक के सौंदर्य विशेषज्ञों और सोल फ्लॉवर के प्रबंध निदेशक शारदा ने मानसून के दौरान त्वचा की देखभाल से संबंधित कुछ सुझाव दिए हैं.

1. आयुर्वेदिक और हर्बल साबुन त्वचा के पीएच बैलेंस को प्रभावित किए बिना सौम्यता से शरीर की अशुद्धियों को दूर करते हैं. इस मौसम में बैक्टीरिया और गंदगी से त्वचा को बचाना जरूरी है. ये साबुन त्वचा में नमी बरकरार रखते हैं और इसे रिजूविनेट करते हैं.

2. आयुर्वेदिक साबुन जैसे बायो ऑलमंड ऑयल शरीर को पोषित करते हैं, जो प्राकृतिक पोषक तत्वों से समृद्ध होते हैं. वे बादाम, मारगोसा, नारियल तेल, हल्दी आदि से युक्त होते हैं, जो त्वचा को मुलायम बनाते हैं.

3. गुलाब के सत्वों से बना साबुन त्वचा में प्राकृतिक नमी बरकरार रखते हुए चमक और निखार लाता है. गुलाब का तेल और पंखुड़ियां त्वचा के दाग-धब्बों को दूर करते हैं.

4. मानसून में लैवेंडर साबुन का इस्तेमाल भी किया जा सकता है. इसके जीवाणुरोधी गुण त्वचा में हो रही जलन और खुजली को दूर करते हैं, इसकी खुशबू ताजगी और सुकून का अहसास कराती है.

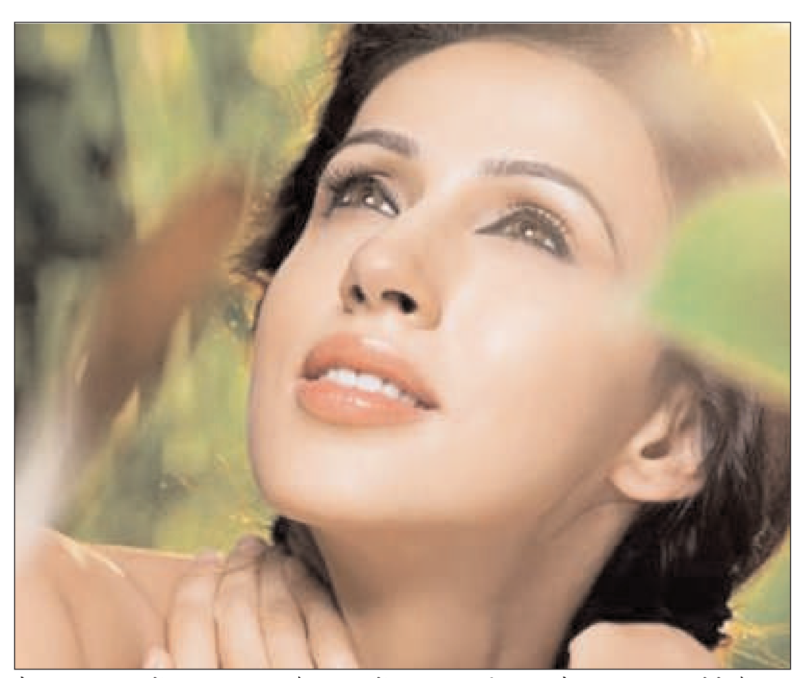

5. चारकोल साबुन तैलीय और मिश्रित त्वचा के लिए मानसून में अच्छा विकल्प है. साबुन में मौजूद एक्टिवेटेड बैंबू चारकोल गंदगी, टॉक्सिन और अशुद्धियों को दूर कर त्वचा के रोम छिद्रों को खोल देते हैं. ये मुंहासे, दाग-धब्बे भी दूर करते हैं.

6. पपीता और खीरा युक्त साबुन सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त होते हैं. यह त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटा कर रोम छिद्र खोल देता है और मुंहासों को नियंत्रित कर दाग-धब्बे कम करता है. इसके इस्तेमाल से त्वचा कोमल हो जाती है. यह त्वचा में नमी बरकरार रखता है.

इन चीजों से करेंगे साफ तो चमक जाएंगे सफेद जूते

सफेद जूते पर्सनेलिटी को भी चार चांद लगा देते हैं। आजकल वैसे भी इस रंग के जूतों का काफी ट्रेंड है लेकिन कुछ लोग सिर्फ इस वजह से सफेद जूते पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि ये बहुत जल्दी गंदे हो जाते हैं। ज्यादातर स्कूल के बच्चे और एक्सरसाइज करते समय लोग सफेद स्पोर्ट शूज पहनते हैं लेकिन बारिश के दिनों में कीचड़ और मिट्टी की वजह से ये गंदे हो जाते हैं। इन्हें साफ करने के लिए कई लोग जूतों को वॉशिंग मशीन में डाल देते हैं लेकिन इससे जूते खराब हो जाते हैं और अच्छे से साफ भी नहीं होते। ऐसे में कुछ आसान तरीके अपनाकर इन्हें मिनटों में साफ किया जा सकता है।

1. एक चम्मच बाइकार्बोनेट सोडा, आधा चम्मच पानी और आधा चम्मच हाईड्रोजन पेरोक्साइड को एक बाउल में डालकर पेस्ट बना लें।

2. अब जूतों के तस्मों को निकाल लें और टूथब्रश की मदद से इस पेस्ट को जूतों पर लगाएं। अब इन तस्मों को बाउल में डाल दें ताकि बचा हुआ पेस्ट उन पर लग जाए।

3. पेस्ट लगे जूतों और तस्मों को 4-5 घंटों के लिए धूप में सूखने के लिए रख दें।

4. जब जूतों का पेस्ट सूख जाए तो इन्हें डिट्र्जैंट से धोएं और धूप में सूखने के लिए रख दें। इससे जूते एक दम चमक उठेंगे।

मानसून में ऐसे रखेंगे फर्नीचर का ध्यान तो नहीं होगा खराब

तेज तपती गर्मी के बाद मानसून का इंतजार तो हर किसी को बेसब्री से लगा रहता है। लेकिन जहां यह मौसम चेहरे पर मुस्कान लाता है, वहीं अपने साथ कई तरह की प्रॉबल्म भी लेकर आता है जैसे दीवारों की सीलन, कपड़ों में बदबू। इसके अलावा एक और चिंता है जो हर किसी को सताती है वो लकड़ी के फर्नीचर की क्योंकि इस मौसम में लकड़ी के फर्नीचर में सीलन और उसमें कीड़े लगने शुरू हो जाते है। इतना ही नहीं लकड़ी फूलने लगती है ऐसे में घर का फर्नीचर खराब हो जाता है। फर्नीचर को बचाने के लिए लोगों को समझ नहीं आता कि क्या किया जाए। अगर आपको भी अपने फर्नीचर की चिंता सता रही है तो घबराए नहीं। हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जिससे आप लकड़ी के फर्नीचर को बचाएं रख सकती है।

1. फर्नीचर को सेफ जगह पर रखें : अपने घर में पड़े लकड़ी के फर्नीचर को किसी ऐसी जगह पर रखें जगां, बारिश की बूंदे उनक तक न पहुंच पाएं। इससे वह गीले होने से बचे रहेंगे।

2. समय-समय पर ऑयलिंग दें : अगर आपके घर के खिड़की दरवाजे भी लकड़ी के है तो उन्हें समय-समय पर ऑयलिंग करें। ऐसा करने से उमें कोई कीड़ा नहीं लगने पाएं।

3. नीम के पत्तों का इस्तेमाल करें : घर में नमी को कंट्रोल करने के लिए सूखे नीम के पत्तों का इस्तेमाल करें। इसके अलावा आप ह्यूमीडिफायर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

4. फर्नीचर को दीवारों से दूर रखें : अधिकतर देखने को मिलता है कि लोग अपने फर्नीचर को दीवारों से जोड़कर रखते है लेकिन बारिस के मौसम में इनकी खास केयर करनी पड़ती है। इसलिए बेहतर होगा की मानसून में लकड़ी को फर्नीचर को दीवारों से दूर लगाकर रखें। इससे वह डैम लगने से बचे रहेगे।

5. पॉलिश या पेंट करवाएं : बारसात के दिनों में अपने फर्नीचर को पॉलिश या पेंट करवाएं। इससे वह नमी से बचे रहें और खराब भी नहीं होंगे।

कुछ इस तरह बनाएं अपनी सुबह खिली-खिली...

दी ब्वाडी क्लाक गाइड टू बेटर हेल्थ के मुताबिक 10 में से महज 1 ही व्यक्ति सही मायनों में मायनो में मार्निंग पर्सन कहलाता है। लेकिन अच्छी बात यह है कि 10 में महज दो ही लोगों की स्थिति सुबह उठते हुए गंभीर होती है बाकी सब सामान्य रहते हैं। लेकिन अगर आप चाहती हैं कि आपकी सुबह खिली-खिली हो, आप मार्निंग पर्सन कहलाएं तो इसके लिए आपको कुछ नियमों का पालन करना पड़ेगा। अपना ध्यान देना होगा और सोने के घंटों में इजाफा कना होगा।

अच्छी नींद लें

डेलीबर्नडाटकाम वेबसाइट के मुताबिक आपको चाहिए कि नियमित अच्छी नींद लें। अगर इसके लिए आपको अपने शिड्यूल में कुछ बदलाव करने होंगे तो उससे भी परहेज न करें। आप चाहें तो अपने काम को देर रात तक करने की बजाय देर शाम तक ही खत्म कर लें। अगर तब भी काम अधूरा रह जाए तो काम को वहीं अधूरा छोड़ सो जाएं और सुबह जल्दी उठने का नियम बनाएं। रात को ली गई नींद आपके स्वास्थ्य के लिए ज्यादा जरूरी है। जब नींद पूरी होती है तो सुबह त?के उठने से आपको परहेज भी नहीं होगा।

पर्याप्त समय लें

आप एक रात में किला फतह नहीं कर सकते। इसलिए यह न सोचें कि आप अपने शिड्यूल को बैलेंस नहीं कर पा रही हैं। इसके लिए बेहतर है कि आप पर्याप्त समय लें। धीरे-धीरे कर अपनी जीवनशैली में बदलाव करें। इतना ही नहीं संभव हो तो किसी विशेषज्ञ की राय भी ले सकती हैं। एक बात और ध्यान में रखें कि खुद को काम के बोझ के तले ने दबाए रखें।

रूटीन बनाएं और फालो करें

अकसर देखने में आता है कि लोग रूटीन तो बना लेते हैं लेकिन उसे फालो नहीं करते। आपको बता दें कि यह तो ढाक के तीन पात वाली बात हो गई। बेहतरी यही है कि रूटीन बनाएं, इसके लिए आप किसी की मदद भी ले सकती हैं। साथ ही उसे फालो भी करें। आपको बता दें कि रूटीन बनाने के लिए मदद ली जा सकती है। लेकिन रूटीन फालो आपको खुद को ही करना होगा।

दिन में लें छोटी से झपकी

अगर आप देर रात तक पर्याप्त नींद नहीं ले पाई हैं तो उसकी भरपाई के तहत दिन में ही छोटी सी झपकी ले सकती हैं। इससे आपको न सिर्फ रिलैक्स फील होगा बल्कि आपको शरीर को अच्छा भी महसूस होगा। आपको खुद को थकान की गर्त में नहीं महसूस करेंगी। लेकिन हमेशा कोशिश करें कि रात की नींद पूरी लें।

स्मार्टली खाएं

विशेषज्ञों की मानें तो अगर आप सोने जा रही हैं तो इस समय दोनों ही तरह की स्थिति को नजरंदाज करें मसलन न तो बहुत ज्यादा खाएं और न ही भूखी रहें। ये दोनों ही स्थिति आपको मार्निंग पर्सन बनने नहीं दे सकती है। इसके उलट आपकी लाइफस्टाइल खराब कर सकती है, आपके हेल्थ पर नेगेटिव इफेक्ट छोड़ सकती है। एक बात और ध्यान रखें कि सोने से पहले वाशरूम जरूरी जाएं। शराब या काफी पीकर बेड पर जाने से बचें। यह आपके हेल्थ के लिए सही नहीं है।

सभी बत्तियां बंद करें

रात को सोने से पहले कमरे की सभी बत्तियां बंद कर दें। दरअसल ऐसा न करने से अच्छी और गहरी नींद लेने में समस्या होती है। इतना ही नहीं बत्तियां बंद करने से आपके अंदर की यानी ब्वाडी क्लाक को अलर्ट होने में मदद मिलती है। उसे दिन का और रात का सही-सही पता चलता है। लेकिन यदि आप कमरे की बत्तियां बंद नहीं करती हैं तो ब्वाडी क्लाक हर समय असमंजस में रहती है और वह आपको सही समय पर उठा नहीं पाती।

सोने के पहले तैयारी

सोने के पहले ध्यान रखें कि खुद को इलेक्ट्रानिक फ्री करके सोएं। इन दिनों देखने में आ रहा है कि बच्चे से लेकर बूढ़े तक सभी अपने सिरहाने पर मोबाइल, टैब या कोई अन्य गैजेट रखकर सोते हैं। इससे नींद बाधित होती है। बेहतर है कि सोने से पहले खुद को गैजेट और इलेक्ट्रानिक फ्री कर लें और चैन की नींद लें। इससे आपकी सुबह न सिर्फ अच्छी होगी बल्कि खिली-खिली भी हो जाएगी।

रेसिपी

रोस्टेड काजू मसाला

सामग्री

2 काजू, 12-15 साबुत कालीमिर्च, 2 बड़ा चम्मच जीरा, 1 बड़ा चम्मत साबुत धनिया, 1 छोटा चम्मच सौंफ, 1-2 लौंग, 3-4 सूखी लाल मिर्च, तलने के लिए तेल, 1 छोटा चम्मच चाट मसाला पाउडर, स्वादानुसार काला नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी

विधि

मध्यम आंच पर एक पैन में सभी खड़े मसाले डालकर सुनहरा होने तक भून लें। गरम मसालों को प्लेट में निकालकर ठंडा होने दें। अब एक कड़ाही में तेल डालकर गर्म होने के लिए तेज आंच पर रखें। जब तक तेल गर्म हो रहा है। भूने साबुत मसालों को मिक्सर में पीसकर पाउडर बना लें। तेल में काजू को डालकर हल्का सुनहरा होने तक तल लें। काजू को किचन पेपर में निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। काजू को एक बार में डालें फिर इसमें तैयार किया गर्म मसाला, चाट मसाला, काला नमक और चीनी डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। आप चाहें तो बोइल को 9कवर करके अच्छी तरह हिला लें। तैयार मसालेदार काजू को सर्व करें या फिर एयरटाइट कंटेनर में डालकर हफ्ते 10 दिन तक रख सकते हैं।

मीठे समोसा

सामग्री

आधा किलो मैदा, 3 बड़ा चम्मच बटर / मक्खन, 300 ग्राम घी, भरावन के लिए: आधा छोटा चम्मच तिल, 2 बड़ा चम्मच खोया, 8-10 किशमिश, आधा कप चीनी, 1 कप नारियल, कद्दूकस, 2 बड़ा चम्मच खसखस, आधा छोटा चम्मच वेनीला एसेंस

विधि

एक कटोरे में मैदा, बटर और पानी ले कर मुलायम आटा गूंद लें। इसके बाद आटे को आधे घंटे के लिए ऐसे ही रख दें। तय समय के बाद इसे फिर से अच्छी तरह मसलें। जब यह मुलायम हो जाए तो इसकी छोटी-छोटी लोई लेकर पूड़ियां बेल लें। अब एक कटोरे में खोया, चीनी, तिल, घिसी नारियल, खसखस और कुछ बूंद वेनीला एसेंस की डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। तैयार मिश्रण से एक चम्मच मसाला पूरियों में रखें और इसे समोसे जैसा आकार दें। समोसे के कोनों को चिपकाने के लिए आप चाहें तो अंडे का इस्तेमाल करें या फिर कांटे वाले चम्मच से दबाकर पैक कर सकते हैं।इसके बाद जब समोसों में भरावन पूरी तरह से भर जाए तब इन पर बटर लगा दें। मीडियम आंच में एक कड़ाही में घी डालकर गर्म करें। जब घी गर्म हो जाए तो समोसों को इसमें डीप फ्राई कर लें। आप चाहें तो इन समोसों को चाशनी में भी डिबो सकते हैं। इसके लिए 1 कप पानी में एक कप चानी डालकर चाशनी तैयार कर लें और फिर इन समोसों को इसमें डालकर कुछ देर तक रखें और निकालकर सर्व करें।

संपादकीय

निष्कलंक' का इस्तीफा क्यों?

अंततः राम मंदिर ट्रस्ट को अपने महासचिव रहे चंपत राय बंसल और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार करने पड़े। इस निर्णय में 'मजबूरी' झलकती रही, क्योंकि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने चंपत राय को 'महापुरुष' और 'संत-साधु' करार दिया। ट्रस्ट ने चंपत को 'आरोपित' ही नहीं किया। ट्रस्ट ने बैठक में यह जरूर स्वीकार किया कि राम मंदिर के प्रबंधन में कई खामियां थीं, लिहाजा चंदा-चढ़ावे की चोरी-डकैती संभव हो सकी। कई अनियमितताएं और विसंगतियां थीं, लिहाजा 'चोर' ही दान का धन गिनते रहे और 70 बार चोरी करते रहे। यह विशेष जांच दल का शुरुआती निष्कर्ष बताया गया है। इस 'महापाप' से सभी आहत, दुखी और लज्जित हैं। राम मंदिर की प्रतिष्ठा पर सवाल उठे हैं, भव्य राम मंदिर की छवि धूमिल, कलंकित हुई है, उसकी भरपाई सिर्फ इस्तीफों से नहीं की जा सकती। चंपत राय और अनिल मिश्रा समेत समूचा ट्रस्ट परोक्ष रूप से दोषी है, आरोपित है, लिहाजा ट्रस्ट को भंग करके नई व्यवस्था तय करनी चाहिए थी। यह प्रतिबद्धता प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्रालय की थी, लेकिन जो अंतिम निष्कर्ष सामने आया है, उससे स्पष्ट है कि ट्रस्ट संघ परिवार की 'बपौती' है, उसकी प्रशासनिक, धार्मिक ईकाई ही बना रहेगा। वर्चस्व आरएसएस, विहिप और संघवादी संतों का ही रहेगा, लिहाजा संघ के बुनियादी प्रचारक रहे दो चेहरे बाहर करने पड़े, तो उनका विकल्प भी संघवादी कृष्ण मोहन को चुना गया। भारतीय वन सेवा अधिकारी रहे कृष्ण मोहन 2012 से ही आरएसएस में सक्रिय हैं और प्रचारक भी रहे हैं। अब उन्हें राम मंदिर का पवित्र दायित्व सौंपा गया है। अभी उन्हें 'अंतरिम महासचिव' कहा जा सकता है। ट्रस्ट ने यह विमर्श नहीं किया कि आखिर चंपत राय और अनिल मिश्रा को इतना निरंकुश और ताकतवर किसने और क्यों बनने दिया गया? उनकी मनमानियां कैसे चलती रहीं? करीब 114 करोड़ रुपए के भूमि-सौदे उन्हें ही क्यों करने दिए गए, जबकि इन जमीनों की कीमत 20-25 करोड़ रुपए आंकी जा रही है? क्या यह बड़ा घोटाला नहीं है? ट्रस्ट 'सामूहिक जिम्मेदारी' का संगठन होता है, लिहाजा समूचा ट्रस्ट ही बदलना चाहिए था। जो साधु-संत किस्म के चेहरे ट्रस्ट में हैं, उन्हें प्रशासन, प्रबंधन, वित्तीय अंकुश और निगरानी का कोई अनुभव नहीं है, तो फिर करोड़ों रुपए के दान, चंदे, चढ़ावे का दायित्व उन्हें क्यों सौंपा गया? राम मंदिर आंदोलन के दौरान असंख्य लोगों ने योगदान दिया था, 'राम-राम' के उद्‌घोष किए थे, बलिदान भी दिए थे, उनमें से अधिकतर मंदिर की सीमा से बाहर ही हैं। वे भी आज पीड़ित, व्यथित होंगे! आंदोलन की सक्रियता ट्रस्ट में शामिल होने की गारंटी नहीं है। संविधान में तो यह प्रावधान नहीं है कि ट्रस्ट में सिर्फ संघ परिवार की ही सदस्यता होगी। 'हिंदू' तो गैर-संघी भी हो सकता है और प्रशासनिक अनुभव का धनी भी हो सकता है, लेकिन राम मंदिर पर संघ का ही 'अघोषित कब्जा' है। सवाल यह भी गंभीर है कि चंपत राय को ट्रस्ट से बाहर किया जा रहा था, तो बैठक में उनका अभिनंदन क्यों गाया गया? कोषाध्यक्ष गोविंद देव ने उन्हें 'निष्कलंक' और 'निरापराधी' माना है। उन्होंने कहा है कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान और उसके बाद चंपत राय की सेवाओं, कार्यों, तप-त्याग और भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता। चंपत राय से 'असावधानी' में भूल हो गई, लिहाजा उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। क्या गोविंद देव कोई 'न्यायाधीश' हैं, जो ऐसा फैसला सुनाया है? क्या ट्रस्ट के स्तुतिगान के बाद अब चंपत राय के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी, उनके खिलाफ केस नहीं बनेगा और वह निष्कलंक होकर अयोध्या से विदा हो सकेंगे? क्या विहिप में वह उपाध्यक्ष के पद पर बने रहेंगे? ऐसे पाक-साफ व्यक्ति का ट्रस्ट ने इस्तीफा क्यों मंजूर किया? दरअसल हमें तो ट्रस्ट की बैठक ही प्रायोजित और लीपापोती वाली ज्यादा लगी। हालांकि गोविंद देव ने कुछ बेशकीमती वस्तुएं ही सार्वजनिक की हैं। ऐसी 2926 वस्तुएं बताई जा रही हैं। कानून तो यह भी कहता है कि चांदी को गलाने, दान की गई वस्तुओं का स्वरूप बदलने का अधिकार ट्रस्ट को नहीं है। फिर ऐसा क्यों किया गया? ट्रस्ट ने भारत सरकार की 'मिंट' से अनुबंध क्यों किया? ऐसे कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं।

ट्रस्ट ने बैठक में यह जरूर स्वीकार किया कि राम मंदिर के प्रबंधन में कई खामियां थीं, लिहाजा चंदा-चढ़ावे की चोरी-डकैती संभव हो सकी। कई अनियमितताएं और विसंगतियां थीं, लिहाजा 'चोर' ही दान का धन गिनते रहे और 70 बार चोरी करते रहे। यह विशेष जांच दल का शुरुआती निष्कर्ष बताया गया है। इस 'महापाप' से सभी आहत, दुखी और लज्जित हैं। राम मंदिर की प्रतिष्ठा पर सवाल उठे हैं, भव्य राम मंदिर की छवि धूमिल, कलंकित हुई है, उसकी भरपाई सिर्फ इस्तीफों से नहीं की जा सकती। चंपत राय और अनिल मिश्रा समेत समूचा ट्रस्ट परोक्ष रूप से दोषी है, आरोपित है, लिहाजा ट्रस्ट को भंग करके नई व्यवस्था तय करनी चाहिए थी। यह प्रतिबद्धता प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्रालय की थी, लेकिन जो अंतिम निष्कर्ष सामने आया है, उससे स्पष्ट है कि ट्रस्ट संघ परिवार की 'बपौती' है, उसकी प्रशासनिक, धार्मिक ईकाई ही बना रहेगा। वर्चस्व आरएसएस, विहिप और संघवादी संतों का ही रहेगा, लिहाजा संघ के बुनियादी प्रचारक रहे दो चेहरे बाहर करने पड़े, तो उनका विकल्प भी संघवादी कृष्ण मोहन को चुना गया।

ई-उपकरणों से मिट्टी पानी या वायु को प्रदूशित किए बिना मूलवान धातुएं निकाल कर उन्हें पुनः उपयोग के लायक बना देता है

ई-कचरे के समाधान की दिषा में बड़ी उपलब्धि

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के शोधकर्ताओं ने मेक इन इंडिया के अंतर्गत एक स्वदेशी प्रायोगिक संयंत्र विकसित किया है। यह प्रतिवर्ष 100 टन इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट का प्रसंस्करण करने की क्षमता रखता है। यह प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) के उपचार के लिए डिजाइन किया गया है। इसे भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के तिरुचिरापल्ली में स्थित परिसर में स्थापित किया गया है। पीसीबी इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट सबसे अधिक खतरनाक और धातुओं से भरपूर घटकों में से एक हैं। इनमें तांबा, सीसा और टिन जैसी धातुएं पर्याप्त मात्रा में होती हैं। यदि इस कचरे का उचित प्रबंधन नहीं किया जाए तो ये धातुएं मिट्टी और भू-जल में रिसकर लंबे समय तक पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती है।

भारत ही नहीं दुनिया ई-कचरे के निस्तारण की समस्या से जूझ रही है। ऐसे में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के शोधकर्ताओं ने मेक इन इंडिया के अंतर्गत एक स्वदेशी प्रायोगिक संयंत्र विकसित किया है। यह प्रतिवर्ष 100 टन इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट का प्रसंस्करण करने की क्षमता रखता है। यह प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) के उपचार के लिए डिजाइन किया गया है। इसे भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के तिरुचिरापल्ली में स्थित परिसर में स्थापित किया गया है। पीसीबी इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट सबसे अधिक खतरनाक और धातुओं से भरपूर घटकों में से एक हैं। इनमें तांबा, सीसा और टिन जैसी धातुएं पर्याप्त मात्रा में होती हैं। यदि इस कचरे का उचित प्रबंधन नहीं किया जाए तो ये धातुएं मिट्टी और भू-जल में रिसकर लंबे समय तक पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती है। ऐसे समय में जब भारत हर वर्श लगभग 50 लाख मीट्रिक टन ई-कचरा पैदा कर रहा हो, तब आईआईटी मद्रास के षोधार्थियों की यह उपलब्धि बहुत बड़ी है। क्योंकि यह अनुपयोगी हुए ई-उपकरणों से मिट्टी पानी या वायु को प्रदुशित किए बिना मूलवान धातुएं निकाल कर उन्हें पुनः उपयोग के लायक बना देता है। आआईटी मद्रास के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक एस पुश्पावनम और वाईबीजी वर्मा का कहना है कि भारत में ई-कचरे की चुनौती बढ़ने के साथ यह संयंत्र साफ-सुथरे तरीके से धातु निकालने के लिए एक ऐसा मॉडल है, जिसे आसानी से बड़े पैमाने पर लागू किया जा सकता है। यह काम मेक इन इंडिया सर्कुलर इकोनॉमी और जरूरी खनिजों की सुरक्षा के लक्ष्यों के अनुरूप है। यह अकादमिक अनुसंधान को प्रौद्योगिकी विकास में बदलने का दुर्लभ उदाहरण है। इस प्रक्रिया को एकमात्र अम्ल के प्रयोग से संपन्न कर लिया जाता है। इसमें उच्च स्तरीय सुरक्षा के स्वचालित उपाय किए गए हैं। यह संयंत्र पूरी तरह भारतीय कंपनियों द्वारा निर्मित है। यह संयंत्र भारत और एषियाई देषों के लिए इसलिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि पर्यावरण पर वैष्विक निगरानी रखने वाली सिएटल स्थित संस्था बासेल एक्षन नेटवर्क (बीएएन) की रिपोर्ट में जानकारी दी है कि अमेरिका से लाखों टन खराब इलेक्ट्रोनिक सामग्री कई देषों में ठिकाने लगाने की दृश्टि से भेजी जा रही है। जिनमें से अधिकांष दक्षिण-पूर्व एषिया के विकासषील देष हैं। इन देशों में इस खतरनाक कचरे का सुरक्षित रूप से नष्ट करने का कोई उपाय नहीं है, इसलिए वे इसे लेने को तैयार नहीं हैं। बावजूद दस अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां प्रयोग की उम्र समाप्त कर चुके इलेक्ट्रॉनिक कचरे को एशिया और पश्चिमी एशिया के निर्धन देशों में ठिकाने लगा रही है। इसे ई-कचरे की छिपी हुई सुनामी माना जा रहा है। रपट के अनुसार यह ई-कचरे की अदृश्य सुनामी है, क्योंकि ये गरीब देश इस कचरे का पुनर्चक्रण करने में समर्थ नहीं हैं। फिर भी ताकतवर पूंजीपति देश इन देशों को अपने कचरे का ठिकाना बनाने में लगे हुए हैं।

अतएव पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा। वहां के लोगों के स्वास्थ पर कितना असर पड़ेगा, यह अंदाजा कोई नहीं लगा पा रहा है। इस कचरे में कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल और अन्य आईटी उपकरण षामिल हैं। इनमें सीसा, कैडमियम और पारा जैसी सामग्रियां हैं, जो मूल्यावन होने के साथ विशाक्त हैं। जैसे-जैसे गैजेट्स नए मॉडल के साथ तेजी से बदले जा रहे हैं, वैसे-वैसे पुनर्चक्रित नहीं किए जाने वाला कचरा पांच गुना बढ़ता जा रहा है। इस नजरिये से भारत में निर्मित यह संयंत्र अत्यंत उपयोगी है। भविश्य में इसके निर्यात से भारत विदेषी पूंजी भी कमाएगा। संयुक्त राश्ट्र के अंतरराश्ट्रीय दूरसंचार संघ और अनुसंधान षाखा (यूएनआईटीएआर) के अनुसार एकत्रित आंकड़े बताते है कि वैष्विक स्तर पर 2022 में 6.2 करोड़ मीट्रिक टन ई-कबाड़ उत्पन किया गया। 2030 तक इसके उत्पादन की मात्रा 8.2 करोड़ मीट्रिक टन हो जाने का अनुमान है। रपट के अनुसार हर महीने लगभग 2000 कंटेनरों में लगभग 33,000 मीट्रिक टन अमेरिका में इस्तेमाल किया गया ई-कचरा अमेरिकी बंदरगाहों से बाहर भेजा जाता है। इन कंटेनरों की खेपों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों को ई-कचरा ब्रॉकर कहा जाता है। ये आमतौर पर स्वयं कचरे का पुनर्चक्रण करने की बजाय इसे लाचार गरीब देषों के बंदरगाहों पर उतार देती हैं। यह कचरा लगातार एषियाई देषों में कचरे के बोझ को बढ़ाकर कई तरह के पर्यावरणीय संकट पैदा कर जल, वायु और पृथ्वी को प्रदूशित कर रहा है। इस कचरे से घातक लैंडफिल गैसों का भी उत्सर्जन कुछ सालों के बाद होने लगता है। इनसे उत्पन जहरीला रसायन जल और मिट्टी को दूशित करता है। इस कचरे का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए कबाड़खानों में पहुंचा देते हैं। यहां काम करने वाले मजदूर अकसर बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के उन्हें हाथों से जला एवं पिघला कर अलग कर खोलते हैं। इस प्रक्रिया से विषाक्त धुआं निकलता है, जो अत्यंत हानिकारक होता है। बासेल एक्शन नेटवर्क की संधि के मुताबिक इस्तेमाल किए गए ई-कचरे को एक देश से दूसरे देश भेजने की अनुमति केवल ऐसे कचरे को है जिसे पुनर्चक्रित करके पुनः इस्तेमाल किया जा सके और जो पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करने वाला हो। लेकिन ये कंपनियां ऐसी किसी शर्त का पालन नहीं कर रही हैं। यही कारण है कि दुनिया में पुनर्चक्रण की तुलना में ई-कबाड़ में पांच गुना वृद्धि हो रही है।

आज ई-कचरा, जिसमें बड़ी मात्रा में प्लास्टिक के उपकरण भी षामिल हैं, नश्ट करना भारत समेत दुनिया के देषों के लिए मुष्किल हो रहा है। इसे नष्ट करने के जैविक उपाय तलाशे जा रहे हैं। जापान के क्योटो विश्वविद्यालय ने एक ऐसे जीवाणु के अनुसंधान का दावा किया है, जो जैविक रूप से प्लास्टिक नष्ट कर सकता है। हालांकि भारत में यही काम औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी कचरे को नष्ट करने के लिए केंचुओं से कराया जा रहा है। औसतन एक टन ई-कचरे के टुकड़े करके उसे यांत्रिक तरीके से पुनर्चक्रित किया जाए तो लगभग 40 किलो धूल या राख जैसा पदार्थ तैयार होता है। इसमें अनेक कीमती धातुएं समाहित रहती हैं। इन धातुओं को अलग करने की प्रक्रिया में हाथों से छंटाई, चुंबक षक्ति से विलगीकरण, विद्युत-विच्छेदन, सेंट्रीफ्यूजन और उलट ऑस्मोसिस जैसी तकनीकें षामिल हैं। लेकिन ये तरीके मानव शरीर और पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाले हैं, इसलिए इस हेतु बायो-हाइड्रो मेटलर्जिकल तकनीक कहीं ज्यादा बेहतर मानी जा रही है। इस तकनीक को अमल लाते वक्त सबसे पहले बैक्टीरियल लिंचिंग प्रोसेस; बायो लिंचिंग का प्रयोग करते हैं। इसके लिए ई-कचरे को बारीक पीसकर उसे जीवाणुओं के साथ रखा जाता है। बैक्टीरिया में मौजूद एंजाइम कचरे में उपस्थित धातुओं को ऐसे यौगिकों में बदल देते हैं कि उनमें गतिशीलता पैदा हो जाती है। बायो-लिंचिंग की विधि में जीवाणु कुछ विशेष धातुओं को अलग करने में मदद करते हैं। हालांकि कई प्रकार के जीवाणुओं और फफूंद का उपयोग प्रिंटेड सर्किट बोर्ड से सीसा, तांबा और टिन को अलग करने के लिए किया जाता रहा है। इस हेतु जीवाणुओं की बेसिलस प्रजातियां मसलन सेक्रोमाइसिस सेरेविसी, यारोविया लिपॉलिटिका प्रयोग में लाई जाती हैं। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विशेषज्ञों का मानना है कि औसतन एक स्मार्टफोन में 30 मिलीग्राम सोना होता है। यह फोन के सर्किट बोर्ड और इंटरनल कंपोनेंट्स में होता है। एपल ऐसे लाखों आईफोन और कंप्यूटर की रीसाइक्लिंग करता है, जिनमें सोना होता है। एपल अपने निगरानी एडिशन को पुनर्चक्रित भी करता है। इनमें 18 कैरेट की गुणवत्ता वाले तकरीबन 50 ग्राम सोने का इस्तेमाल होता है। साफ है, समस्या बने ई-कचरे को यदि पुनर्चक्रित करने के संयंत्र बड़ी संख्या में लगाए जाते हैं तो बड़े पैमाने पर युवा तकनीकियों को रोजगार तो मिलेगा ही, विकासषील और गरीब देष बड़े स्तर पर इस कचरे को नश्ट करने के झंझट से भी मुक्त हो जाएंगे। इसलिए इस कचरे को जो कंपनियां जिन देषों में ठिकाने लगा रही हैं, वहां इस कचरे के निस्तारण के लिए आईआईटी मद्रास द्वारा निर्मित संयंत्रों को निर्यात भी करने का रास्ता भविश्य में भी खुल जाएगा।

देश दुनिया से

आर्थिक सुरक्षाः भारत-जापान का नया फोकस

सोलहवें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए जापान की प्रधानमंत्री सना तकाइची की भारत यात्रा द्विपक्षीय संबंधों के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हुई। वैसे तो यह वार्षिक शिखर सम्मेलन संस्थागत रूप ले चुके हैं, लेकिन इस बैठक के आसपास का रणनीतिक वातावरण पहले की तुलना में काफी अलग था, क्योंकि चीन ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक दबाव और समुद्री गतिविधियों का दायरा बढ़ा दिया है। अमेरिका की क्षेत्रीय भूमिका को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, आपूर्ति शृंखलाएं भू-राजनीतिक झटकों के प्रति संवेदनशील हैं, जिससे भारत और जापान, दोनों पर यह दबाव बढ़ रहा है कि वे अपनी रणनीतिक समानता को वास्तविक क्षमताओं में बदलें। इसलिए सना तकाइची की भारत यात्रा नयी रणनीतिक दृष्टि की घोषणा से अधिक इस बात का परीक्षण थी कि क्या यह साझेदारी भू-राजनीतिक जोखिमों को संभालने का व्यावहारिक साधन बन सकती है। पिछले एक दशक में भारत और जापान ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत की साझा दृष्टि को व्यक्त करने में काफी कूटनीतिक प्रयास किये। लेकिन हालिया शिखर सम्मेलन ने यह स्वीकार किया कि भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब भू-आर्थिक साधनों के माध्यम से लड़ी जा रही है। इसलिए दोनों सरकारों ने केवल राजनीतिक समानता को मजबूत करने के बजाय अपनी रणनीतिक साझेदारी को ऐसे तंत्रों में बदलने की कोशिश की, जो पारस्परिक कमजोरियों को कम कर सकें। यानी, भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी एक नये चरण में प्रवेश कर रही है, जहां लचीलापन और क्षमता निर्माण व्यापक घोषणाओं की जगह ले रहे हैं। शिखर सम्मेलन का मुख्य केंद्र आर्थिक सुरक्षा पर द्विपक्षीय ढांचे की शुरुआत था। यह संबंधों में एक महत्वपूर्ण बदलाव है, क्योंकि अब आर्थिक सहयोग को केवल व्यापार या निवेश के नजरिये से नहीं देखा जा रहा है। दोनों देश औद्योगिक लचीलेपन को राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम हिस्सा मान रहे हैं। यह ढांचा विश्वसनीय आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत करने तथा

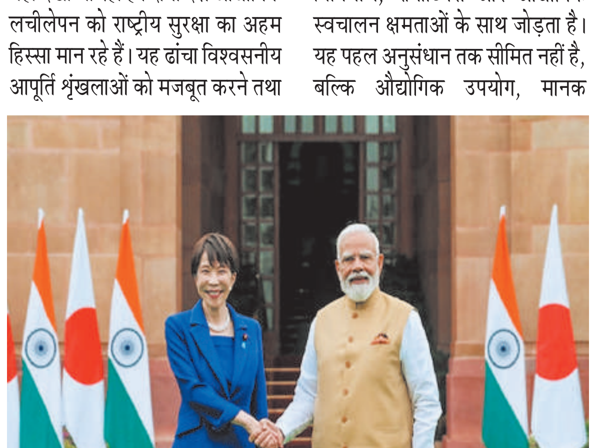

सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, उन्नत विनिर्माण और रणनीतिक तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य आर्थिक दबाव के प्रभाव को कम करना भी है। भारत और जापान केंद्रीकृत आपूर्ति शृंखलाओं और परस्पर आर्थिक निर्भरता को हथियार बनाने के रणनीतिक जोखिमों को लेकर सजग हैं। भारत का विश्वसनीय विनिर्माण साझेदारों पर जोर जापान के आपूर्ति विविधीकरण प्रयासों से मेल खाता है। इस प्रकार दोनों देश रणनीतिक परस्पर निर्भरता का नया मॉडल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। निवेश लक्ष्य, विस्तृत आर्थिक साझेदारी समीक्षा, बिजनेस वीक, एआइ ढांचा और सेमीकंडक्टर सहयोग आर्थिक सुरक्षा को संस्थागत रूप देने की दिशा में संकेत करते हैं। बैठक में दोनों देशों ने एआइ पर एक विशेष द्विपक्षीय ढांचा अपनाया, जो भारत के सॉफ्टवेयर इकोसिस्टम को जापान की उन्नत विनिर्माण, रोबोटिक्स और औद्योगिक स्वचालन क्षमताओं के साथ जोड़ता है। यह पहल अनुसंधान तक सीमित नहीं है, बल्कि औद्योगिक उपयोग, मानक निर्धारण और कार्यबल विकास को भी बढ़ावा देती है। यह इस समझ को दर्शाता है कि भविष्य में तकनीकी प्रतिस्पर्धा केवल नवाचार पर नहीं, बल्कि डिजिटल तकनीकों को उद्योग, लॉजिस्टिक्स और सार्वजनिक ढांचे में लागू करने की क्षमता पर निर्भर करेगी। ऊर्जा सुरक्षा भी साझा चर्चा का महत्वपूर्ण विषय रही। दोनों देशों ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, समुद्री ऊर्जा परिवहन और स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जतायी। साथ ही, हाइड्रोजन और नयी पीढ़ी की ऊर्जा प्रणालियों में साझेदारी की संभावनाएं भी तलाशने का निर्णय लिया। स्पष्ट है कि ऊर्जा सहयोग अब केवल नवीकरणीय ऊर्जा तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक ऊर्जा सुरक्षा ढांचे का हिस्सा बन गया है। सबसे महत्वपूर्ण निर्णय भारत-जापान रक्षा सह-विकास परियोजना की शुरुआत का रहा। वैसे तो पिछले एक दशक में भारत-जापान रक्षा सहयोग अभ्यासों, लॉजिस्टिक्स समझौतों और समुद्री समन्वय के माध्यम से निरंतर आगे बढ़ा है, पर औद्योगिक सहयोग तुलनात्मक रूप से सीमित रहा है। यह समझौता दर्शाता है कि अब दोनों देश रक्षा साझेदारी को औद्योगिक विकास से जोड़कर देख रहे हैं, जिससे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तकनीकों का साझा विकास और उत्पादन संभव हो सके। यह पहल सफल होती है, तो भारत-जापान संबंधों का सबसे परिवर्तनकारी पहलू बन सकती है। इस शिखर सम्मेलन ने आर्थिक और रणनीतिक नीतियों के बीच बढ़ती समानता को उजागर किया। भारत और जापान अब व्यापार, निवेश और सुरक्षा को अलग-अलग क्षेत्रों के रूप में नहीं, बल्कि एक-दूसरे को मजबूत करने वाले तत्वों के रूप में देख रहे हैं। इसी दृष्टिकोण से सीइपीए की समीक्षा और आधुनिकीकरण का निर्णय लिया गया, ताकि इसे डिजिटल व्यापार, महत्वपूर्ण तकनीकों और लचीले विनिर्माण जैसे आधुनिक क्षेत्रों के अनुरूप बनाया जा सके। सना तकाइची की भारत यात्रा का निवेश पक्ष भी महत्वपूर्ण रहा। इस दौरान जापान ने भारत में निवेश बढ़ाने की अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता दोहरायी। जापान की प्रधानमंत्री के साथ आये व्यावसायिक प्रतिनिधियों ने विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, मोबिलिटी और स्वच्छ ऊर्जा में नये सहयोगों की घोषणा की।

आप का नज़रिया

नई पटरी की तलाश

परछाइयां बता रहीं अंदर का सच, कुछ तो है इस चिलमन के पीछे। हिमाचल में सत्तारूढ़ कांग्रेस का अगली सत्ता को न्योता देना कम से कम पार्टी की भुजाओं को परखने लगा है। फासले कम हैं तेरी दरगाह के, फिर भी चल न सके तो दोष किसका। खैर अब सत्ता की कसौटियां सामने खड़ी हैं और मंजिल पर इरादों का घमासान। इसी बीच खबर यह कि प्रदेश मंत्रिमंडल के माथे पर नया टीका लगाया जाए। कुछ महीने बदलेंगे बरसात के और कुछ बादल रुकेंगे आगाज से। कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल का मनमोहक संदेश यही कि कांग्रेस अपनी सत्ता की पटरी सुधारेगी और इसके कुछ लाभदायक पद अपने कद के साथ नाटी डालेंगे। फेरबदल की खिड़कियां और मंत्रिमंडल विस्तार के दरवाजे कितने खुलते हैं, इससे पहले यह जानना जरूरी है कि पार्टी से लेकर सरकार तक नेताओं का प्रदर्शन कैसा रहा। कुछ विभाग ऐसे भी हैं, जो न शहर और न ही गांव की दोपहर में नजर आते हैं। चर्चाएं तब ज्यादा होतीं जब साहब बदल जाते या अस्पताल में डाक्टर घट जाते हैं। बेशक नेताओं के प्रदर्शन का एक मानदंड स्थानीय निकाय चुनावों में दिखाई दे रहा है और जहां कई नेता कांग्रेस के सफलतम खिलाड़ी नजर आते हैं। ऐसा ही एक जिक्र आशीष बुटेल का भी होगा, जहां पूरा पालमपुर नगर निगम कांग्रेस को दंडवत प्रणाम करता दिखाई दिया। चर्चा शिक्षा मंत्रालय की रही। नीतियों, कार्यक्रमों के अलावा सीबीएसई पाठ्यक्रम के सुपुर्द हुए, स्कूलों की सूचियों की हुई। क्या सीबीएसई शिक्षकों की मेरिट से इतर विधायकों की कोशिश कोई रुतबा है या गुणवत्ता के लिहाज से किसी नेता ने अपनी सियासत का जिक्र नहीं किया। बेशक आर्थिक तंगी के बजट में उदारता नहीं होती, फिर भी सरकार के हर कदम की पड़ताल होती है। बेशक सुक्खू सरकार के कई फैसले हिमाचल की जमीन बदल देते हैं और आसमान का फासला कम करते हैं, लेकिन जनता की उम्मीदें जवाबदेही से दूर रहना चाहती हैं। उन्हें बिना पर्ची के अस्पताल में इलाज, बिना सवारी के गांव तक बस, बिना शुल्क के नगर निकाय और बिना छात्रों के स्कूल चाहिएं। इसलिए कड़वे पेड़ पर मीठे फल नहीं उगते। कुछ मंत्रियों ने आशा जगाई है, तो हम देख सकते हैं कि राजेश धर्माणी सरीखे मंत्री शहरीकरण को नियोजित करने की इच्छा जगाते हैं। बल्क ड्रग पार्क की मिट्टी को उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान माप लेते हैं। मंत्रियों के जिलों की तासीर अगर गड़बड़ है, तो तस्वीर बदलनी होगी। कुछ विधानसभाओं में विधायक का रुतबा मंत्री बना नजर आता है, तो कुछ मंत्रियों के होने की वजह कमजोर नजर आती है। हम कृषि से स्वास्थ्य और परिवहन तक कुछ कमजोर कड़ियां देखते हैं। दूसरी ओर पर्यटन के हिस्से में कई मजमून और उभरते दूत देखते हैं। यह सही है कि मंत्रिमंडल के फैसलों में गगल एयरपोर्ट विस्तार, वनखंडी का चिड़ियाघर, डगवार मिल्क प्लांट और देहरा में केंद्रीय विश्वविद्यालय का शृंगार नजर आता है, लेकिन सरकार में कांगड़ा के ओहदेदार कमजोर लगते हैं। मंडी की सतह से चिपकी भाजपा के सामने कुछ कांग्रेसी हकदार बन सकते हैं। यहां भाजपा बनाम कांग्रेस की चुनावी तैयारियों का विश्लेषण स्वाभाविक है। भाजपा का सफर मुख्यमंत्रियों के पद को लेकर विचलित है, लेकिन मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू अपने आलाकमान की गठरी का खजाना हैं। ऐसे में जब धर्मशाला पॉलिटिकल अफेयर कमेटी में कांग्रेस खुद को तोलेगी, तो कई श्रवण कुमार निकल आएंगे। एक बार फिर से कयासों का ढक्कन खोल कर पार्टी ने अपने रैंक और फाइल को कदमताल पर लगा दिया है।

हिमाचल में सत्तारूढ़ कांग्रेस का अगली सत्ता को न्योता देना कम से कम पार्टी की भुजाओं को परखने लगा है। फासले कम हैं तेरी दरगाह के, फिर भी चल न सके तो दोष किसका। खैर अब सत्ता की कसौटियां सामने खड़ी हैं और मंजिल पर इरादों का घमासान। इसी बीच खबर यह कि प्रदेश मंत्रिमंडल के माथे पर नया टीका लगाया जाए। कुछ महीने बदलेंगे बरसात के और कुछ बादल रुकेंगे आगाज से। कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल का मनमोहक संदेश यही कि कांग्रेस अपनी सत्ता की पटरी सुधारेगी और इसके कुछ लाभदायक पद अपने कद के साथ नाटी डालेंगे। फेरबदल की खिड़कियां और मंत्रिमंडल विस्तार के दरवाजे कितने खुलते हैं, इससे पहले यह जानना जरूरी है कि पार्टी से लेकर सरकार तक नेताओं का प्रदर्शन कैसा रहा। कुछ विभाग ऐसे भी हैं, जो न शहर और न ही गांव की दोपहर में नजर आते हैं। चर्चाएं तब ज्यादा होतीं जब साहब बदल जाते या अस्पताल में डाक्टर घट जाते हैं। बेशक नेताओं के प्रदर्शन का एक मानदंड स्थानीय निकाय चुनावों में दिखाई दे रहा है और जहां कई नेता कांग्रेस के सफलतम खिलाड़ी नजर आते हैं। ऐसा ही एक जिक्र आशीष बुटेल का भी होगा, जहां पूरा पालमपुर नगर निगम कांग्रेस को दंडवत प्रणाम करता दिखाई दिया।

कुछ अलग

मित्रगण कृपया ध्यान दें

अपने द्वारा ठगे हर टाइप के मित्रों को सूचित करते हुए हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि मैंने कल से अपना नाम बदल लिया है। अतः कल से मेरे सारे मित्र मुझे मेरे पुराने नाम को भूला नए नाम से बुलाएं। कल से पुराने नाम से अब मेरा कोई वास्ता नहीं होगा। इसलिए कल से जो मुझे पुराने नाम से बुलाएंगे तो मैं बिल्कुल नहीं सुनूंगा। क्योंकि जिस ना से मुझे बुलाया जाएगा, वह मैं होऊंगा ही नहीं। इसे वे अपनी फजीहत समझें या मेरी समझदारी। आज तक जिसने भी मेरे पुराने नाम के साथ जो भी लेनदेन किया है, कल से उसके लिए वे खुद जिम्मेदार होंगे। नाम बदलने के साथ ही अब मेरी पुरानी हर जिम्मेदारी खत्म मानी जाए। मेरे नए नाम का पुराने नाम से भविष्य में कोई लेना देना नहीं होगा। क्या है न कि मैं अपने पुराने नाम के साथ अपने मित्रों में बहुत बदनाम हो गया था। या कि दूसरे शब्दों में कहा जाए तो यह कहा जा सकता है कि पुराने नाम ने मुझे बहुत बदनाम कर दिया था। जहां से भी गुजरता था, इस पुराने नाम के बदनाम होने की वजह से जिनके मुंह में थूक भी नहीं होता था, वह भी मेरे नाम के मुंह पर थूकते थे। मनुष्य की प्रकृति और कुत्ते की पूंछ कभी सीधी नहीं हो सकती। आप चाहे कितनी ही कोशिश कर लीजिए, अगर आप को मुझ पर विश्वास नहीं तो आप भी अपनी प्रकृति और अपनी पूंछ को सीधा करने के लिए जोर आजमाइश कर देख लीजिए। ऐसा नहीं कि ये सब करने से पहले मैंने कुछ नहीं सोचा! बहुत सोचा। बार बार सोचा। सौ बार सोचा। हजार बार सोचा कि अब बहुत हो गया! कि अब मैं अपने मित्रों से बदतमीजी, झूठ, बेईमानी, मक्कारी, धोखा, झूठे आश्वासन देना छोड़ दूं।

दृष्टि कोण

भारतीय शहरों की पोल खोल देता है मानसून

यह अब ढर्रा ही बन चुका है कि मानसून के देश के कुछ हिस्सों में पहुंचते ही नागरिक एक और भयावह स्थिति के लिए अपने आप को तैयार करते हैं, जो रोजमर्रा की जिंदगी को दुख, खतरे और अपमान के दलदल में बदल देती है। मानसून का जो मौसम नवीनीकरण का होना चाहिए, वह तबाही व अव्यवस्था लेकर आता है। सड़कें गंदी नदियों में बदल जाती हैं, नालियां सड़कों पर सीवेज उगलती हैं, बिजली के तार मौत के जाल की तरह लटकते हैं, फुटपाथ खोमचे व मलबे के नीचे गायब हो जाते हैं, कचरे के ढेर पहाड़ बन जाते हैं और कंकरीट की अवैध इमारतें रातोंरात उग आती हैं। यह केवल प्रकृति का प्रकोप नहीं है। यह भ्रष्टाचार, उदासीनता और उन लोगों की आपराधिक लापरवाही से पैदा हुई एक मानव निर्मित आपदा है, जिन्हें सेवा की शपथ दी गयी थी। यह हर साल मौतों का उत्सव बन गया है, जो हर स्तर की विफलता से पैदा होता है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे देश को एक योजनाबद्ध ठहराव की स्थिति में धकेल दिया गया है। शहरी भारत 250 से अधिक नगर निगमों, हजारों नगर परिषदों और नगर पंचायतों द्वारा संचालित होता है। बाबुओं, ठेकेदारों और नेताओं के सड़े गठजोड़ से भरी ये संस्थाएं नागरिक जीवन के व्यवस्थित पतन की जिम्मेदार रही हैं। हर मॉनसून उनकी विफलता को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। मॉनसून के कारण आने वाली बाढ़ तो हर साल की परंपरा ही बन चुकी है। वर्ष 2005 में मीठी नदी और नालों के गाद से भर जाने के कारण हुए जल जमाव में मुंबई की सड़कों ने 1,000 से अधिक लोगों की जान ले ली थी। वर्ष 2015 में चेन्नई का तीन-चौथाई हिस्सा पानी में डूब गया था, जिस कारण पांच लाख से अधिक लोग विस्थापित होने को मजबूर हो गये थे, क्योंकि जलमार्ग बंद हो गये थे और आर्द्रभूमि गायब हो गयी थी। दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और कई दूसरे शहर हर साल इसी भयावह स्थिति को दोहराते हैं-जलभराव से लोग करंट का शिकार होते हैं, यातायात दिनों तक ठप रहता है और घर गंदगी भरे गड्ढों में बदल जाते हैं।

मुंबई, चेन्नई और दिल्ली के बड़े नाले पूरी तरह गाद से भरे हैं, उनकी सफाई या तो खराब तरीके से हुई है या गाद छोड़ दी गयी है। विडंबना यह भी है कि नयी बनने वालीं तथाकथित विश्व स्तरीय सड़कें कुछ ही महीनों में टूट जाती हैं। घटिया सामग्री, कमीशन और रख-रखाव की कमी इसके कारण हैं। छोटे शहरों में ट्रैफिक जाम रोज का संकट बन गया है। सड़क की खराब डिजाइन, संकरी गलियां, सिग्नल की कमी और अव्यवस्थित चौराहे, साथ ही भ्रष्ट ट्रैफिक पुलिस मिलकर जाम पैदा करते हैं, जिससे समय और ईंधन की बर्बादी होती है। एंबुलेंस रेंगती रहती हैं और मरीज मर जाते हैं। विफलता की बदबू हर जगह फैली है। कचरे के ढेर सड़कों और फुटपाथों को जाम कर देते हैं, क्योंकि नगर निकायों के पास कचरा प्रबंधन का कोई ठोस समाधान नहीं है, जबकि रियल एस्टेट का विस्तार लगातार निर्माण मलबा और घरेलू कचरा बढ़ा रहा है। जिस स्वच्छ भारत मिशन को कभी परिवर्तनकारी बताया गया था, वह अब बुरी तरह विफल हो चुका है। इसके सेलिब्रिटी ब्रांड एंबेसडर और स्वयंसेवक गायब हो गये हैं। बड़े शहरों के लैंडफिल साफ नहीं हुए, कचरे का अलगाव असंगत है, और प्रसंस्करण के दावे केवल भरे हुए कचरा स्थलों और जहरीले रिसाव को छिपाते हैं। बड़े शहर स्वच्छता सर्वेक्षणों में लगातार खराब प्रदर्शन करते हैं। विदेशी पर्यटक भारत आने से बचते हैं या अपनी यात्रा जल्दी समाप्त कर देते हैं, क्योंकि उन्हें हर जगह गंदगी का सामना करना पड़ता है। उस स्मार्ट सिटीज मिशन को लगभग भुला दिया गया है, जिसका उद्देश्य 100 शहरों को आधुनिक बनाना था।

हमने हार नहीं मानी, यही अर्जेंटीना की पहचान है : कोच लियोनेल स्कालोनी

अटलांटा

मिस्र के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के रोमांचक प्री-क्वार्टर फाइनल में 3-2 की शानदार वापसी जीत के बाद अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने अपनी टीम के जज़्बे की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की जीत नहीं, बल्कि अर्जेंटीना की लड़ने वाली मानसिकता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

स्कालोनी ने मैच के बाद कहा, हमने अपने समर्थकों को काफी परेशान किया, जबकि हमने कोई खराब मैच नहीं खेला। मैं ऐसे ही पलों के लिए कोच हूं। आज जो हमने देखा, उसका महत्व सिर्फ अगले दौर में पहुंचने से कहीं बड़ा है। अगर हमने आखिरी तक लड़ाई नहीं लड़ी होती, तो हम बाहर हो चुके होते।

उन्होंने कहा कि स्कोरलाइन से ऐसा लग सकता है कि टीम ने खराब प्रदर्शन किया, लेकिन वास्तविकता इससे अलग थी।

उन्होंने कहा, मिस्र एक बेहतरीन टीम है और उसने अपने मौके भुनाए। लेकिन हमने भी तीन-चार बेहद अच्छे मौके बनाए थे। अगर उनमें से एक-दो गोल हो जाते तो आज कोई इस तरह की चर्चा नहीं करता। हमें अंत तक संघर्ष करना पड़ा।

जब अर्जेंटीना दो गोल से पीछे थी, तब भी स्कालोनी को भरोसा था कि उनकी टीम मैच में वापसी करेगी।

उन्होंने कहा, जब टीम मैच पर नियंत्रण खो देती है तब चिंता होती है, लेकिन आज ऐसा नहीं था। मुझे लगातार लग रहा था कि मुकाबला हमारे पक्ष में जाएगा क्योंकि हम लगातार मौके बना रहे थे। हमारी परेशानी कमजोरी नहीं, बल्कि मौकों का फायदा नहीं उठा पाना था।

मैच में कप्तान लियोनेल मेसी ने एक पेनाल्टी मिस की थी, लेकिन बाद में टीम की वापसी में अहम भूमिका निभाई।

स्कालोनी ने मेसी की सराहना करते हुए कहा, मेसी हर खिलाड़ी के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने पेनाल्टी मिस की, लेकिन उसके बाद भी उन्होंने गेंद मांगना नहीं छोड़ा और लगातार टीम के लिए खेलते रहे। यही महान खिलाड़ियों की पहचान होती है।

उन्होंने कहा कि यह मुकाबला उन्हें कतर विश्व कप फाइनल की याद तो नहीं दिलाता, लेकिन भावनात्मक रूप से यह उसी तरह का अनुभव था।

उन्होंने कहा, मेसी फुटबाल ऐसे ही पलों के लिए जीते हैं। हम चाहते हैं कि जब तक वह खेल रहे हैं, ऐसे लम्हों का आनंद लेते रहें।

स्कालोनी ने जीत का श्रेय खुद लेने से भी इनकार कर दिया।

उन्होंने कहा, यह कहना बेकार होगा कि हम मेरी रणनीति की वजह से जीते। हमारे पास विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं और जरूरत पड़ने पर हम उनका सही इस्तेमाल करते हैं। इसमें कोई जादू नहीं है। फर्क खिलाड़ी पैदा करते हैं और यह बात पूरी टीम पर लागू होती है।

इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना स्विट्जरलैंड से होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

सैमसन इन कारणों से टीम इंडिया से बाहर हुए

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट में कुछ ही खिलाड़ी ऐसे हैं जिनका करियर संजू सैमसन जितना उतार-चढ़ाव भरा रहा हो। हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम को जीत दिलाने वाले सैमसन को अब टीम में अपनी जगह बनाने के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। आगामी जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी उन्हें टी20 टीम में जगह नहीं मिली है। जिससे प्रशंसक हैरान हैं। इससे ये सवाल उठने लाजिमी हैं कि ऐसा क्या हुआ कि विश्व कप हीरो अचानक ही चयनकर्ताओं की प्राथमिकता सूची से बाहर हो गया है। तीन महीने पहले ही विश्व कप में अपनी निडर और मैच विजेता पारियों से टीम को मजबूत करने वाले सैमसन का बल्ला उसके बाद से खामोश है। आयरलैंड दौरे पर भी वह रन बनाने में सफल रहे। अच्छी शुरुआत को वे बड़ी पारी में नहीं बदल पाए और स्ट्राइक रोटेट करने में भी संघर्ष करते दिखे। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर पहले टी20 में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें दूसरे मैच में युवा वैभव सूर्यवंशी के लिए प्लेइंग-11 से बाहर बैठना पड़ा। किसी भी खिलाड़ी के लिए बेंच पर बैठना मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है, और अब जिम्बाब्वे सीरीज से पूरी तरह बाहर होना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि चयनकर्ताओं की प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं। सैमसन के करियर पर मंडराते इस संकट के पीछे तीन प्रमुख कारण दिखाई देते हैं। पहला, उनका फार्म। विश्व कप की शानदार लय को वे बरकरार नहीं रख पाए। आयरलैंड और इंग्लैंड में छोटी पारियां उनके खिलाफ गईं, जो टी20 क्रिकेट में चयन पर सीधा असर डालती हैं। दूसरा, टीम इंडिया में विकेटकीपर-बल्लेबाज की जगह के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में भारत को 125 रन से रौंदा, टीम इंडिया सिर्फ 76 रन पर ढेर

नाटिंघम। इंग्लैंड ने ट्रेंट ब्रिज में मंगलवार को खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में भारत को 125 रन के बड़े अंतर से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बिखर गई और सिर्फ 76 रन पर सिमट गई। भारत की शुरुआत आक्रामक रही। अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी ने कुछ आकर्षक शाट लगाए, लेकिन जोश टंग और जोफ्रा आर्चर ने शुरुआती झटके देकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल और शिवम दुबे भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। भारत ने पहले छह ओवर में ही पांच विकेट गंवा दिए और इसके बाद पूरी टीम 11.4 ओवर में आलआउट हो गई। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने चार विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे, जबकि जोफ्रा आर्चर ने तीन और आदिल रशीद ने दो विकेट अपने नाम किए। इससे पहले इंग्लैंड ने 20 ओवर में सात विकेट पर 201 रन बनाए। फिल साल्ट ने 70 रन की शानदार पारी खेली, जबकि सैम करन 41 रन बनाकर नाबाद लौटे। जोस बटलर ने 36 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से प्रिंस यादव और हर्षित राणा ने दो-दो विकेट लिए।

जिम्बाब्वे दौरे में बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना रहेगा युवा गेंदबाज अशोक का लक्ष्य

मुम्बई। जिम्बाब्वे दौर के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल तेज गेंदबाज अशोक शर्मा का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। राजस्थान के जयपुर के छोटे से गांव रामपुरा से निकलकर भारतीय टीम में जगह बनाने वाले अशोक की खासियत उनकी गेंदबाजी की रफ्तार रही है। जिसके कारण वह अन्य प्रतियोगियों से आगे निकले। आईपीएल 2026 में 23 साल के अशोक ने 154.2 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंककर सभी को प्रभावित किया था। अशोक का लक्ष्य अब दौरे में अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेहतर प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाना है। टीम इंडिया में चयन को अशोक ने इसे अपने जीवन का सबसे बड़ा क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह उनके बचपन का सपना था और वह इस अवसर का लाभ उठाकर टीम के लिए अपना योगदान देना चाहते हैं। अशोक ने आईपीए 2026 में गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हुए पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में ही 154.2 किमी प्रति घंटे की अविश्वसनीय गति से गेंद फेंकी, जो पूरे सीजन की सबसे तेज गेंद साबित हुई। इस सीजन में उन्होंने कुल छह मैच खेले और छह विकेट लिए। भले ही उनके आंकड़े बहुत प्रभावशाली न दिखें, लेकिन उनकी असाधारण गति और आक्रामक गेंदबाजी ने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा।

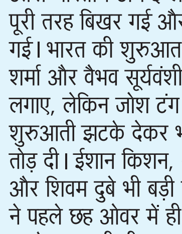

न्यूजीलैंड क्रिकेट के कैजुअल प्लेइंग कान्ट्रैक्ट में फिन एलन समेत चार खिलाड़ी शामिल

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने 2026-27 सत्र के लिए फिन एलन, लाकी फर्ग्यूसन, टिम साइफर्ट और एडम मिल्ने को कैजुअल प्लेइंग कान्ट्रैक्ट प्रदान किया है। चारों खिलाड़ी सीमित ओवरों के विशेषज्ञ हैं और आगामी घरेलू भारत दौरे के लिए चयन की दौड़ में बने रहेंगे। इन खिलाड़ियों को अक्टूबर-नवंबर में भारत के खिलाफ होने वाली पांच टी20 और पांच वनडे मैचों की सीरीज के लिए उपलब्ध रखा जाएगा। इसके अलावा वे 2027 वनडे विश्व कप और उसके बाद होने वाले टी20 विश्व कप की योजनाओं का भी हिस्सा रहेंगे।

पिछले अनुबंध चक्र में कैजुअल कान्ट्रैक्ट पर रहने वाले पूर्व कप्तान केन विलियमसन अब इस सूची में शामिल नहीं हैं, क्योंकि उन्होंने पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं जेम्स नीशम ने आकलैंड के साथ घरेलू अनुबंध किया है, जबकि डेवोन कानवे और ब्लेयर टिकनर की केंद्रीय अनुबंध सूची में वापसी हुई है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के चयनकर्ता गेविन लार्सन ने कहा कि फिन एलन, लाकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्ने और टिम साइफर्ट को फिर से अनुबंध कार्यक्रम में शामिल करके बोर्ड बेहद खुश है। उन्होंने कहा कि इन चारों खिलाड़ियों ने कई मौकों पर ब्लैककैप्स के लिए मैच जिताने वाली पारियां और प्रदर्शन किए हैं। दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीगों में खेलने से उन्हें अनुभव मिलता है, जिसका फायदा न्यूजीलैंड टीम को भी मिलता है।

चारों खिलाड़ी इस समय मेजर लीग क्रिकेट 2026 में खेल रहे हैं। टिम साइफर्ट सिएटल आर्कास, फिन एलन सैन फ्रांसिस्को यूनिकार्न्स, लाकी फर्ग्यूसन वाशिंगटन फ्रीडम और एडम मिल्ने टेक्सास सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे हैं।

इससे पहले जून में न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 20 खिलाड़ियों की केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की थी, जिसमें डेवोन कानवे और ब्लेयर टिकनर की वापसी हुई थी, जबकि अब चार खिलाड़ियों को कैजुअल प्लेइंग कान्ट्रैक्ट देकर सीमित ओवरों की योजनाओं में शामिल रखा गया है।

न्यूजीलैंड की केंद्रीय अनुबंध सूची (2026-27)..

टाम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कानवे, जैकब डफी, जैक फाल्क्स, मिच हे, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टाम लैथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिशेल सैंटनर, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

- कैजुअल प्लेइंग कान्ट्रैक्ट
- फिन एलन, लाकी फर्ग्यूसन,
- टिम साइफर्ट, एडम मिल्ने।

मेरी पहली प्राथमिता आस्ट्रेलियाई टीम से खेलना : कमिंस

सिडनी। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि उनकी पहली प्राथमिकता आस्ट्रेलियाई टीम से खेलना है। ऐसे में साल 2027 में एकदिवसीय विश्वकप कप और एशेज सीरीज को देखते हुए वह आईपीएल से दूरी बना सकते हैं। कमिंस के अनुसार वह टेस्ट मैच और एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए उनकी लिए फिटनेस बनाये रखना जरुरी है। ऐसे में वह कार्यभार प्रबंधन को सबसे ज्यादा जरुरी मानने है। वहीं आईपीएल में खेलने से थकान ओर चोटिल होने का खतरा बना रहता है। उनका कहना है कि अगले एक साल में 21 टेस्ट मैचों की सीरीज होगी, जिसमें आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में क्वालीफाई करने का अवसर भी रहेगा। इस दौरान आस्ट्रेलियाई टीम को दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के खिलाफ खेलना हैं। आस्ट्रेलिया का यह व्यस्त कार्यक्रम 2027 में एकदिवसीय विश्व कप के साथ समाप्त होगा। वहीं मार्च में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच भी होगा। इसी बीच आईपीएल भी पड़ेगा। इसके बाद इंग्लैंड में एशेज सीरीज खेली जाएगी। कमिंस आस्ट्रेलिया के लिए सीरीज को जीतना चाहते हैं। इसका कारण है कि टीम ने साल 2001 के बाद से ही कोई सीरीज नहीं जीती है। कमिंस ने कहा कि फिटनेस बनाये रखने के लिए न किसी स्तर पर कुछ न कुछ छोड़ना ही पड़ेगा और वह टेस्ट मैच या एकदिवसीय विश्व कप तो नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, मैं समय आने पर ही फैसला लूंगा और आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ मिलकर देखूंगा कि क्या सही रहेगा। हालात बदल सकते हैं। मुझे कुछ चोटें भी लगी हैं, इसलिए मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं कह चाहता। हालांकि उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता हमेशा से ही टेस्ट मैच और एकदिवसय विश्व कप ही हैं।

वेस्टइंडीज ने 23 साल बाद श्रीलंका के खिलाफ जीती टेस्ट सीरीज, दूसरा मैच ड्रा

एंटीगा

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। एंटीगा में खेला गया दूसरा और अंतिम टेस्ट मुकाबला मंगलवार को ड्रा रहा, जिससे मेजबान टीम ने 23 वर्षों बाद श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा किया। साथ ही फरवरी 2023 के बाद यह वेस्टइंडीज की पहली टेस्ट सीरीज जीत भी है।

पहले टेस्ट में पारी और बड़े अंतर से जीत दर्ज करने के बाद वेस्टइंडीज सीरीज में 1-0 से आगे था। दूसरे मुकाबले में श्रीलंका ने अंतिम दिन तेजी से रन बनाकर जीत की कोशिश की।

कप्तान धनंजय डी सिल्वा, सोनल दिनुषा और मिलान रत्नायके ने तेज़ पारियां खेलीं, जिससे श्रीलंका ने दूसरी पारी 251/9 पर घोषित करते हुए वेस्टइंडीज के सामने 362 रन का लक्ष्य रखा।

हालांकि अंतिम सत्र में वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जान कैंपबेल और ब्रैंडन किंग ने बिना किसी नुकसान के 109 रन जोड़ दिए। दोनों बल्लेबाजों ने अर्धशतक पूरे किए और इसके बाद दोनों टीमों ने ड्रा पर सहमति जताई।

इससे पहले श्रीलंका ने पहली पारी में 549/9 घोषित किए थे। लाहिरू उदारा ने 188 रन, सोनल दिनुषा ने 92 और कमिंदु मेंडिस ने 84 रन बनाए।

जवाब में वेस्टइंडीज ने जस्टिन ग्रीव्स के 180 और शाई होप के 112 रन की बदौलत 499 रन बनाए। श्रीलंका के लिए असिथा फर्नांडो ने पहली पारी में पांच विकेट झटके।

संक्षिप्त स्कोर

श्रीलंका: 549/9 घोषित और 251/9 घोषित, लाहिरू उदारा 188, सोनल दिनुषा 92, कमिंदु मेंडिस 84 व 44, अल्जारी जोसेफ 2/44, जेडन सील्स 2/98।

वेस्टइंडीज: 499 और 109/0
जस्टिन ग्रीव्स 180, शाई होप 112, जान कैंपबेल नाबाद 51, ब्रैंडन किंग नाबाद 51, असिथा फर्नांडो 5/130।

परिणाम: दूसरा टेस्ट ड्रा, वेस्टइंडीज ने दो मैचों की सीरीज 1-0 से जीती।

पेनल्टी शूटआउट में कोलंबिया को हराकर स्विट्ज़रलैंड क्वार्टर फाइनल में

वैंकूवर। फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में स्विट्ज़रलैंड ने मंगलवार को रोमांचक मुकाबले में कोलंबिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर अंतिम आठ में जगह बना ली। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त 30 मिनट का खेल गोलरहित बराबरी पर समाप्त होने के बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। पेनल्टी शूटआउट में स्विट्ज़रलैंड के गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल ने कुचो हर्नांडेज़ की पेनल्टी रोककर टीम की जीत की नींव रखी। इससे पहले कोलंबिया के डेविंसन सांचेज़ की पेनल्टी क्रासबार से टकरा गई थी। स्विट्ज़रलैंड के मैनुएल अकांजी अपनी पेनल्टी चूक गए, लेकिन रुबेन वर्गास ने निर्णायक किक को गोल में बदलते हुए टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। इस जीत के साथ स्विट्ज़रलैंड ने 1954 के बाद पहली बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उसका सामना गत चैंपियन अर्जेंटीना से होगा। वहीं, कोलंबिया का दूसरी बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। इससे पहले उसने 2014 विश्व कप में अंतिम आठ में जगह बनाई थी, लेकिन इस बार पेनल्टी शूटआउट में मिली हार के साथ उसका अभियान समाप्त हो गया।

सौरव गांगुली की बायोपिक दादा-द सौरव गांगुली स्टोरी का फर्स्ट लुक जारी, 14 मई 2027 को होगी रिलीज

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के जन्मदिन (8 जुलाई) के मौके पर उनकी बहुप्रतीक्षित बायोपिक दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी का पहला पोस्टर बुधवार को जारी कर दिया गया। इसके साथ ही निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया। यह फिल्म 14 मई 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में राजकुमार राव सौरव गांगुली के ऐतिहासिक लार्ड्स बालकनी में जर्सी लहराने वाले प्रतिष्ठित अंदाज को दोहराते नजर आ रहे हैं। यह दृश्य 2002 के नैटवेस्ट ट्राफी फाइनल में इंग्लैंड पर भारत की यादगार जीत के बाद का है, जिसे भारतीय क्रिकेट के नए और निडर दौर की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।

गांगुली बोले- जन्मदिन का सबसे बड़ा तोहफा

सौरव गांगुली ने फर्स्ट लुक जारी होने पर कहा, जन्मदिन हमेशा खास होता है और आज मेरी बायोपिक दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी का फर्स्ट लुक सामने आना इसे और भी यादगार बना देता है। यह मेरे लिए अब तक का सबसे बेहतरीन जन्मदिन का उपहार है। पोस्टर ने मेरे क्रिकेट करियर की सबसे यादगार यादों को फिर से जीवंत कर दिया। राजकुमार राव ने इस किरदार को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाया है। मैं उन्हें और पूरी टीम को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि दर्शक 14 मई 2027 को सिनेमाघरों में इस फिल्म का भरपूर आनंद लेंगे।

गांगुली के संघर्ष और नेतृत्व की कहानी दिखाएगी फिल्म

फिल्म में सौरव गांगुली के युवा क्रिकेटर से भारतीय टीम के सबसे प्रभावशाली कप्तानों में से एक बनने तक के सफर को दिखाया जाएगा। इसमें उनके संघर्ष, दृढ़ संकल्प, नेतृत्व क्षमता और भारतीय क्रिकेट की सोच बदलने वाले फैसलों को बड़े पर्दे पर पेश किया जाएगा।

फिल्म का निर्देशन विक्रमादित्य मोटवाने ने किया है। इसका निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है। फिल्म को टी-सीरीज और डीबीएल प्रस्तुत कर रहे हैं। दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी 14 मई 2027 को विश्वभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अमेरिका में तेजी से बढ़ रही क्रिकेट की लोकप्रियता

न्यूयार्क

अमेरिका में अब क्रिकेट की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ती जा रही है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) रहा है। एमएलसी का चौथा सीजन भी चल रह है जिससे दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ी अलग अलग टीमों से खेल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार जिस प्रकार से देश में नए स्टेडियमों का निर्माण हो रहा है उससे भी खेल के बढ़ते रुझान का अंदाजा होता हे। इसके साथ ही साल 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किये जाने से भी इसका आकर्षण बढ़ा है। इससे साफ है कि अमेरकी धरती पर क्रिकेट धीरे-धीरे अपनी जगह बना रहा है।

एमएलसी लीग में अभी छह टीमें खिताब के लिए उतरी हैं। अगले सत्र तक इसमें आठ टीमों को शामिल करने कीयोजना है, जो देश में क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता का एक स्पष्ट संकेत है। इस लीग ने न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को मंच दिया है, बल्कि इसने अंतरराष्ट्रीय सितारों को भी अमेरिकी मैदानों पर आकर्षित किया है, जिससे दर्शकों की रुचि बढ़ रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी इस खेल के लिए एक गेम चेंजर साबित होगी। ये भी कहा जा रहा है कि जब ओलंपिक में क्रिकेट मैचों के बाद अमेरिका के स्थानीय लोग भी इसे गंभीरता से अपनाएंगे। इससे खेल को एक नई पहचान मिलेगी और इसकी लोकप्रियता में तेजी आएगी। यह उम्मीद की जा रही है कि ओलंपिक मंच क्रिकेट को एक वैश्विक दर्शक वर्ग प्रदान करेगा और अमेरिकी युवाओं को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। एमएलसी में कई बेहतरीन क्रिकेटर खेल रहे हैं। भारत को 2012 अंडर-19 विश्व कप जिताने वाले पूर्व कप्तान उन्मुक्त चंद साल 2021 से ही अमेरिका में क्रिकेट खेल रहे हैं, ने पिछले पांच वर्षों में यहां खेल के तेजी से विकास को देखा है। उनका कहना है कि हर साल कुछ नया देखने को मिल रहा है। हाल ही में लास एंजिलिस में एक क्रिकेट स्टेडियम का तैयार होना इस विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। एलए नाइट राइडर्स ने कैलिफोर्निया के पोमोना में इस नए अत्याधुनिक क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन किया है, जिसमें आठ पिच, आईसीसी मानकों के अनुरूप आउटफील्ड और 120 फीट ऊंचे छह फ्लडलाइट टावर शामिल हैं। यही मैदान 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक के क्रिकेट मुकाबलों की मेजबानी करेगा, जिससे इसकी महत्ता और बढ़ जाती है। मेजर लीग क्रिकेट में दुनिया भर के कई बड़े अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें रविचंद्रन अश्विन, फाफ डु प्लेसिस, केशव महाराज, सुनील नारायण, मार्कस स्टोइनिस, कुसल परेरा, रचिन रवींद्र, हारिस रऊफ, उन्मुक्त चंद और जेसन होल्डर जैसे नाम शामिल हैं। इन सितारों की उपस्थिति लीग को वैश्विक पहचान दिला रही है। हालांकि, हरमीत सिंह इस बात पर जोर देते हैं कि अमेरिका में क्रिकेट की स्थायी सफलता के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा आवश्यक है। उनके अनुसार, अभी देश में केवल तीन-चार प्रमुख क्रिकेट स्टेडियम हैं, और अधिक शहरों में मैदान, प्रशिक्षण केंद्र तथा बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता है।

सीवर हादसों पर लगेगी लगाम

लॉन्च होगा देश का पहला एआई-संचालित सीवर गवर्नेंस प्रोजेक्ट शुद्ध

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुरक्षित शहरों, स्मार्ट गवर्नेंस और जोखिम भरे सीवर कार्यों को पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में हैदराबाद की डीप-टेक रोबोटिक्स कंपनी द बॉट फैक्ट्री एक ऐतिहासिक कदम उठाने जा रही है। कंपनी 11 जुलाई 2026 को हैदराबाद के टी-वर्क्स में भारत का पहला एआई-संचालित सीवर गवर्नेंस फ्लीट, प्रोजेक्ट शुद्ध लॉन्च करेगी।

आपदा प्रबंधन रोबोटिक्स पहल के तहत विकसित यह प्रोजेक्ट पारंपरिक सीवर सफाई को एक डिजिटल और जवाबदेह गवर्नेंस प्लेटफॉर्म में बदल देगा।

इस बहुप्रतीक्षित तकनीक का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि डी. श्रीधर बाबू (माननीय आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार, उद्योग और वाणिज्य मंत्री, तेलंगाना सरकार) द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप मेंजयेश रंजन (विशेष मुख्य सचिव) और संजय जाजू (मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार) भी मौजूद रहेंगे।

सफाई से लेकर डिजिटल निगरानी तक: तकनीक का अनूठा संगम

प्रोजेक्ट शुद्ध केवल मशीनीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण गवर्नेंस प्लेटफॉर्म है। इसके तहत हर सीवर हस्तक्षेप को डिजिटल रूप से ट्रैक, रिकॉर्ड और विश्लेषित किया जा सकता है। यह प्लेटफॉर्म स्वायत्त सीवर-सफाई रोबोट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए आई), जीआईएस और सैटेलाइट मॉनिटरिंग का एक अनूठा संयोजन है। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वॉटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड के साथ जमीन पर इसका सफल परीक्षण भी किया जा चुका है।

मानवीय त्रासदी का अंत और जीरो मैनुअल एंट्री का लक्ष्य

भारत में सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान होने वाले हादसे एक बड़ी मानवीय चुनौती रहे हैं। संसद के आंकड़ों के अनुसार, साल 2019 से 2023 के बीच खतरनाक सफाई के कारण 377 मौतें दर्ज की गईं।

प्रोजेक्ट शुद्ध का मुख्य उद्देश्य इंसानों को सीवर के खतरनाक माहौल में जाने से रोकना और जीरो मैनुअल सीवर एंट्री के लक्ष्य को हासिल करना है। यह रोबोटिक प्रणाली ऊर्ध्वाधर (वर्टिकल) मैनहोल और क्षैतिज पाइपलाइनों में काम करने के साथ-साथ रीयल-टाइम डेटा और डिजिटल मैप भी तैयार करती है।

नगर निकायों के लिए मददगार और असीमित बाजार क्षमता

देश के 4,500 से अधिक वैधानिक कस्बों, सैकड़ों नगर निगमों और स्मार्ट शहरों के साथ इस तकनीक की बाजार क्षमता विशाल है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से जब हर मैनहोल की सफाई और मरम्मत का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाएगा, तो नगर पालिकाओं में ठेकेदार की निगरानी, जवाबदेही और बजट नियोजन में पारदर्शिता आएगी।

यह तकनीक भूमिगत बुनियादी ढांचे को पूरी तरह डिजिटल बनाकर देश की शहरी व्यवस्था में एक नया क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार है।

डिच्पल्ली में पूज्यश्री का 53वां संयम महोत्सव भक्तिभाव से मनाया गया

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. का 53वां संयम महोत्सव मंगलवार को तेलंगाना के डिच्पल्ली ग्राम में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री संघ शास्ता वर्षावास समिति, हैदराबाद त्रयनगर द्वारा किया गया।पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में पूज्य गणिवर्य श्री मयंकप्रभसागरजी म.सा. आदि ठाणा-9 तथा पू. साध्वी श्री प्रियकल्पनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-12 की पावन निश्रा में महोत्सव संपन्न हुआ। शुभारंभ जालना के दर्शिल गाडिया के भक्तिगीतों से हुआ। पू. मुनि श्री मुखरप्रभसागरजी म.सा., पू. मुनि श्री मंत्रप्रभसागरजी म.सा. व पू. साध्वी श्री प्रियकल्पनाश्रीजी म.सा. ने मंगल बधाई दी। साध्वी मंडल ने मंगलगीत प्रस्तुत किए। पूज्यश्री ने 53 वर्ष के संयममय जीवन का सार रखते हुए अपनी माताजी एवं गुरुदेव के उपकारों का भावपूर्ण स्मरण कर कृतज्ञता व्यक्त की।

इच्छापूर्ति गणेश मंदिर में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुई विशेष पूजा

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क स्थित इच्छापूर्ति गणेशजी मंदिर में प्रति बुधवार की भांति इस सप्ताह भी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ विशेष पूजा-अर्चना सम्पन्न हुई। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और भगवान श्री गणेश के समक्ष सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य एवं परिवार की मंगलकामना करते हुए विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।पूजा-अनुष्ठान के उपरांत महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से भाग लिया। इसके बाद सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। पूरे मंदिर परिसर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। पूजा-अर्चना के मुख्य यजमान के रूप में पद्मा किरण, शेषगिरि, वेंकटेश रेड्डी सहित अन्य श्रद्धालुओं ने भाग लिया।विशेष पूजा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, विट्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांववाले), विजय कुमार अग्रवाल (दिल्ली वाले), महेश कुमार डकोटिया, सुरेश कुमार अग्रवाल (सीए), अजय कुमार अग्रवाल, राहुल सिंघल, पी.एस.आर. मूर्ति, पद्मा किरण, विजया लक्ष्मी, संध्या अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया।

नदी में तैरता खतरा!

बह गए 3000 गैस सिलेंडर

नई दिल्ली, 08 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रायगढ़ से एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है। भारी बारिश की वजह से लगभग 3000 एलपीजी गैस सिलेंडर नदी में बहते नजर आए।

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के पनवेल तालुका के चावणे में स्थित एचपीसीएल पातालगंगा एलपीजी बॉटलिंग प्लांट के पास पातालगंगा नदी में बहते देखे गए। लगभग 3000 गैस सिलेंडर इलाके में हुई भारी बारिश के कारण बहकर पातालगंगा नदी में बहकर चले गए। इनमें से कुछ गैस सिलेंडर भरे हुए हैं और कुछ खाली हैं।

बह गए 3000 सिलेंडर, कुछ भरे-कुछ खाली

इसे लेकर जिलाधिकारी किशन जावले ने अपील की है। जिलाधिकारी ने कहा कि नदी में बहकर आए सिलेंडर में गैस है या नहीं या वे सुरक्षित स्थिति में हैं या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं होती। ऐसे में उत्सुकता या इस्तेमाल के मकसद से ऐसे सिलेंडर को उठाना, खोलना या घर ले जाना बेहद खतरनाक हो सकता है। नागरिकों को खुद कोई जोखिम नहीं उठाना चाहिए। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि नदी में बहते आए किसी भी सिलेंडर को छूना, खोलना या अपने घर ले जाना जानलेवा साबित हो सकता है।

बांसवाड़ा एससी हॉस्टल में छात्रा ने की आत्महत्या, वार्डन की गैरहाजिरी पर बवाल

बांसवाड़ा, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा शहर स्थित एससी इंटरमीडिएट बालिका हॉस्टल में प्रथम वर्ष की छात्रा अमृता (18) ने बुधवार को कथित रूप से आत्महत्या कर ली।

वह डोंगली मंडल के लक्ष्मापुर गांव की रहने वाली थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, अमृता बुधवार को कॉलेज नहीं गई और हॉस्टल में ही रुकी थी। घटना की सूचना पर बांसवाड़ा आरडीओ रविंदर रेड्डी और डीएसपी विट्ठल रेड्डी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।छात्रा के परिजनों और नेताओं ने आरोप लगाया कि हॉस्टल की वार्डन कई दिनों से अनुपस्थित थी और घटना के समय भी मौजूद नहीं थी। सुबह स्टाफ का कोई सदस्य हॉस्टल में नहीं मिला। इसको लेकर बीआरएस नेताओं ने हॉस्टल के सामने धरना दिया और वार्डन के खिलाफ कार्रवाई व मौत के कारणों की निष्पक्ष जांच की मांग की। डीएसपी और आरडीओ के निष्पक्ष जांच के आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया गया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बांसवाड़ा सरकारी अस्पताल भेजा गया है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

क़यामत...

क्या अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेश पर ईरान के सैन्य ठिकानों के साथ-साथ उसके तेल डिपो को भी निशाना बनाया जा सकता है? अंकारा में चल रही नाटो समिट में हिस्सा लेने पहुंचे ट्रंप ने ईरान को लेकर अपनी लक्ष्मण रेखा खींच दी है। ट्रंप ने ईरान पर झूठ बोलने और समझौता तोड़ने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है, हमने कल रात उन पर बहुत जोरदार हमला किया था और संभव है कि आज रात फिर से हमला करें। ईरान मिडिल ईस्ट में दबाव बनाता रहा है, लेकिन अब ऐसा नहीं रहेगा। हमने खतरनाक लोगों को निशाना बनाया है। हर बार वे हमला करेंगे, हम जवाब देंगे। मैं शायद आज रात उन्हें फिर से कड़ी सजा दूंगा। मैं उन्हें थोड़ी चेतावनी देता हूं।

ईरान पर नए हमले के वक्त का ऐलान ट्रंप पहले ही कर चुके हैं। आज की रात ईरान पर बड़ा हमला संभव है। ईरान पर हमले की धमकी से ठीक पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ संकेत दे दिए थे कि अब ईरान के साथ सीजफायर पर कोई वार्ता नहीं होगी, अब सिर्फ महायुद्ध होगा। उन्होंने ईरान को बीमार मानसिकता वाला बताते हुए क्रूर और हिंसक कहा है। ट्रंप ने कहा, मेरे हिसाब से, युद्धविराम खत्म हो चुका है। मैं अब उनसे कोई वास्ता नहीं रखना चाहता। वे घटिया लोग हैं। जानते हैं घटिया लोग कैसे होते हैं? वे वैसे ही हैं। वे बीमार मानसिकता वाले लोग हैं। उन्हें बीमार सोच वाले लोग ही चलाते हैं। वे बहुत क्रूर और हिंसक लोग हैं। यदि उनके पास परमाणु हथियार होता, तो वे उसका इस्तेमाल जरूर करते।

ईरान का पलटवार: बहरीन-कुवैत में अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन हमला

ईरान को लेकर ट्रंप अब आर-पार के मूड में हैं, तो वहीं ईरान ने भी अमेरिकी हमलों के बाद बड़ा दावा किया है। ईरानी सेना की मानें तो अमेरिकी हमलों के ठीक बाद बहरीन के शेख ईसा एयर बेस पर तैनात अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाकर ड्रोन हमला किया गया। ईरान का दावा है कि दक्षिणी ईरान पर हुई अमेरिकी एयरस्ट्राइक का जवाब दे दिया गया है। ईरान का कहना है, अमेरिका ने बार-बार सीजफायर का उल्लंघन किया है। इसके नतीजे भुगतने होंगे। अब क्षेत्र में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य ठिकाने हमारे सैन्य ड्रोन के निशाने पर हैं। बहरीन और कुवैत में 85 अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन ऑपरेशन चलाया गया। इन हमलों में बहरीन स्थित अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट के मुख्यालय शामिल है।

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने अमेरिका पर शांति समझौते की 5 शर्तें तोड़ने का सीधा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, अमेरिका लगातार समझौते का उल्लंघन कर रहा है। अमेरिका ने होर्मुज में ईरान के अधिकारों में दखल दिया। सैन्य हमलों की धमकी दी। ईरानी तेल निर्यात पर प्रतिबंध लगाए और लेबनान में जारी इजरायली कार्रवाई का समर्थन किया है।

ट्रंप का कड़ा बयान: ईरानी सरकार एक कैंसर है

चाहे ईरानी सेना हो या फिर ईरानी सांसद, सभी ने अमेरिका के साथ सीधे टकराव की चेतावनी दी है। ईरान को भी इस बात का अंदाजा है कि अब शांति समझौते पर वार्ता का कोई मतलब नहीं रह गया है, क्योंकि एमओयू पर सहमति बनने के बाद यह दूसरा मौका है जब दोनों तरफ से हमले जारी हैं। ट्रंप का मानना है कि अब फैसला टेबल पर नहीं, बल्कि जंग के मैदान में होगा। ट्रंप ने कहा, ईरान सरकार एक कैंसर है। इसे जल्द से जल्द जड़ से उखाड़ फेंकना होगा। अमेरिकी सेना ने रात भर ईरानी ठिकानों पर बहुत जोरदार हमले किए। ये दुष्ट, बीमार लोग हैं और हमें इस कैंसर से छुटकारा पाना होगा। आपको कैंसर को शुरुआती अवस्था में ही जड़ से उखाड़ फेंकना होगा। ईरान ने अंतिम संस्कार पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय मिसाइलें दागीं।

उन्होंने कहा कि ईरान को पता है कि अमेरिकी प्रतिक्रिया 20 गुना ज्यादा कठोर थी। ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

भारतीयों के ...

उछाल आने से बाजार का मूड बिगड़ा है। महंगाई बढ़ने की चिंताएं बढ़ गई हैं। तनाव बढ़ने से भारत और अमेरिका, दोनों जगह बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी हुई है। यही नहीं, बाजार में भारी उतार-चढ़ाव की वजह से इंडिया तखद में जबरदस्त उछाल आया। बुधवार को यह 26.03% के उछाल के साथ 14.68 पर बंद हुआ। इंट्राडे में यह 15.16 तक पहुंच गया था। इसके अधिक होने का मतलब मार्केट में वोलैटिलिटी हाई होने की आशंका है तो इसके कम होने का मतलब वोलैटिलिटी कम होने की संभावना है।

इससे पहले मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजारों गिरावट दर्ज की थी, पिछले सत्र में सेमीकंडक्टर और बड़ी टेक कंपनियों (जैसे इंटेल और एएमडी) के शेयरों में 6% से 9% तक की भारी गिरावट देखी गई थी। वहीं दक्षिण कोरिया के बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी है, बुधवार को कोस्पी में 5 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई।

टीम मोदी...

उनकी जगह शक्तिकांत दास आ सकते हैं, क्योंकि पीएम मोदी उन्हें बहुत पसंद करते हैं। अभी वे पीएम के प्रधान सचिव भी हैं। एक और नाम है, जो वित्तमंत्री के तौर पर पीएम की लिस्ट में है, वो पीयूष गोयल का है। अभी वे कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर हैं।

धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

नीट पेपर लीक के बाद से चर्चा है कि धर्मेंद्र प्रधान से शिक्षा मंत्रालय ले लिया जाएगा? इस पर सोर्स कहते हैं, 'इसकी उम्मीद कम है। उन्हें तभी हटाया जाएगा, जब ओडिशा में उन्हें सीएम पद दिया जाए। ओडिशा में सीएम मोहन मांझी का कार्यकाल लगातार विवादों में है, इसलिए वहां भी फेरबदल के आसार हैं। अभी धर्मेंद्र प्रधान से शिक्षा मंत्रालय लेकर उन्हें कोई और मंत्रालय दिया जा सकता है। उन्हें बाहर का रास्ता दिखाए जाने की उम्मीद कम है।

पंकज चौधरी, केंद्रीय राज्य मंत्री

पंकज चौधरी केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और यूपी इगझ के प्रदेश अध्यक्ष हैं। बीजेपी में दो पद की नीति नहीं है। नए लोगों को पद देने के लिए जगह भी चाहिए। ऐसे में पंकज प्रदेश अध्यक्ष बने रहेंगे, लेकिन मंत्री पद छोड़ना होगा।

हर्ष मल्होत्रा, केंद्रीय राज्य मंत्री

दिल्ली में यही हर्ष मल्होत्रा के साथ होगा। वे अभी दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष हैं। साथ ही केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री भी हैं। इनका भी मंत्री पद जाना तय है। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के काम और उनकी छवि पर केंद्र की सख्त नजर है। हर्ष मल्होत्रा अब दिल्ली सरकार के काम में इन्वॉल्व होंगे। उन्हें सीएम की छवि सुधारने और प्रचार का जिम्मा दिया गया है।

ट्रेन में ...

से ऐसा खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। आइए जानते हैं कि आखिर क्या है इस पूरे कांड की इनसाइड स्टोरी।अमर उजाला से बातचीत में रेलवे अधिकारियों ने नियमों की स्थिति स्पष्ट की। अधिकारियों के मुताबिक, अगर किसी यात्री ने पूरा कूप या केबिन बुक किया है, तो वह उसकी अपनी निजी जगह की तरह होता है। यात्री वहां अपनी खुशियों के लिए सामान्य सजावट कर सकते हैं। लेकिन, इसके लिए रेलवे ने कुछ बेहद कड़े नियम और शर्तें तय की हैं।

रेलवे के कड़े नियम: संपत्ति को नुकसान, फायर बैन और शूटिंग की शर्तें

संपत्ति को नुकसान नहीं: गुब्बारे या फूल लगाते समय ट्रेन की दीवार, पेंट या लाइट को कोई खरोंच नहीं आनी चाहिए।

यात्रियों को परेशानी नहीं: आपकी वजह से सह-यात्रियों को कोई असुविधा या दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

नो स्मोकिंग, नो फायर: चलती ट्रेन में मोमबत्ती, माचिस, पटाखे या कोई भी ज्वलनशील सामग्री ले जाना पूरी तरह बैन है।

माँ-बेटी...

उस समय आयुषी ने 12वीं पास की थी। उसने मां से कहा कि पिता की जगह सरकारी नौकरी उसे दे दी जाए। मां नीरज शर्मा भी इसके लिए तैयार थीं। लेकिन तभी आयुषी के मामा ने समझाया कि नीरज खुद पढ़ी-लिखी हैं और उन्हें दिव्यांग बेटे की देखभाल भी करनी है। आखिरकार मां ने पति की जगह नौकरी जॉइन कर ली।

मां के नौकरी करने से आयुषी नाराज हो गई। वह जयपुर के कल्याण कॉलोनी स्थित पुराने घर में जाकर रहने लगी। वहां उसने अपने ताऊ मोहन स्वरूप शर्मा के बेटे बलराम के साथ एलएलबी में एडमिशन लिया। दोनों चचेरे भाई-बहन साथ रहने लगे। इसी दौरान, आरोप है कि आयुषी ने पहली बार अपनी मां को मारने की बात कही। आरोपों के मुताबिक, आयुषी ने बलराम से कहा कि अगर वह मदद करे तो आगरा रोड की करीब पांच करोड़ रुपये की पांच बीघा जमीन और भरतपुर की करीब पांच करोड़ रुपये की चार बीघा जमीन उसे दे दी जाएगी। साथ ही मां की मौत के बाद सरकारी नौकरी भी उसे मिल जाएगी और जयपुर के दोनों घरों पर भी उसका कब्जा हो जाएगा। बताया जाता है कि इसी लालच के साथ सौदा तय हो गया।

हादसे जैसा दिखाने का प्लान और थार से कुचलने की कोशिश

साजिश यहीं नहीं रुकी। आरोप है कि आयुषी ने प्लान बनाया कि मां को गाड़ी से कुचलकर मार दिया जाए, ताकि मामला हादसा लगे। यह बात ताऊ मोहन शर्मा तक भी जा पहुंची। इसके बाद भरतपुर के हेमंत शर्मा से संपर्क किया गया। पूरा प्लान बेहद सुनियोजित तरीके से तैयार किया गया था। करीब एक महीने पहले, आरोप है कि हेमंत शर्मा ने थार गाड़ी से नीरज शर्मा को उनके घर के बाहर कुचलने की कोशिश की। लेकिन नीरज बाल-बाल बच गईं। उसी दिन उन्हें शक हो गया कि कोई उन्हें नुकसान पहुंचाना चाहता है। उन्होंने यह बात अपने भाई को बताई और घर से निकलना लगभग बंद कर दिया।

टोना-टोटके और सीसीटीवी की जंग

जब नीरज घर से बाहर निकलना बंद कर चुकी थीं, तब उन्हें बाहर निकालने के लिए कथित तौर पर नए-नए तरीके अपनाए गए। घर के बाहर नींबू-मिर्च फेंके गए, लाल रंग डाला गया और डर का माहौल बनाया गया। लेकिन नीरज खतरे को समझ चुकी थीं। उन्होंने पूरे घर में जाली लगवाई और बाहर चार सीसीटीवी कैमरे भी लगवा दिए। यहीं से इस खौफनाक साजिश की परतें खुलनी शुरू हुईं।

पुलिस के अनुसार, सरकारी नौकरी और प्रॉपर्टी हासिल करने की चाहत में बेटी ने अपनी ही मां की हत्या की साजिश रची थी। आरोप है कि उसने अपने ताऊ और चचेरे भाई के साथ मिलकर 7 लाख रुपये की सुपारी भी दी और स्कॉर्पियो से कुचलवाकर मां की हत्या करा दी। इस मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है।

यह घटना 3 जुलाई की शाम करीब 4 बजकर 45 मिनट पर जयपुर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र में हुई थी। जहां 45 वर्षीय नीरज शर्मा कोर्ट में एलडीसी के पद पर कार्यरत थीं। पुलिस के अनुसार, वह अपने बेटे को कोचिंग छोड़कर घर लौट रही थीं। इसी दौरान करीब 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई एक स्कॉर्पियो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनका शरीर करीब 100 फीट दूर जाकर गिरा और मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। इस वारदात के बाद स्कॉर्पियो चालक मौके से फरार हो गया। शुरुआत में मामला सड़क हादसा लग रहा था, लेकिन पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो जांच की दिशा बदल गई। फुटेज में पुलिस को ऐसे संकेत मिले, जिनसे यह स्पष्ट हुआ कि यह सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या थी। इसके बाद पुलिस ने पूरे मामले की गहराई से जांच शुरू की।

डीसीपी ईस्ट रंजीता शर्मा के अनुसार, नीरज शर्मा के पति का एक वर्ष पहले निधन हो गया था। पति की मौत के बाद अनुकंपा नियुक्ति के तहत नीरज शर्मा को एलडीसी की नौकरी मिली थी। पुलिस जांच में सामने आया कि उनकी बेटी आयुषी शर्मा की नजर मां की नौकरी और संपत्ति पर थी। पिछले दो-तीन वर्षों से मां-बेटी के बीच संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। आयुषी चाहती थी कि पिता की जगह सरकारी नौकरी उसे मिले, लेकिन मां ने खुद नौकरी जॉइन कर ली। पुलिस का कहना है कि इसी के बाद उसने मां को रास्ते से हटाने की योजना बनाई।

जांच में सामने आया कि आयुषी शर्मा ने अपने ताऊ मोहन स्वरूप और चचेरे भाई बलराम उर्फ रवि के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। तीनों ने भरतपुर निवासी हेमंत शर्मा को 7 लाख रुपये की सुपारी देकर नीरज शर्मा की हत्या कराने का सौदा किया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पहले एक थार गाड़ी किराए पर लेकर कई दिनों तक नीरज शर्मा की रेकी की, लेकिन उस दौरान वारदात को अंजाम नहीं दे सके। इसके बाद करीब एक महीने तक उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई। आखिरकार पूरी योजना के तहत स्कॉर्पियो से टक्कर मारकर उनकी हत्या कर दी गई।जांच में यह भी सामने आया कि घटना वाले दिन सभी आरोपी अपनी-अपनी भूमिका निभा रहे थे। पुलिस के अनुसार, मोहित शर्मा लगातार नीरज शर्मा की लोकेशन साझा कर रहा था। रोहित जाटव बाइक पर कुछ दूरी से निगरानी कर रहा था। स्कॉर्पियो आकाश शर्मा चला रहा था और उसके साथ अरविंद शर्मा मौजूद था। वारदात के बाद आरोपी स्कॉर्पियो छोड़कर बाइक से फरार हो गए थे।घटना के बाद नीरज शर्मा के भाई राकेश कुमार शर्मा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनकी बहन पहले भी बेटी आयुषी, ससुराल पक्ष और जेठ के बेटे द्वारा प्रॉपर्टी को लेकर परेशान किए जाने की बात बता चुकी थीं। उन्होंने यह भी बताया था कि उन्हें कई बार जान से मारने की धमकी दी गई थी।पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आयुषी शर्मा ने स्वीकार किया कि वह पिता की जगह सरकारी नौकरी चाहती थी, लेकिन मां के नौकरी जॉइन करने के बाद उसने उनकी हत्या की साजिश रची ताकि नौकरी और संपत्ति दोनों उस तक पहुंच सकें। इस मामले में पुलिस ने आयुषी शर्मा, मोहन स्वरूप, मोहित शर्मा, आकाश शर्मा, अरविंद शर्मा, हेमंत शर्मा और रोहित जाटव को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की साजिश में शामिल मुख्य आरोपी बलराम उर्फ रवि अभी फरार है।

ममता...

इसका मुख्य आरोपी प्रभास मंडल पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है। जबकि फरार आरोपी कबीर मोल्ला भी गिरफ्तार हो गया है। अब तक इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। टीएमसी ने हाईकोर्ट से घटना के विरोध में रैली निकालने की परमिशन मांगी थी। हाईकोर्ट से परमिशन के बाद टीएमसी बुधवार को बालीगंज फाड़ी से हाजरा क्रॉसिंग तक रैली निकाल रही थी।

इस दौरान ममता के घर के पास बालीगंज में बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। पुलिस ने हालात काबू करने के लिए लाठीचार्ज किया। घटना के बाद कार्यकर्ता ममता के घर के बाहर पहुंचे थे। इस दौरान वहां हंगामा हो गया। ममता ने लोगों से हटने और व्यवस्था बनाने को कहा। इस दौरान धक्का-मुक्की हुई। वे वहां मौजूद तीन लोगों को मारते हुए नजर आईं।

टीएमसी के 440 करोड़ बैंक डिपॉजिट फ्रीज

बुधवार को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग और फंड हेराफेरी मामले में टीएमसी के तीन बैंक खातों में जमा 440.42 करोड़ रुपये फ्रीज कर दिए। यह कार्रवाई पीएलएमए के तहत की गई। मामले पर टीएमसी की ओर से अभी कोई बयान नहीं आया है। ईडी ने कोलकाता में केयरवेल ग्रुप और उसकी एविएशन कंपनी समेत पांच ठिकानों पर छापेमारी की। एजेंसी का आरोप है कि अप्रैल 2023 से जून 2026 के बीच टीएमसी के खातों से करीब 160 करोड़ रुपये केयरवेल ग्रुप की कंपनियों को भेजे गए। ईडी के मुताबिक, इस रकम का एक हिस्सा बिजनेस जेट और हेलीकॉप्टर खरीदने में लगाया गया। बाद में इन्हें टीएमसी को किराये पर दिया गया।

रेप-मर्डर ...

पोस्टमॉर्टम में रेप की पुष्टि हुई, जिसके बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। पुलिस ने रेप-मर्डर के आरोप में प्रभास सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया था। दूसरा आरोपी आनंद सरदार है।

प्रभास मंडल की मुठभेड़ में मौत के बाद उसकी मां संध्या मंडल ने शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा उसने जो किया, उसकी सजा उसे मिल गई। मैं उसका चेहरा भी नहीं देखना चाहती और परिवार का कोई सदस्य भी शव लेने नहीं जाएगा। संध्या मंडल ने यह भी आरोप लगाया कि उनका बेटा लंबे समय से नशे का आदी था और कभी उनकी बात नहीं मानता था।

आरोपियों ने बच्ची को जिंदा तालाब में फेंका था, भीड़ ने एक निर्दोष को पीट-पीटकर मार डाला

पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच भी की, जिसमें चार लोग लड़की को अपने साथ ले जाते हुए दिखाई दिए थे। पुलिस ने बताया कि शुरुआती पोस्टमॉर्टम में लड़की के सिर और प्राइवेट पार्ट्स पर चोट के निशान मिले। लड़की के सिर पर या तो किसी भारी चीज से वार किया गया था या उसे किसी सख्त सतह पर पटका गया था। शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर खरोंच और काटने के निशान थे। उसके फेफड़ों और पेट में पानी मिला। आरोपियों ने उसे जिंदा ही तालाब में फेंक दिया था। डूबने और ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई।

5 जुलाई को तालाब से लड़की का शव मिलने के तुरंत बाद भीड़ ने एक आरोपी की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। उसपर बच्ची के रेप और मर्डर में शामिल होने का शक था। मृतक की पहचान इंद्रजीत तांती के रूप में हुई थी।

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने 7 जुलाई को बारुईपुर में पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा हमारी कोशिश है कि बंगाल में कहीं भी ऐसी घटना न हो। हमने पुलिस कमिश्नर (सीपी) और एसपी से बात की है। सरकार और पुलिस हर जरूरी कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा मैंने डीजीपी से 72 घंटे के भीतर जांच रिपोर्ट मांगी है। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस की ओर से अगर 1% भी लापरवाही हुई है तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना के बाद भीड़ द्वारा पीट-पीटकर मारा गया इंद्रजीत मंडल निर्दोष था। उन्होंने बताया कि यह जानकारी पुलिस ने उन्हें दी है। उन्होंने इंद्रजीत के परिवार से भी मुलाकात की और भरोसा दिलाया कि उन्हें भी न्याय मिलेगा।

घटना के बाद हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक संपत्ति, पुलिस वाहनों और रेलवे ट्रैक में तोड़फोड़ करने के आरोप में करीब 200 लोगों की पहचान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंसा भड़काने में कुछ राजनीतिक दलों, कट्टरपंथी और राष्ट्रविरोधी ताकतों की भूमिका रही है। पुलिस ने ऐसे लोगों के खिलाफ सबूत जुटाए हैं और कार्रवाई की जाएगी।

टीएमसी ने निकाला कैंडल मार्च

बच्ची से रेप-मर्डर मामले को लेकर बंगाल में राजनीतिक विवाद भी गरमा गया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी समेत पार्टी नेताओं ने घटना के विरोध में 6 जुलाई को कैंडल मार्च निकाला।

पार्टी ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी को पीड़ित परिवार से मिलने नहीं दिया गया और पुलिस ने उन्हें रोक दिया। टीएमसी के अनुसार, ममता को पीड़ित परिवार से मिलने से रोकने के लिए उनके आवास के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने 6 जुलाई को बंगाल के डीजीपी सिद्धार्थ नाथ गुप्ता से एक हफ्ते के अंदर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) मांगी है। आयोग ने एक बयान में कहा कि एटीआर में न केवल इस भयानक अपराध की जानकारी होनी चाहिए, बल्कि इसके बाद हुई भीड़ की हिंसा की घटनाओं का भी जिक्र होना चाहिए, जिसमें अपराध में शामिल होने के शक में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई, केंद्रीय बलों के जवानों पर हमला किया गया और पुलिस की गाड़ियों में आग लगा दी गई।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 09 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

कर्मभूमि के गौरव श्री रमेश अग्रवाल का होगा नागरिक अभिनंदन

अग्रवाल समाज प्रेरणा संध्या कार्यक्रम आज

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज, तेलंगाना द्वारा समाज के सभी अग्रबंधुओं के लिए कर्मभूमि अभिनंदन एवं प्रेरणा संध्या का भव्य आयोजन गुरुवार, 09 जुलाई 2026 को सायं 5:30 बजे से राघव रत्ना टावर्स, 10वीं मंजिल, चिराग अली लेन, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं सम्मानित व्यक्तित्व अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स लिमिटेड के चेयरमैन श्री रमेश अग्रवाल होंगे, जिनका प्रेरणादायी जीवन संघर्ष, परिश्रम, राष्ट्रसेवा और समाजसेवा का अद्भुत उदाहरण माना जाता है। इस अवसर पर श्री रमेश अग्रवाल का नागरिक अभिनंदन किया जाएगा तथा वे अपने प्रेरक उद्बोधन Beyond Profits Building a Successful Business, A Lasting Legacy and A Meaningful Life के माध्यम से सफलता, सामाजिक उत्तरदायित्व, सकारात्मक सोच और जीवन मूल्यों पर अपने अनुभव साझा करेंगे। कार्यक्रम में विशेष रूप से युवा उद्यमियों के लिए मार्गदर्शन, संवाद, प्रश्नोत्तर तथा प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया जाएगा।

ग्रामीण परिवेश से वैश्विक उद्योग जगत तक का प्रेरक सफर

श्री रमेश अग्रवाल का जीवन संघर्ष, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की मिसाल है। साधारण ग्रामीण परिवार में जन्मे श्री अग्रवाल ने मात्र 15 वर्ष की आयु से ही अपने परिवार की आर्थिक सहायता के लिए पढ़ाई के साथ-साथ गांव में साइकिल पर घर-घर जाकर घरेलू उपयोग की वस्तुएं बेचनी शुरू कर दी थीं। इसी संघर्ष ने उन्हें मेहनत, अनुशासन और आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाया। वर्ष 1980 में उन्होंने भारतीय वायुसेना में भर्ती होकर अपने करियर की शुरुआत की। चेन्नई स्थित एमटीआई (Military Training Institute) में प्रशिक्षण के दौरान 542 प्रशिक्षुओं में उन्हें 'बेस्ट एयरमैन चुना गया, जो उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा और अनुशासन का प्रमाण है।

विश्वभर में भारतीय लॉजिस्टिक्स का परचम

वर्ष 1987 में श्री रमेश अग्रवाल ने अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स लिमिटेड की स्थापना कर उद्यमिता की नई शुरुआत की। आज यह संस्था भारत ही नहीं बल्कि विश्व की अग्रणी लॉजिस्टिक्स

कंपनियों में शामिल है। कंपनी के पास लगभग 2000 स्वामित्व वाले वाहन हैं तथा इसकी सेवाएं 182 देशों तक पहुंच चुकी हैं।

उनकी नवाचार आधारित कार्यशैली और व्यावसायिक मॉडल को विश्वस्तरीय पहचान मिली है। उनके सफल प्रबंधन और व्यावसायिक रणनीतियों पर हार्वर्ड विश्वविद्यालय तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान में केस स्टडी तैयार की गई हैं, जो किसी भी भारतीय उद्यमी के लिए गौरव की बात है।

समाजसेवा को बनाया जीवन का उद्देश्य

व्यवसायिक सफलता के साथ-साथ श्री रमेश अग्रवाल समाजसेवा में भी समान रूप से सक्रिय हैं। उन्होंने ट्रक चालकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और विश्राम को ध्यान में रखते हुए एपीएम ड्राइवर निंद्रा दान केंद्र की स्थापना की, जो परिवहन क्षेत्र में एक अभिनव सामाजिक पहल मानी जाती है।

वे सेवा भारती, दिल्ली के अध्यक्ष के रूप में शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, संस्कार एवं सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से 40 लाख से अधिक जरूरतमंद लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर चुके हैं।

इसके अतिरिक्त वे समर्थ भारत के निदेशक, ऑल इंडिया ट्रांसपोर्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन (एआईटीडब्ल्यूए) के संरक्षक तथा भारत प्रकाशन के निदेशक के रूप में भी समाजहित में निरंतर कार्य कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय सम्मान से बढ़ाया देश का गौरव

श्री रमेश अग्रवाल को वर्ष 2025 में ब्रिटिश पार्लियामेंट, लंदन में आयोजित समारोह में ज़ी मीडिया ग्लोबल इनोवेशन एंड लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उद्योग, नवाचार, नेतृत्व क्षमता और समाजसेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।

युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत

अग्रवाल समाज, तेलंगाना के पदाधिकारियों अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल ने बताया कि श्री रमेश अग्रवाल का संपूर्ण जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका मानना है कि मजबूत और सकारात्मक सोच किसी भी चमत्कार से अधिक परिवर्तन ला सकती है। यही विचार उनके व्यक्तित्व और कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान है।

समाज ने सभी अग्रबंधुओं से कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होकर हैदराबाद की कर्मभूमि से जुड़े इस प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व का सम्मान करने तथा उनके अनुभवों से प्रेरणा प्राप्त करने का आग्रह किया है। कार्यक्रम के पश्चात सभी अतिथियों के लिए रात्रिभोज की भी व्यवस्था रहेगी।

टीपीएसडब्लूओ ने की मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात

प्रवासी समुदाय को जागरूक करने पर जोर

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना प्रवासी समाज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (टीपीएसडब्लूओ) के मुख्य संयोजक सुभाष अग्रवाल ने मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) से जुड़ी जागरूकता पहलों पर चर्चा करने के लिए तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) से मुलाकात की। टीपीएसडब्ल्यूओ इस एसआईआर अभियान में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से पूरे तेलंगाना में प्रवासी समुदाय को अपने मतदान अधिकारों को सत्यापित करने, अपडेट करने और सुरक्षित रखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रवासी समुदाय की भागीदारी पर विशेष ध्यान

मुलाकात के दौरान मुख्य संयोजक सुभाष अग्रवाल ने कहा कि लोकतंत्र में हर एक वोट का अत्यधिक महत्व है। विशेष रूप से प्रवासी समुदाय के लोगों को अक्सर रोजगार या अन्य कारणों से अपने पते और विवरण बदलने पड़ते हैं। टीपीएसडब्ल्यूओ का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य का कोई भी प्रवासी नागरिक अपने इस बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न रहे। संगठन इस अभियान को जमीनी स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जागरूकता अभियानों में तेजी लाने का संकल्प

मुख्य निर्वाचन अधिकारी से सकारात्मक चर्चा के बाद, टीपीएसडब्ल्यूओ ने आने वाले दिनों में राज्य भर के प्रवासी बाहुल्य क्षेत्रों में विशेष शिविर और जागरूकता बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया है।

संगठन ने सभी प्रवासियों से अपील की है कि वे समय रहते एसआईआर अभियान का हिस्सा बनें और अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाएं।

भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य, इससे मिलती है आत्मिक शांति : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया। इस दौरान जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा को मानव जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए निरंतर समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि ''भूखे को भोजन करवाकर जो आत्मिक संतुष्टि प्राप्त होती है, उसका कोई मूल्य नहीं हो सकता। जरूरतमंद व्यक्ति के चेहरे पर भोजन मिलने के बाद जो मुस्कान और संतोष दिखाई देता है, वही सेवा करने वाले के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है और प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपने सामर्थ्य के अनुसार समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता अवश्य करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले लंबे समय से बिना किसी भेदभाव के नियमित अन्नदान सेवा कर समाज में मानवता, प्रेम और सहयोग का संदेश दे रहा है। ऐसे सेवा कार्य न केवल जरूरतमंदों का सहारा बनते हैं, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे और संवेदनशीलता को भी मजबूत करते हैं।कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा, ज्योति अग्रवाल एवं जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सेवा कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

'शपथ' अभियान का संकल्प: नशामुक्त समाज के निर्माण की ओर एक और मजबूत कदम

ब्रिलियंट ग्रामर हाई स्कूल में 300 विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति किया जागरूक

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा संचालित 'शपथ – एंटी ड्रग अभियान' के अंतर्गत बुधवार, 08 जुलाई को ब्रिलियंट ग्रामर हाई स्कूल में एक प्रभावशाली नशा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 300 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

यह कार्यक्रम 'शपथ – एंटी ड्रग अभियान' की जागरूकता श्रृंखला का दूसरा चरण था। अभियान के माध्यम से अग्रवाल समाज तेलंगाना लगातार युवाओं एवं विद्यार्थियों के बीच नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने तथा उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। इस अभियान का मार्गदर्शन श्री रामनिवास बंसल, श्री देवेंद्र शास्त्री, श्री अनिल सिंह, श्री कन्हैया गड़िया एवं श्री पंकज शास्त्री द्वारा किया जा रहा है। टीम शपथ के सदस्यों ने विद्यार्थियों को नशे की लत से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं पारिवारिक दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए जीवन में अच्छे संस्कार, अनुशासन और सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में तेलंगाना ईगल फोर्स के इंस्पेक्टर पी. श्रीनिवास राव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए समाज में बढ़ते नशे के प्रचलन, उसके दुष्परिणामों तथा युवाओं के भविष्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहकर शिक्षा, चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन जीने की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती प्रेरणा सिंह एवं समस्त विद्यालय स्टाफ का आयोजन को सफल बनाने में विशेष सहयोग रहा। अग्रवाल समाज तेलंगाना ने विद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता अभियान युवाओं को सही दिशा देने और नशामुक्त, स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की तैयारियों में जुटीं अग्रवाल समाज तेलंगाना की महिला शाखाएँ

16 जुलाई को आबिड्स से नामपल्ली एग्जीबिशन ग्राउंड तक निकलेगी भव्य रथयात्रा

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना की विभिन्न महिला शाखाओं की कार्यकारिणी बैठक बुधवार को राघव रत्ना टॉवर में महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. सीमा जैन तथा श्री नरेंद्र गोयल कुमार के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 16 जुलाई को आयोजित होने वाली भगवान जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने की रणनीति तैयार की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा आबिड्स से नामपल्ली एग्जीबिशन ग्राउंड तक पूरे उत्साह, श्रद्धा और भव्यता के साथ निकाली जाएगी। रथयात्रा के सफल आयोजन के लिए विभिन्न महिला शाखाओं के बीच सेवा कार्यों का दायित्व निर्धारित किया गया तथा स्वयंसेवी सेवाओं की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। साथ ही व्यवस्था, अनुशासन, स्वागत एवं अन्य सेवा कार्यों को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने पर भी विशेष चर्चा हुई।

बैठक में रानी सती दादी महिला शाखा, सत्य शक्ति टी.वी. टॉवर शाखा, मालिकपेट महिला शाखा, सोमाजीगुड़ा महिला शाखा, राधा कृष्ण (एर्रागड्डा) महिला शाखा, रामनगर ईस्ट महिला शाखा, गाचीबावली शाखा, अग्रवाल महिला शाखा तथा उत्तराखंड महिला शाखा की पदाधिकारियों एवं सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रथयात्रा को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर राधा कृष्ण (एर्रागड्डा) नई महिला शाखा का विशेष सम्मान भी किया गया। शाखा की 6 पदाधिकारियों एवं 2 कार्यकारिणी सदस्यों का पुष्पगुच्छ एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर अभिनंदन किया गया तथा उनके सफल कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं।

बैठक में उपस्थित सभी महिला शाखाओं से समाज की अधिकाधिक महिलाओं को भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा में सहभागी बनने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर सुमन गुप्ता, मोनिका एवं सीमा अग्रवाल सहित अनेक कार्यकर्त्रियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आयोजन की तैयारियों में बढ़-चढ़कर योगदान देने और सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

बैठक का समापन इस विश्वास के साथ हुआ कि भगवान जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा समाज की एकता, सेवा, संस्कृति, धार्मिक आस्था एवं सामाजिक समरसता का प्रेरणादायी प्रतीक बनेगी तथा इसमें महिलाओं की सक्रिय भागीदारी आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

भारत–भूटान संबंधों में नया अध्याय:

ईवीएम आपूर्ति के लिए ईसीआईएल और भूटान निर्वाचन आयोग के बीच ऐतिहासिक समझौता

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत और भूटान के बीच द्विपक्षीय चुनावी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) और भूटान निर्वाचन आयोग (ईसीबी) के बीच एक समझौता ज्ञापनपर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस अनुबंध के तहत, थिम्पू में भूटान की माननीय मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुश्री डेकी पेमा और ईसीआईएल (ईसीआईएल) के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, निदेशक (तकनीकी) एवं सीएमडी डॉ. अनेश कुमार शर्मा ने भूटान निर्वाचन आयोग को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की आपूर्ति के लिए अनुबंध शर्तों पर हस्ताक्षर किए। इस ऐतिहासिक समझौते के तहत ईसीआईएल भूटान में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए अत्याधुनिक ईवीएम की आपूर्ति करेगा।

थिम्पू में हुआ उच्च स्तरीय हस्ताक्षर समारोह

यह महत्वपूर्ण हस्ताक्षर समारोह भूटान के थिम्पू स्थित निर्वाचन आयोग मुख्यालय में आयोजित किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर भूटान के निर्वाचन आयुक्त जिग्मे थिनले नामग्याल, निर्वाचन आयुक्त सोनम पेल्डेन थाये, ईसीबी के निदेशक गोविंद सुबेदी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सोनम वांगडा और ईसीआईएल के ईवीएम डिवीजन के प्रभारी लेफ्टिनेंट कर्नल आर.एस. बैंस (सेवानिवृत्त) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अत्याधुनिक भारतीय तकनीक से मजबूत होगा भूटान का लोकतंत्र

इस समझौते के तहत आपूर्ति की जाने वाली भारत निर्मित ईवीएम पूरी तरह सुरक्षित और अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं। ईसीआईएल की यह तकनीक भूटान की लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और कुशल बनाने में मदद करेगी। यह कदम न केवल दोनों देशों के बीच तकनीकी आदान–प्रदान को बढ़ावा देता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारतीय चुनावी तकनीक की विश्वसनीयता को भी दर्शाता है।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष राव ने एससीसीएल को ताडिचेरला–द्वितीय कोल ब्लॉक आवंटित करने का श्रेय केंद्र सरकार को दिया

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने बुधवार को सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) को ताडिचेरला–द्वितीय कोल ब्लॉक आवंटित करने का श्रेय केंद्र सरकार को दिया।

श्री रामचंद्र राव ने नामप्पली में पार्टी के प्रदेश कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि लगभग 182 मिलियन टन कोयला भंडार वाले ताडिचेरला द्वितीय कोल ब्लॉक का आवंटन तेलंगाना के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे सिंगारेनी को 64,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व कमाने और लगभग 1,200 युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आवंटन तेलंगाना के भविष्य को मजबूत करने के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और मौजूदा कांग्रेस सरकारों पर आरोप लगाया कि उन्होंने इस बड़ी कोयला कंपनी की अनदेखी की और इसके संसाधनों का गलत इस्तेमाल किया। उन्होंने कांग्रेस सरकार के उस दावे को खारिज कर दिया कि उसने यह कोल ब्लॉक हासिल किया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह भाजपा के सांसदों, विधायकों, जिला नेताओं और किशन रेड्डी के प्रयासों से संभव हुआ। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार इस ब्लॉक को आवंटित करने में क्यों विफल रही थी।

श्री राव ने आरोप लगाया कि तेलंगाना की पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार ने अपने निजी हितों के लिए सिंगारेनी का शोषण किया, जबकि मौजूदा कांग्रेस सरकार कंपनी के फंड को फुटबॉल मैचों जैसे आयोजनों में खर्च कर रही है। उन्होंने बताया कि सिंगारेनी अभी 39 खदानें चलाती है और इसमें लगभग 41,000 स्थायी कर्मचारी और 31,000 अनुबंध कर्मचारी काम करते हैं। उन्होंने कोयला क्षेत्र में केंद्र के सुधारों का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में कोल इंडिया के तहत कोयला उत्पादन में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और अब यह क्षेत्र सालाना लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न कर रहा है।

उन्होंने भूमि प्रशासन के मामले में धरणी पोर्टल में कथित फर्जी खातों की व्यापक जांच की मांग की।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान लगभग 2,000 फर्जी खाते सामने आए थे। उन्होंने विशेष जांच दल (एसआईटी) से आग्रह किया कि वह अपनी जांच का दायरा बढ़ाए और इसमें भू–भारती कार्यक्रम में कथित अनियमितताओं को भी शामिल करे। इसके साथ ही उन्होंने भ्रष्टाचार में शामिल पाए जाने वाले राजनेताओं और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

भाजपा नेता ने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस, कालेश्वरम परियोजना के तहत कन्नेपल्ली और मेदिगड्डा बैराज पर चर्चा को फिर से शुरू करके धरणी और भू–भारती में कथित गड़बड़ियों से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पहली पार्टी थी जिसने इस परियोजना की राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण से जांच की मांग की थी और कांग्रेस एवं बीआरएस से इस मुद्दे पर राजनीति बंद करने को कहा था।

तिरुपति में 30 सितंबर तक चुनिंदा तारीखों पर वीआईपी ब्रेक दर्शन रद्द

तिरुपति, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने बुधवार को घोषणा की कि कई धार्मिक त्योहारों और मंदिर के कार्यक्रमों के मद्देनजर जुलाई से 30 सितंबर के बीच कुछ खास तारीखों पर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वीआईपी ब्रेक दर्शन रद्द रहेंगे।

टीटीडी के अनुसार वीआईपी ब्रेक दर्शन 14 जुलाई (कोइल अलवर तिरुमंजनम), 17 जुलाई (अनिवारा अस्थानम), 19 जुलाई (श्री अंडवन आश्रम के स्वामीजी को पेड्डा मर्यादा), 29 जुलाई (तिरुमाला जीयर स्वामीजी का चातुर्मास्य संकल्प), 22 अगस्त (पवित्रोत्सवम के लिए अंकुरर्पणम), 24 अगस्त (पवित्रोत्सवम के दौरान पवित्र समर्पण), 08 सितंबर (श्रीवारी ब्रह्मोत्सवम के सिलसिले में कोइल अलवर तिरुमंजनम), 14 सितंबर (श्रीवारी ब्रह्मोत्सवम के लिए अंकुरर्पणम) और 15 से 23 सितंबर तक सालाना श्रीवारी ब्रह्मोत्सवम के दौरान बंद रहेंगे।

आगामी त्योहारों को लेकर पुलिस अधिकारियों से मिली सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी त्योहारों के मद्देनजर शहर में शांति, सौहार्द एवं बेहतर कानून–व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को विभिन्न पुलिस अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की।

सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी, खैरताबाद जोन के अध्यक्ष शशिकांत अग्रवाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एसीपी सुल्तान बाजार एम. मातया, एसीपी सैफाबाद आर. संजय कुमार, इंस्पेक्टर सुल्तान बाजार जी. नागेश, इंस्पेक्टर नामपल्ली साईंदुलू तथा लेक पुलिस इंस्पेक्टर आर. वेंकटेश्वरलू से मुलाकात की।

बैठक के दौरान आगामी त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के बीच समन्वय तथा शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि सभी त्योहार आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द और कानून–व्यवस्था का पालन करते हुए मनाए जाएं, इसके लिए समिति सक्रिय भूमिका निभाएगी।

पुलिस अधिकारियों ने भी समिति के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक संगठनों और पुलिस प्रशासन के बेहतर समन्वय से त्योहारों का आयोजन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सकता है। इस अवसर पर समिति के मंत्री बरकत अली मानसरिया सहित ए. लक्ष्मण, मुनि कुमार, इम्तियाज खादरी, जे. सत्यनारायण, एवेज मिर्जा, आबिद अली, श्रीनिवास, अनिल, वेणु, धीरेन्द्र बियानी, अमीन पीरानी, सत्यम एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

तेलंगाना के लिए गर्व का क्षण, विश्व बैंक ने माना समृद्ध राज्य: केटीआर

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने बुधवार को कहा कि विश्व बैंक के एक कथित आकलन में तेलंगाना को उच्च–मध्यम–आय मानक से ऊपर स्थान दिया गया है, जो राज्य के लोगों के लिए बेहद गर्व की बात है।

बीआरएस नेता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि तेलंगाना इस मुकाम को हासिल करने वाले देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने इसे राज्य के गठन के बाद से आए आर्थिक बदलाव का एक बड़ा सबूत बताया। श्री रामा राव ने कहा कि जो क्षेत्र कभी गरीबी के लिए जाना जाता था, वह आज एक समृद्ध राज्य बन चुका है। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना के लोगों की संपत्ति और आय में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने राज्य की इस प्रगति का श्रेय यहां के नागरिकों की कड़ी मेहनत, कौशल और संकल्प को दिया और कहा कि तेलंगाना के विकास में योगदान देने वाला हर निवासी इसके लिए बधाई का पात्र है। बीआरएस नेता ने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में राज्य की तेज आर्थिक तरक्की को राष्ट्रीय रिपोर्टों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों दोनों ने स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक की यह ताजा रिपोर्ट उन प्रचारों का सटीक जवाब है, जिनमें आरोप लगाया गया था कि तेलंगाना एक दिवालिया राज्य बन चुका है।

वाईएसआर रेड्डी की जयंती पर रेवंत रेड्डी ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस राजशेखर रेड्डी (वाईएसआर) की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री रेड्डी ने वाईएसआर को एक महान नेता बताया और कहा कि जनकल्याण को समर्पित उनका शासन आज भी पीढ़ियों को प्रेरित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, किसानों के कल्याण, मुफ्त बिजली, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा को बढ़ावा देने और सामाजिक न्याय के प्रति डॉ. वाई एस राजशेखर रेड्डी के ऐतिहासिक फैसले हमेशा सही साबित हुए हैं।

श्री रेड्डी ने दिवंगत नेता की सराहना करते हुए उन्हें जनता का सच्चा नेता बताया, जो लोगों को अपने परिवार के सदस्यों की तरह मानते थे और जिन्होंने अपना पूरा जीवन उनके कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. रेड्डी के आदर्श, जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और मानवीय दृष्टिकोण आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरित करते हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री की जयंती पर उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

पुण्यतिथि पर अन्नदान कर दिवंगत माता–पिता को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि : शिव अग्रवाल

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिव अग्रवाल ने अपने माता–पिता की पुण्यतिथि पर जरूरतमंद एवं निराश्रित जनों को भोजन वितरित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर शिव अग्रवाल ने कहा कि आज हमारी पूज्य माताजी एवं पिताजी की पुण्यतिथि के अवसर पर जरूरतमंद लोगों को भोजन करवाकर मन को अपार शांति और आत्मिक संतोष मिला है। हम राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के हृदय से आभारी हैं कि उन्होंने हमें सेवा का यह पावन अवसर प्रदान किया। राधे–राधे ग्रुप जिस निस्वार्थ भाव, समर्पण और निरंतरता के साथ मानव सेवा का कार्य कर रहा है, वैसी सेवा आज के समय में विरले ही देखने को मिलती है। यह सेवा वास्तव में ईश्वर की कृपा और मानवता के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है।

आज की अन्नदान सेवा स्वर्गीय श्रीमती सूरजकला बाई एवं स्वर्गीय श्री संतलाल जी की पुण्यतिथि की पावन स्मृति में श्री मूंगालाल जी–संतलाल जी परिवार द्वारा समर्पित की गई। कार्यक्रम में सभी ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों का स्मरण किया तथा मानव सेवा को ही सच्ची श्रद्धांजलि बताया।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम कुमावत, सुशील गुप्ता, जगन गुप्ता, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, महेश अग्रवाल, शिव अग्रवाल एवं ऋषभ अग्रवाल सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया और मानव सेवा के इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

बीएलओ के अपर्याप्त प्रशिक्षण से मतदाता पंजीकरण अभियान की रफ्तार धीमी : टीडीपी

हैदराबाद, 08 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेताओं ने चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता पंजीकरण (एन्यूमरेशन फॉर्म) अभियान की धीमी गति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बूथ लेवल ऑफिसरों (बीएलओ) को पर्याप्त जानकारी एवं समुचित प्रशिक्षण नहीं मिलने के कारण पंजीकरण प्रक्रिया अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रही है।

यह बातें टीडीपी हैदराबाद संसदीय समन्वयक नागू नागेश, एसआईआर गोशामहल विधानसभा सदस्य एवं जीएचएमसी के पूर्व फ्लोर लीडर राम नारायण यादव तथा नेता के.डी. दिनेश ने कहीं।

टीडीपी हैदराबाद संसदीय समन्वयक नागू नागेश के पर्यवेक्षण तथा राम नारायण यादव एवं के.डी. दिनेश के नेतृत्व में आयोजित जन–जागरूकता यात्रा के तहत गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में नागरिकों को मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया एवं एन्यूमरेशन फॉर्म भरने की जानकारी दी गई।

इस दौरान नेताओं ने कहा कि बीएलओ को व्यापक प्रशिक्षण देने में लापरवाही तथा वरिष्ठ अधिकारियों की जमीनी स्तर पर प्रभावी निगरानी के अभाव में मतदाता पंजीकरण अभियान प्रभावित हो रहा है। उनका कहना था कि यदि बीएलओ पूरी तरह प्रशिक्षित होंगे तो पात्र मतदाताओं का पंजीकरण अधिक सुगमता और तेजी से किया जा सकेगा।

नेताओं ने बताया कि वर्तमान पंजीकरण आवेदन में वर्ष 2002 के निर्वाचन क्षेत्र एवं बूथ संख्या की जानकारी मांगी जा रही है, जबकि वर्ष 2009 में हुए परिसीमन के बाद अनेक बूथों एवं निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं में बदलाव हो चुका है। ऐसे में विशेष रूप से निरक्षर, बुजुर्ग एवं आम नागरिकों को अपने पुराने बूथ नंबर और निर्वाचन क्षेत्र की जानकारी उपलब्ध कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की कि पहले की तरह बीएलओ को प्रत्येक घर तक भेजकर मतदाता पंजीकरण, विवरणों में संशोधन, परिवर्तन एवं नए नाम जोड़ने की प्रक्रिया को पुनः प्रभावी रूप से लागू किया जाए। साथ ही बीएलओ को समग्र एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए तथा अधिकारियों की जमीनी स्तर पर निगरानी को और सुदृढ़ बनाया जाए।

नेताओं ने यह भी सुझाव दिया कि प्रत्येक बस्ती के सामुदायिक भवन (कम्युनिटी हॉल) में स्थानीय अध्यक्षों की उपस्थिति में विशेष बैठकें आयोजित की जाएं। इन बैठकों में बीएलओ तथा स्थानीय नागरिकों को आमंत्रित कर एन्यूमरेशन फॉर्म भरने की प्रक्रिया और मतदाता पंजीकरण संबंधी प्रशिक्षण दिया जाए।

इस संबंध में उन्होंने उप आयुक्त महोदया से विशेष अनुरोध किया कि इस व्यवस्था को लागू करने पर गंभीरता से विचार किया जाए।

इस जन–जागरूकता कार्यक्रम में तैय्यबा तस्लीम, डॉ. प्रेम प्रकाश शर्मा, एच. आनंद, बी. श्याम सुंदर, एम.डी. अहमद शरीफ, बी.वाई. श्रीकांत, जोगिंदर सिंह, सुरेंद्र (बैजू), सत्य कृष्ण, आर. अजय सहित अनेक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.